मंगलवार, 14 जुलाई 2026

मौसम

तापमान 27 – 31
आर्द्रता 87%
सूर्योदय: 05:00 सूर्यास्त: 18:24

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

भारत ने लार्ड्स में ऐतिहासिक महिला क्रिकेट टेस्ट में इंग्लैंड को 270 रन से हराया पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, आषाढ़ कृष्णपक्ष अमावस्या, वि.स. 2083, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : जिंदगी जीने के लिए वक्त को बदलने की और वक्त से साथ बदलने की काबिलियत होनी चाहिए।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

श्रावण में कांवड़ियों पर होगी हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, मंदिरों में भी विशेष व्यवस्था : शुभेंदु अधिकारी

नवन्ना में रथ यात्रा समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को बागबाजार जगन्नाथ की तस्वीर भेंट स्वरुप सौंपा। इस दौरान राज्यमंत्री पूर्णिमा चक्रबर्ती भी रहीं उपस्थित।

श्रावण श्रद्धालुओं के लिए सेवा केंद्र और तारकेश्वर धाम विकास

60 रथ यात्रा समितियों को 5–5 लाख रुपये की सहायता की घोषणा

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को राज्य की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई बड़े नीतिगत फैसलों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार दशकों पुरानी परंपरा निभाने वाली 60 चुनिंदा रथ यात्रा समितियों में से प्रत्येक को 5–5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक आर्थिक मदद नहीं, बल्कि राज्य के ऐतिहासिक उत्सवों में सरकार की सक्रिय और आधिकारिक भागीदारी की शुरुआत है। इस दौरान, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पिछली सरकार त्योहारों के नाम पर महज कुछ ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को भेजकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती थी। लेकिन, वर्तमान सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मूलमंत्र- 'विकास भी, विरासत भी' की राह पर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने रथ यात्रा समितियों से विशेष आग्रह किया है कि वे इस सरकारी अनुदान का उपयोग मुख्य रूप से प्राचीन और विशेषकर लकड़ी के बने पारंपरिक रथों के जीर्णोद्धार के लिए करें। उन्होंने यह भी माना कि पहले वर्ष में समितियों की सूची तैयार करने में कुछ कमियां रह गई होंगी, जिन्हें आने वाले समय में पूरी तरह त्रुटिहीन कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज जो यह बीज बोया गया है, वह भविष्य में एक विशाल वटवृक्ष बनेगा।

15 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को मंजूरी

रथ यात्रा के साथ-साथ मुख्यमंत्री ने पवित्र श्रावण महीने में जल चढ़ाने वाले शिवभक्तों (जलयात्रियों) के लिए भी अभूतपूर्व घोषणाएं की हैं। राज्य सरकार शेवड़ाफुली से तारकेश्वर धाम के मार्ग पर हर 5 किलोमीटर की दूरी पर अत्याधुनिक सेवा केंद्र स्थापित करने जा रही है। तारकेश्वर धाम को भव्य रूप देने के लिए 15 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त, जलपाईगुड़ी के प्रसिद्ध जल्पेश मंदिर, भूटान सीमा पर स्थित जयंती क्षेत्र के मंदिर और तारकेश्वर धाम में पुलिस सहायता शिविर, अस्थाई चिकित्सा केंद्र, पेयजल और विश्राम गृहों की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि यदि मौसम अनुकूल रहा, तो श्रावण के हर सोमवार को श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से गुलाब के फूलों की वर्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री स्वयं 14 जुलाई को तारकेश्वर धाम का दौरा करेंगे।

'तीर्थ सर्किट' विकसित करने की घोषणा

उन्होंने कहा कि धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व वाली जगहों को संरक्षित करने की सरकारी कोशिशों के तहत राज्य के बजट में एक 'तीर्थ सर्किट' विकसित करने का प्रावधान किया गया है। इसके तहत राज्य सरकार अगले दो वर्षों में विभिन्न ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के विकास और संरक्षण पर 1,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। मुर्शिदाबाद स्थित कीरीटेश्वरी मंदिर समेत कई प्राचीन मंदिरों को विरासत संरक्षण योजना के तहत विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत सेवाश्रम संघ द्वारा चलाए जा रहे अस्पतालों को आयुष्मान भारत योजना के तहत लाया गया है। अधिकारी ने यह भी घोषणा की कि सरकार ने स्वामी विवेकानंद की जन्मस्थली 'सिमला स्ट्रीट' के लिए पांच करोड़ रुपये के स्थायी कोष को मंजूरी दी है।

वियतनाम नौका हादसा: 15 भारतीयों के शव मुंबई लाए गए

मुंबई : पिछले सप्ताह वियतनाम में नौका हादसे में जान गंवाने वाले 15 भारतीय नागरिकों के शव लेकर आया विमान सोमवार रात मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। सूत्रों के अनुसार, हो ची मिन्ह सिटी से वियतनाम एयरलाइंस की उड़ान 'वीएन-979' रात नौ बजकर 19 मिनट पर मुंबई पहुंची। मृतकों में 10 तमिलनाडु, तीन आंध्र प्रदेश और दो केरल के निवासी थे। इनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि शवों को उनके पैतृक स्थानों तक पहुंचाने के लिए कोयंबटूर, चेन्नई, हैदराबाद और तिरुवनंतपुरम ले जाया जाएगा। शुक्रवार को फू क्वोक द्वीप के निकट होन मे रुत नगोई क्षेत्र के पास 32 भारतीय पर्यटकों और चालक दल के चार स्थानीय सदस्यों को लेकर जा रही एक स्पीडबोट पलट गई थी। इस हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई।

बंगाल की खाड़ी में ट्रॉलर डूबने की घटना में नौ मछुआरों की मौत, छह अब भी लापता

प्रधानमंत्री कार्यालय ने मुआवजे की घोषणा की

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल की खाड़ी में ट्रॉलर डूबने की घटना में सुंदरबन क्षेत्र से नौ मछुआरों के शव बरामद किए गए हैं। रविवार को दक्षिण 24 परगना के गोबर्धनपुर थाना पुलिस, वन विभाग और भारतीय तटरक्षक बल ने रक्तचड़ा इलाके के पास समुद्र में डूबे ट्रॉलर का पता लगाया। बाद में, उसे निकालकर गोबर्धनपुर के सीतारामपुर लाया गया, जहां तलाशी के दौरान नौ शव मिले। दुर्घटनाग्रस्त ट्रॉलर का नाम एफबी मां काली है। बता दें कि यह इसी महीने की शुरुआत में पूर्व मेदिनीपुर के शंकरपुर मछली बंदरगाह से 15 मछुआरों को लेकर समुद्र में मछली पकड़ने निकला था। खराब मौसम के कारण ट्रॉलर रास्ता भटक गया और उसके बाद उसका संपर्क टूट गया था। पुलिस के अनुसार, ट्रॉलर में सवार अन्य छह मछुआरे अभी भी लापता हैं। बरामद शवों को पोस्टमार्टम के लिए काकद्वीप महकमा अस्पताल भेज दिया गया है। सोमवार को भी पुलिस, वन विभाग और भारतीय तटरक्षक बल ने संयुक्त रूप से समुद्र में खोज अभियान चलाया। प्रशासन को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

बंगाल में 'गुंडा दमन कानून' लागू : बिना मुकदमे के संदिग्धों को हिरासत में रखने, दंगाइयों की संपत्ति होगी कुर्क

राज्य में गुंडा-रोधी कानून लागू, तृणमूल की 'गुंडागर्दी' पर लगाम लगाना मकसद : शुभेंदु अधिकारी

शुभेंदु अधिकारी ने इस कानून को जरूरी बताते हुए इसे पिछली सरकारों के बाद कानून-व्यवस्था बहाल करने के बड़े राजनीतिक विमर्श के तहत पेश करने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कानून 34 साल के वामपंथी शासन के गुंडों और 15 साल के तृणमूल शासन वाले गुंडों से निपटने के लिए जरूरी था। उन्होंने यह साफ किया कि इस कानून का मकसद आम राजनीतिक कार्यकर्ताओं को निशाना बनाना नहीं, बल्कि जमे-जमाए अपराधी-नेता नेटवर्क को खत्म करना था।

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार ने संगठित अपराध और हिंसक विरोध-प्रदर्शनों पर अंकुश लगाने के मकसद से सोमवार को दो विवादित कानून लागू कर दिए, जिनके तहत अधिकारियों को बिना मुकदमे के संदिग्धों को हिरासत में रखने और दंगाइयों की संपत्ति कुर्क करके नुकसान की भरपाई करने का अधिकार दिया गया है। पश्चिम बंगाल जन सुरक्षा एवं असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण अधिनियम, 2026, जिसे 'गुंडा रोधी कानून' भी कहा जाता है तथा पश्चिम बंगाल लोक व्यवस्था अनुरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2026 सोमवार से प्रभावी हो गए। बता दें कि इन दोनों विधेयकों को राज्य विधानसभा ने 29 जून को पारित किया था।

नागरिकता का दर्जा तय करने की प्रक्रिया निष्पक्ष और कानूनी होनी चाहिए: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि नागरिकता की स्थिति का निर्धारण एक निष्पक्ष, कानूनी और तर्कसंगत प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय के उन फैसलों को रद्द कर दिया, जिनमें कुछ व्यक्तियों को विदेशी घोषित करने के आदेशों की पुष्टि की गई थी। इसने इस बात पर जोर दिया कि कानून के समक्ष समानता, कानूनों का समान संरक्षण, जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार भारतीय क्षेत्र के भीतर हर व्यक्ति को प्राप्त है। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि उसने अपीलकर्ताओं द्वारा किए गए नागरिकता संबंधी दावों के गुण-दोष की पड़ताल नहीं की है। न्यायालय ने संबंधित न्यायाधिकरणों को निर्देश दिया कि वे उच्च न्यायालय या न्यायाधिकरणों द्वारा की गई किसी भी पिछली टिप्पणी से प्रभावित हुए बिना, इन मामलों पर नए सिरे से निर्णय लें।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी से मांगी स्थिति रिपोर्ट

राम मंदिर के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के लिए आवेदन आमंत्रित, 18 जुलाई अंतिम तिथि

अयोध्या : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या स्थित राम मंदिर के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 18 जुलाई निर्धारित की गई है।ट्रस्ट के अनुसार, सीईओ की नियुक्ति प्रारंभिक रूप से तीन वर्ष के अनुबंध पर होगी, जिसे संतोषजनक कार्य के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकेगा। नियुक्ति अयोध्या में होगी, जबकि वेतन और अन्य सेवा शर्तें आपसी सहमति से तय की जाएंगी।इस पद के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक, 50 से 70 वर्ष आयु तथा किसी बड़े सरकारी विभाग, सार्वजनिक संस्थान, संगठन या कंपनी में कम से कम 20 वर्ष का प्रबंधकीय अनुभव अनिवार्य रखा गया है। उम्मीदवार को प्रशासन, वित्त, लेखा, मानव संसाधन, जनसंपर्क, सूचना प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और विधिक मामलों का अनुभव भी होना चाहिए।मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन के आरोपों के बाद प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से ट्रस्ट ने पहली बार इस पद का सृजन किया है।

नई दिल्ली : अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन के मामले में उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से स्थिति रिपोर्ट तलब की है। साथ ही, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग वाली तीन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिकाओं में चढ़ावे के कथित गबन की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने तथा ट्रस्ट के वित्तीय लेन-देन का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) या फॉरेंसिक ऑडिट कराने की मांग की गई है।याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ट्रस्ट के वित्तीय लेन-देन और प्रशासन में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच जरूरी है, ताकि करोड़ों श्रद्धालुओं और दानदाताओं का विश्वास बना रहे। याचिकाओं में यह भी आरोप लगाया गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार की एसआईटी ने बिना प्राथमिकी दर्ज किए जांच शुरू की है।

एनटीए ने नीट-यूजी की स्कैन की गई ओएमआर शीट जारी कीं

15 जुलाई तक उत्तरों को चुनौती दे सकते हैं

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने सोमवार को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन की गई तस्वीरें जारी कर दीं, ताकि अभ्यर्थियों को उत्तरों को चुनौती देने का अवसर मिल सके। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पेपर लीक के आरोपों के बाद पहली परीक्षा रद्द कर दिए जाने के बाद 21 जून को यह महत्वपूर्ण परीक्षा फिर से कराई गई थी। एनटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, एनटीए ने अपनी वेबसाइट पर ओएमआर शीट और अभ्यर्थियों के उत्तरों की स्कैन की गई तस्वीरें अपलोड कर दी हैं। इन्हें पंजीकृत ई-मेल पतों पर भी भेजा गया है। अभ्यर्थी 15 जुलाई तक उत्तरों को चुनौती दे सकते हैं। प्रत्येक उत्तर को चुनौती देने के लिए उम्मीदवारों से 200 रुपये शुल्क लिया जाएगा। नीट-यूजी में हर साल करीब 25 लाख उम्मीदवार शामिल होते हैं, जिससे यह भारत की सबसे बड़ी स्नातक प्रवेश परीक्षाओं में से एक है। नीट-यूजी के माध्यम से करीब 1.08 लाख एमबीबीएस सीट पर प्रवेश मिलता है। इनमें लगभग 56,000 सीट सरकारी मेडिकल कॉलेज में और करीब 52,000 सीट निजी चिकित्सा संस्थानों में उपलब्ध हैं। एमबीबीएस में प्रवेश के अलावा, नीट-यूजी के अंकों का उपयोग देशभर के मान्यता प्राप्त संस्थानों में बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) तथा आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध जैसे अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी किया जाता है।

कोलकाता के 160 निर्माणाधीन बहुमंजिली इमारतों की हेल्थ ऑडिट

केवल 11 प्रोजेक्ट्स को मिली मंजूरी

तारातला हादसे के बाद सरकार ने जांच के लिए बनाई थी 11 सदस्यीय कमेटी

कोलकाता, समाज्ञा : जिन निर्माणाधीन बहुमंजिली इमारतों के प्लान 3 साल नहीं बल्कि 5 साल पहले मंज़ूर हुए थे, उन्हें भी ऑडिट के दायरे में लाया जाना चाहिए। यह सिफारिश तारातला घटना के बाद निर्माणाधीन बहुमंजिली इमारतों के ऑडिट के लिए बनी कमेटी ने की है। फिलहाल, इस कमेटी ने कोलकाता शहर में 11 बहुमंजिली इमारतों को निर्माण की इजाजत दे दी है। बता दें कि तारातला घटना के बाद, राज्य ने कोलकाता, बिधान-नगर, बारानगर, कमरहट्टी और दक्षिण 24 परगना के एक बड़े इलाके में बन रही निजी वाणिज्यिक बहुमंजिली इमारतों के निर्माण पर रोक लगाने का फ़ैसला किया। इन बहुमंजिली इमारतों की हेल्थ की जांच के लिए एक ऑडिट कमेटी बनाई गई थी। जी+5 या उससे ऊपर के प्लान वाली बन रही बहुमंजिली इमारतों की हेल्थ की जांच के लिए ऑडिट कमेटी में 11 सदस्य रखे गए थे। यह कमेटी जांच कर रही है कि बहुमंजिली इमारतों के प्लान में कोई गड़बड़ी तो नहीं है। अगर ज़्यादा गड़बड़ी है, तो मंज़ूरी पूरी तरह से रद्द कर दी जा रही है। छोटी-मोटी गलतियों के मामले में, निर्माण कंपनी को उन्हें ठीक करने का मौका दिया जा रहा है। काम शुरू होने के बाद ऑडिट कमेटी ने कुल 344 बहुमंजिली इमारतों की सूची तैयार की। इनमें से 200 बहुमंजिली इमारत बनाने वाली कंपनियों ने कमेटी के पास आवेदन किया। इन 200 में से कमेटी ने 160 निर्माणाधीन बहुमंजिली इमारतों की जांच की। 41 बहुमंजिली इमारतों की रिपोर्ट टेक्निकल कमेटी को भेजी गई। इनमें से शहर में सिर्फ 11 बहुमंजिली इमारतों को बनाने की मंजूरी दी गई है। सोमवार को कोलकाता नगर निगम की कमिश्नर स्मिता पांडे ने कमेटी की पहले चरण की रिपोर्ट पेश की।

अमेरिका-ईरान संघर्ष : कच्चे तेल का वायदा भाव लगभग 6 प्रतिशत बढ़कर 7,198 रुपये प्रति बैरल

नयी दिल्ली : अमेरिका और ईरान के बीच नए सिरे से सैन्य टकराव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से आपूर्ति बाधित होने की आशंका फिर से बढ़ गई है, जिससे कच्चे तेल का वायदा भाव सोमवार को 384 रुपये उछलकर 7,198 रुपये प्रति बैरल की ऊंचाई पर पहुंच गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चा तेल का जुलाई माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 384 रुपये या करीब छह प्रतिशत की तेजी के साथ 7,198 रुपये प्रति बैरल हो गया। इसमें 19,274 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी प्रकार, कच्चा तेल के अगस्त माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 359 रुपये या करीब 5.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,197 रुपये प्रति बैरल हो गया। इसमें 4,139 लॉट के लिए कारोबार हुआ। व्यापारियों ने कहा कि सप्ताहांत में अमेरिका और ईरान के ताजा सैन्य हमलों के बाद आपूर्ति में व्यवधान की आशंका फिर से उभर आई है, जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव बढ़ गया है, जहां से दुनिया की तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल के अगस्त डिलीवरी वाले अनुबंध का भाव 3.47 डॉलर या करीब पांच प्रतिशत की तेजी के साथ 74.88 डॉलर प्रति बैरल हो गया जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 3.59 डॉलर या 4.72 प्रतिशत बढ़कर 79.60 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

अमेरिका होर्मुज में ईरान की नाकेबंदी करेगा, सुरक्षित आवाजाही के लिए जहाजों से शुल्क लेगा : ट्रंप

दुबई : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की नाकेबंदी फिर लागू कर रहा है और सुरक्षित आवाजाही के लिए वह जहाजों से शुल्क वसूल करेगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि ईरान के जहाज़ अब इस जलडमरूमध्य से गुज़र नहीं पाएंगे और अमेरिका 20 प्रतिशत शुल्क लगाएगा। ट्रंप ने कहा, ''हम ईरान की नाकेबंदी फिर लागू कर रहे हैं। इसे यह नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि यह सिर्फ़ ईरान के जहाज़ों या ग्राहकों को आने-जाने से रोकती है। बाकी सभी देश इस जलडमरूमध्य का निष्पक्ष और खुला इस्तेमाल कर सकेंगे।'' अमेरिका और ईरान दोनों ने सोमवार को दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर उनका नियंत्रण है। इस घटनाक्रम ने युद्ध समाप्त करने के लिए जारी कूटनीतिक कोशिशों पर भी गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। तनाव उस समय और बढ़ गया जब रविवार को ईरान ने ओमान के तट के निकट होर्मुज जलडमरूमध्य में एक कंटेनर जहाज को निशाना बनाया।

प्रधानमंत्री मोदी के भारत के 5एफ विज़न को बुनता टेक्स 2026

श्री पबित्रा मार्गेरिटा

कश्मीरी पश्मीना की नरम गर्माहट से लेकर असम के मूंगा सिल्क की शानदार चमक तक, राजस्थानी बांधनी के जीवंत ज्यामितीय पैटर्न से लेकर कांजीवरम सिल्क की सदाबहार और बेहतरीन बनावट तक, भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता धागों से बुना एक जीता-जागता नक्शा है। आज, सभ्यता की यह बेमिसाल तस्वीर एक ही छत के नीचे एक साथ नज़र आ रही है। नई दिल्ली के प्रसिद्ध भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक भारत टेक्स 2026 का आयोजन, हमारे देश की खूबसूरत विविधता को एक ही मंच पर ला रहा है।

वस्त्र उद्योग सिर्फ हमारी विरासत की झलक नहीं है, यह भारत के मैक्रो-इकोनॉमिक ढांचे की एक मज़बूत नींव भी है। यह क्षेत्र लगातार विकास और समानता का एक बहुत बड़ा इंजन बना हुआ है, जो जीडीपी में 2.3%, औद्योगिक उत्पादन में 13% और निर्यात में 8.6% का योगदान देता है। कृषि के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों की आजीविका का साधन है, जो ग्रामीण समुदायों को मज़बूत बनाता है और देश भर में लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है।

आर्थिक शक्ति के इस केंद्र को सही मायने में समझने के लिए भारत टेक्स का अनुभव करना बेहद ज़रूरी है। यह वैश्विक स्तर पर प्रमुख भारतीय वस्त्रों का व्यापार मेला है, जिसे पूरी दुनिया के सामने हमारे निर्माण और रचनात्मकता की क्षमता का दबदबा दिखाने के लिए तैयार किया गया है। यह एक ऐसा व्यापक बाज़ार है, जहाँ घरेलू निर्माणकर्ता, राज्यों के पवेलियन, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और वैश्विक खरीदार एक ही छत के नीचे होते हैं। इससे बड़े पैमाने पर सोर्सिंग, कॉर्पोरेट जुड़ाव और ब्रांड को प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलते हैं।

इस शानदार पहल के सफ़र पर नज़र डालें तो मुझे भारत टेक्स के पिछले दो आयोजनों से बेहद गर्व की अनुभूति का स्मरण होता है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स के पिछले संस्करण के दौरान संपूर्ण वस्त्र समुदाय को संबोधित किया था, तो उन्होंने बेहद खूबसूरती से कहा था कि हमने जो बीज बोया था, वह अब तेज़ी से बरगद के पेड़ का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल हमारी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाता है, बल्कि एक विकसित भारत की अपार संभावनाओं को भी उजागर करता है। पहले दो आयोजनों की ज़बरदस्त सफलता ने एक मज़बूत नींव रखी, बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया और सहयोग की दिशा में भी तेज़ी देखने को मिली। भारत टेक्स 2025 के दौरान मेरे व्यक्तिगत अनुभव ने भविष्य के लिए एक बहुत ही सकारात्मक नज़रिया हासिल किया, जहाँ मैंने सरकार से सरकार और व्यापार से सरकार के बीच गहन बातचीत को ठोस नतीजों में बदलते देखा और इसी के चलते भारत की कार्य क्षमता में बढ़ते वैश्विक भरोसे की झलक भी दिखी। यह तीसरा आयोजन उस रफ्तार को और आगे ले जाता है और शुरुआती संभावनाओं को पूरी तरह से औद्योगिक प्रभाव में बदलता है।

इस साल के कार्यक्रम का बहुत बड़ा पैमाना एक सोची-समझी औद्योगिक रणनीति को दर्शाता है। भारत मंडपम में खास प्रदर्शनी हॉलों में फैली यह प्रदर्शनी भारत की पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को दिखाती है, जिसमें फाइबर, यार्न, फैब्रिक, कपड़े और फैशन, होम टेक्सटाइल, तकनीकी वस्त्र और सहायक उद्योग शामिल हैं। इसमें 1,600 से ज़्यादा प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं, जो स्थानीय उत्पादन की ताकत को सीधे वैश्विक मंच पर पेश करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी के क्रांतिकारी 5एफ विज़न- फार्म (खेत) से फाइबर से फैक्ट्री से फैशन से फॉरेन (विदेश) तक के सफर को दर्शाता है। पूरी मूल्य श्रृंखला को एक ही औद्योगिक श्रृंखला में जोड़कर, यह कार्यक्रम विनिर्माण के हर चरण को देश में ही संभालने की भारत की आत्मनिर्भर क्षमता को दिखाता है।

इस पहल को दुनिया भर से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस संस्करण में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल समेत 14 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक शामिल हैं, साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ का भी मज़बूत संस्थागत प्रतिनिधित्व है। कई देशों के मंत्री-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल और बड़े व्यापारिक प्रतिनिधि दीर्घकालीन साझेदारी की संभावना तलाशने के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। उम्मीद है कि चार दिनों में 110 से ज़्यादा पंजीकृत देशों से 7,000 से ज़्यादा खरीददार और 1.3 लाख व्यापारिक आगंतुक आएंगे, जो वहां दिखाए जा रहे 20,000 से ज़्यादा वस्त्र उत्पादों को देखेंगे। इस व्यावसायिक गतिविधि में 3,500 से ज़्यादा खास तौर पर आयोजित बिज़नेस टू बिज़नेस बैठकें होंगी। इसके अलावा, राज्य निवेशक संपर्क सत्र भी होंगे, जो अलग-अलग भारतीय राज्यों को अपने खास औद्योगिक ढ़ांचे को पेश करने का मंच प्रदान करेंगे।

उद्योगों को आगे बढ़ाने हेतु वास्तविक नेतृत्व के लिए ज्ञान और भविष्य की योजना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की ज़रूरत होती है। भारत टेक्स 2026 इस ज़िम्मेदारी को वैश्विक वस्त्र वार्ता के ज़रिए निभाता है, जिसमें पैनल चर्चा, राउंडटेबल, मास्टरक्लास, राज्य सत्र, अवॉर्ड्स पिच फेस्ट और कार्यशाला जैसे 100 से ज़्यादा खास सत्र शामिल हैं। 370 से ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सीएक्सओ, पॉलिसी निर्माता और अन्वेषकों की अगुवाई में होने वाले ये खास सत्र व्यापार और निवेश को बढ़ाने, तकनीक और नवाचारों को आगे बढ़ाने और फैशन तथा क्राफ्ट को बेहतर बनाने पर फोकस करेंगे। इस कार्यक्रम में व्यापार, निवेशक, तकनीक और संस्थागत सहयोग से जुड़े कई रणनीतिक समझौतों और क्षेत्रों से जुड़ी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर और उन्हें लॉन्च भी किया जाएगा।

इन चर्चाओं में वहनीयता और सर्कुलैरिटी जैसे अहम पहलुओं पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। पिछले कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि वैश्विक फैशन समुदाय तेज़ी से पर्यावरण के लिए फैशन के दृष्टिकोण को अपना रहा है और वहनीयता हमेशा से भारत की टेक्सटाइल विरासत का अहम हिस्सा रही है। भारत टेक्स का यह संस्करण वैश्विक पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों को एक बड़े अवसर में बदलता है और यह दिखाता है कि कैसे नवाचारों की मदद से हमारी पारंपरिक तकनीकें और बेहतर हुई हैं और इस दौरान ये भी ख्याल रखा गया है कि इस प्रक्रिया में संसाधनों का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल हो सके और बर्बादी कम हो, जिससे हमारे बुनकरों और कारीगरों को सीधा फायदा हो। हमारे वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी के नेतृत्व में, मंत्रालय ने ज़मीनी स्तर पर इन आधुनिकीकरण और वहनीय वृद्धि की पहलों को तेज़ी से आगे बढ़ाया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मज़बूत आधुनिक तकनीक, बड़े पैमाने पर लागू होने वाले नीतिगत फ्रेमवर्क और मज़बूत मार्केट लिंकेज का सहारा मिले।

आज भारत टेक्स में लगातार बढ़ता पैमाना और आत्मविश्वास जो दिख रहा है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से लगातार किए जा रहे नीतिगत सुधारों का नतीजा है। पिछले 12 सालों में, मोदी सरकार ने बड़े बदलाव लाने वाले कदमों के ज़रिए वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं की हर कड़ी को मज़बूत किया है। वस्त्रों के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ने 31,687 करोड़ से ज़्यादा के निवेश का वादा हासिल किया है। इससे मैन-मेड फाइबर वाले कपड़ों, फैब्रिक और टेक्निकल टेक्सटाइल के बड़े पैमाने पर निर्माण को बढ़ावा मिला है और साथ ही बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर भी पैदा हुए हैं। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री के दूरदर्शी 5एफ दृष्टिकोण को अपनाते हुए सात पीएम पार्क को एकीकृत विनिर्माण व्यवस्था के तौर पर विकसित किया जा रहा है। ज़मीनी स्तर पर लोगों को सशक्त बनाने का काम भी तेज़ी से चल रहा है, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के तहत 794 हैंडलूम क्लस्टर में लगभग 2,000 करोड़ का निवेश किया गया है। इससे 1.17 लाख बुनकरों को बेहतर करघे मिले हैं और लगभग 90,000 कामगारों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत हस्तशिल्प क्षेत्र में 1,335 करोड़ से ज़्यादा का निवेश किया गया है। इसके अलावा, 1.5 लाख से ज़्यादा बुनकरों को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) से जोड़ा गया है और बुनकर मुद्रा योजना के तहत लगभग 3 लाख लोगों को बिना गारंटी के ऋण दिए गए हैं। अपने घरेलू निर्माताओं, कारीगरों और अन्वेषकों को सीधे वैश्विक बाज़ार से जोड़कर, इन व्यापक सुधारों ने हमें उस बड़े वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने के लिए तैयार किया है, जिसकी झलक इस हफ्ते देखने को मिल रही है।

आज जब हम भारत मंडपम के जीवंत प्रदर्शनी हॉलों पर नज़र डालते हैं, तो हमारा नज़रिया इस व्यापार प्रदर्शनी के तात्कालिक दायरे से कहीं आगे तक विस्तृत होता नज़र आता है। यह आयोजन भारत के वस्त्र उद्योग को 350 बिलियन डॉलर के वैश्विक शक्ति केंद्र में बदलने के हमारे विज़न 2030 रोडमैप में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। मैं आप सभी को भारत टेक्स 2026 में अगले चार दिनों तक हमारे साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करता हूं, ताकि आप हमारे श्रमिकों की अविश्वसनीय शक्ति, हमारे रचनाकारों के शानदार नवाचारों और वैश्विक वस्त्रों के भविष्य को देख सकें, जिन्हें गर्व से भारत में डिज़ाइन किया गया है, टिकाऊ तरीके से निर्मित किया गया है और बड़े पैमाने पर एकीकृत किया गया है।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत हैं।)

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

ललित गर्ग

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति शृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है।

इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास-तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है।

दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है।

वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि मानवता की विजय की है। हथियारों की होड़ से न तो समृद्धि आती है और न ही सम्मान। वास्तविक शक्ति मिसाइलों, बमों और युद्धपोतों में नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद में निहित होती है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, वह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि आत्मबल, धैर्य और दूरदर्शिता का सर्वोच्च स्वरूप है।

विश्व समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि किसी भी देश की मनमानी, सामरिक अहंकार और युद्धोन्माद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, निष्पक्ष और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यदि आज भी दुनिया ने युद्ध की राजनीति पर अंकुश नहीं लगाया, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज पूरी दुनिया की प्रार्थना यही है कि अमेरिका को शक्ति के साथ सद्बुद्धि मिले, ईरान को संयम और विवेक का मार्ग मिले तथा दोनों राष्ट्र हथियारों की भाषा छोड़कर संवाद की संस्कृति अपनाएं। शांति ही विकास का आधार है, संवाद ही स्थायी समाधान का मार्ग है और अहिंसा ही मानव सभ्यता का सबसे बड़ा अस्त्र है। यही समय की पुकार है, यही मानवता की अपेक्षा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

-लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार

सैंकड़ों स्रोतों से प्रदूषित होती पंजाब की नदियां

शासन-प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद आज भी पंजाब की नदियों को जहरीला बनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसकी पुष्टि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की स्वीकृति है कि आज भी आठ सौ से अधिक प्रदूषण के स्रोत राज्य की नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। निश्चय ही यह तथ्य उन विभागों व संस्थाओं के कामकाज पर सवालिया निशान है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रबंधन से जुड़े हैं। साथ ही लंबे समय से अदालत के हस्तक्षेप व विभिन्न सर्वेक्षणों में सामने आए तथ्यों की पुष्टि होती है कि राज्य में जागरूकता की कमी नहीं है, बल्कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई न होने से उपजा संकट है। वर्षों से सरकारें एक्शन प्लान बनाने के दावे करती रही हैं। कभी ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की बात होती है तो कभी कमेटियां बनाने के दावे होते हैं। आखिर क्यों आज भी बिना साफ किया हुआ सीवेज और औद्योगिक कचरा सतलुज,ब्यास और इनकी सहायक नदियों में बदस्तूर बहाया जा रहा है। जाहिर है, मौजूदा संसाधनों का या तो पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है या उनका रखरखाव ठीक नहीं है। फलत: जन-स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा संकट पैदा होता है। जो धीरे-धीरे आपदा का रूप ले लेता है। आज फैक्ट्रियों से निकलने वाले रसायनों के जरिये भारी धातुएं और जहरीले तत्व भूजल को प्रदूषित करने के बाद, हमारी खाद्य शृंखला में शामिल हो रहे हैं। जो राज्य के बहुचर्चित ' कैंसर बेल्ट' के रूप में हमारे सामने मौजूद है।

निस्संदेह, पंजाब में यदि हरित क्रांति का परचम लहराया तो उसके मूल में पंजाब की नदियों की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन आज वे तंत्र की काहिली, अनियोजित शहरीकरण, नियम-कानूनों का क्रियान्वयन न होने और दोषियों को सजा न मिलने का दंड चुका रही हैं। एनजीटी गाहे-बगाहे नगर निकायों की शिथिलता दर्शाकर सच्चाई से आम लोगों को अवगत कराता रहा है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण के प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते हैं जब तक कि इसकी जिम्मेदारी तय न की जाए और सख्त जुर्माना लगाना पर्यावरण संरक्षण नीति का हिस्सा नहीं बनता है। राज्य ने साबित किया है कि मरणासन्न नदियों को फिर से जीवित किया जा सकता है। काली बेईं को पुनर्जीवित करने में जागरूक लोगों की बड़ी भूमिका रही है। जो दर्शाता है कि पक्के इरादे के साथ किए गये प्रयास से बेहद बुरे हालात में पहुंच चुके जल स्रोत को भी जीवंत बनाया जा सकता है। लेकिन इक्का-दुक्का सफलताएं ही व्यापक रणनीति की जगह नहीं ले सकतीं। जरूरी है कि नियम-कानूनों का कड़ाई से पालन किया जाए, सार्वजनिक रिपोर्टिंग को पारदर्शी बनाएं तथा सीवेज एवं कचरा-शोधन प्रणालियों में निरंतर निवेश बढ़ाया जाए। सर्वविदित है कि पंजाब का नाम यहां की नदियों से पड़ा है। ऐसे में इन नदियों को खुले नाले बनते रहने देने से न केवल हमारा पारिस्थितिकीय तंत्र व लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि राज्य की खुशहाली व पहचान के लिये भी एक खतरा है। अब मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति दिखाने का वक्त है।

नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन मंगलवार को आईएसएस के लिए उड़ान भरेंगे

वाशिंगटन : नासा के भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन, दो रूसी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ मंगलवार को कजाकिस्तान के बैकोनूर प्रक्षेपण केंद्र से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए आठ महीने के मिशन पर रवाना होंगे। रॉसकॉसमॉस सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान मंगलवार को रात 8:17 बजे (भारतीय समयानुसार) बैकोनूर प्रक्षेपण केंद्र से उड़ान भरेगा और उम्मीद है कि तीन घंटे से कुछ अधिक समय के बाद यह कक्षा में उड़ रही प्रयोगशाला से जुड़ जाएगा। मेनन के अलावा, रूसी अंतरिक्ष यात्री प्योत्र दुब्रोव और अन्ना किकिना आईएसएस के 75वें अभियान का हिस्सा होंगे। सोयुज़ अंतरिक्षयान मंगलवार रात 11:56 बजे (भारतीय समयानुसार) आईएसएस से जुड़ेगा और अंतरिक्ष यात्री बुधवार रात करीब 1:25 बजे पहुंचेंगे। अंतरिक्षयान में पहुँचने के बाद, ये तीनों नासा के अंतरिक्ष यात्रियों जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट और रॉसकॉसमॉस के अंतरिक्ष यात्रियों सर्गेई कुद-स्वेरचकोव, सर्गेई मिकाएव और आंद्रे फेड्याएव के साथ शामिल हो जाएँगे। मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय मूल के माता-पिता के घर जन्मे मेनन, एक आपातकालीन चिकित्सा पेशेवर और अमेरिकी अंतरिक्ष के कर्नल हैं।

आज का पंचांग

कोलकाता : 14 जुलाई, मंगलवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, आषाढ़ कृष्णपक्ष अमावस्या, 15:15 तक, नक्षत्र : पुनर्वसु, 24:09 तक, योग : व्याघात, 11:54 तक, सूर्योदय: 05:00, सूर्यास्त: 18:24, चन्द्रोदय : 05:11, चन्द्रास्त: 19:13, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मिथुन, चन्द्र राशि : मिथुन, राहू काल : 15:38 से 17:17

राशिफल

मेष : ज्यादा व्यस्तता और तनाव से राहत पाने के लिए कुछ समय पसंदीदा कामों में बिताएं। इससे आप खुश और ऊर्जावान महसूस करेंगे। कोई विवाद चल रहा है तो फैसला पक्ष में आ सकता है।

वृष : पूरे दिन सक्रियता बनी रहेगी। किसी काम में सफलता मिलने से उत्साह बढ़ेगा और दिनभर की थकान भी महसूस नहीं होगी। युवाओं और विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में जीत मिलने के अच्छे योग हैं।

मिथुन : समय और भाग्य आपके लिए अच्छे मौके बना रहे हैं, लेकिन मेहनत से ही सही नतीजे मिलेंगे। अपने समय और ऊर्जा का पूरा इस्तेमाल करें। प्रॉपर्टी से जुड़ी योजना पूरी होने का समय है।

कर्क : समय सुखद रहेगा। आप किसी परेशानी को आसानी से दूर करने में सफल होंगे। जगह बदलने की योजना पर चर्चा हो सकती है। पैतृक संपत्ति से जुड़ा मामला भी सुलझने के योग हैं।

सिंह : दिन बहुत व्यस्त रहेगा, लेकिन मजबूत मनोबल से सभी काम व्यवस्थित कर लेंगे। किसी खास व्यक्ति के साथ रहने से आपकी सोच में सकारात्मक बदलाव आएगा।

कन्या : लंबे समय से चल रही स्वास्थ्य समस्या से राहत मिलने पर मानसिक शांति और ऊर्जा महसूस होगी। किसी अनुभवी व्यक्ति का मार्गदर्शन मिलेगा। सफलता का नया रास्ता खुल सकता है।

तुला : पिछले कुछ समय से चल रही चिंता से राहत मिलेगी। सामाजिक संबंध मजबूत होंगे। परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य से कीमती उपहार मिल सकता है।

वृश्चिक : परिवार से जुड़ी योजना पर काम शुरू करने का अच्छा समय है। अपनी समझदारी और अच्छे व्यवहार से लक्ष्य हासिल कर लेंगे। आज किसी फोन कॉल को नजरअंदाज न करें।

धनु : दिनचर्या में नयापन लाने के लिए रचनात्मक कामों में रुचि बढ़ेगी। व्यक्तित्व बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी और नई जानकारियां मिलेंगी।

मकर : दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। हर काम पूरे उत्साह से करेंगे और अच्छे नतीजे मिलेंगे। रचनात्मक कामों में समय बीतेगा। कुछ निजी समस्याएं रहेंगी, समझदारी से उनका समाधान निकाल लेंगे।

कुम्भ : संतान को लेकर बनी कोई योजना पूरी हो सकती है। लाभ के नए रास्ते खुलेंगे। लंबे समय से चल रही चिंता दूर होगी और मानसिक शांति मिलेगी। नकारात्मक सोच वाले दोस्तों से दूरी रखें।

मीन : दिन की शुरुआत सुखद रहेगी। प्रोफेशनल पढ़ाई की कोशिश कर रहे युवाओं को अच्छी खबर मिल सकती है। उधार दिया पैसा वापस मिलने से आर्थिक परेशानी दूर होगी।

विदेश

पाकिस्तान में लूटपाट के दौरान हिंदू डॉक्टर की हत्या

कराची : पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सोमवार को एक लूटपाट की वारदात के दौरान 28-वर्षीय एक हिंदू डॉक्टर की हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना कराची के संभ्रांत क्लिफ्टन इलाके में हुई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मेहरोज अली ने बताया कि एक निजी बैंक के बाहर लुटेरों और बैंक के सुरक्षा गार्ड के बीच हुई गोलीबारी में आकाश चंद की मौत हो गई। अली ने बताया कि चांद, अपने पिता और चचेरे भाई के साथ, एक दूसरे बैंक से 50 लाख रुपये निकालकर लाए थे और 25-25 लाख रुपये के दो पैकेट दूसरे बैंक में जमा करने के लिए ले जा रहे थे। अली ने कहा, जैसे ही उनकी कार बैंक के बाहर रुकी, उनके पीछे एक और कार आकर रुकी और उनसे पैसे लूटने की कोशिश की गई, लेकिन दरवाजे पर खड़े बैंक के सुरक्षा गार्ड ने गोली चला दी और लुटेरों ने भी जवाबी गोलीबारी की, जिसमें चंद की मौत हो गई। लुटेरे 25 लाख रुपये का एक पैकेट लेकर भाग गए। उन्होंने कहा, हम इस घटना की जांच कर रहे हैं कि क्या यह अंदर के किसी व्यक्ति की मिलीभगत से हुआ था और आकाश चंद की मौत किसकी गोली लगने से हुई, क्योंकि सुरक्षा गार्ड को शुरू में लगा था कि जिस कार में परिवार आया था, वह भी लुटेरों के साथियों की कार थी। आकाश चंद पिछले दो साल से कराची के जिन्ना पोस्ट ग्रेजुएट हॉस्पिटल में काम कर रहे थे और उनके चाचा खेम चंद ने कहा कि जब तक लुटेरे पकड़े नहीं जाते, तब तक परिवार उनका अंतिम संस्कार नहीं करेगा।

वर्ग पहेली नं. 3492

1	2		3	■	4	5		6	
7		■	8	9			■		■
	■	10			■	11	12		13
14			■	■	15			■	
	■		■	16		■	17		
■	18		19			20	■	■	
21		■		■	22			23	■
	■	24		25	■		■	26	27
28			■	29			■	30	

बायें से दायें:- 1) समाचारपत्र, 4) रिश्तेदारी, 7) संबंध, 8) एक संख्या, 10) एक बिहारी शहर, 11) बिदकना; डरना, 14) ज्वाला, 15) अवश्यंभावी, 16) कुकर्म, 17) सालाना, 18) बकवासपूर्ण; अत्यधिक, 21) गरीबी, 22) आंदोलनकर्ता; प्रचारक; घोषणाकर्ता, 24) पादुका, 26) हाथ *(ताश)*; पारी, 28) पोंछा, 29) छलनी, 30) दिशानिर्देश.

ऊपर से नीचे:- 1) यतीमख़ाना, 2) कसूर; भूल, 3) दौड़ाकी, फिसलन; रिपोर्ट, 4) आदर-पूर्णक तुम; जल, 5) पानी भरने का घाट, 6) गोल घेरा, 9) एक अन्न, 10) गिराना, 12) दंगा, 13) विध्वंसकारी, 15) स्वीकारना, 16) फंदा, 18) कोई और, 19) व्यर्थ की झंझट, 20) हैरानी, 21) रोज़ाना, 23) मौखिक, 24) रुका हुआ; पैरों पर, 25) बुलंद; शिखरीय; महँगा, 27) परंपरा; शैली.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

भ	या	व	ह	■	अ	जी	ब	■	भ
ड़	■	ह	ल	च	ल	■	क	न्न	ड़
स	भा	■	.फ	■	ग	ग	रा	■	का
■	ई	मा	न	■	नी	म	■	■	न
भू	चा	ल	■	स	■	ला	ल	ची	■
खा	रा	■	आ	म	दा	■	गा	ज	र
नं	■	ब	स	र	■	जी	ता	■	स
गा	ली	चा	■	भू	■	त	र	■	भ
■	ची	■	शा	मि	या	ना	■	ब	री

सुडोकू-पहेली-3458

9			4			1		6
	8	1	3				4	
2			5		7			
		4	2	7	8			3
5		9						
				3		6	1	4
				6	3	8		7
	7	5			4			
	1	8		5		4	3	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3457 का उत्तर

9	3	2	1	7	4	8	6	5
4	5	7	6	2	8	9	1	3
1	8	6	9	3	5	4	7	2
2	7	9	8	5	1	3	4	6
6	1	8	3	4	2	5	9	7
3	4	5	7	9	6	1	2	8
7	9	4	5	6	3	2	8	1
8	2	3	4	1	7	6	5	9
5	6	1	2	8	9	7	3	4

'अब गैस पर पकेगा मिड-डे मील, लगेंगे वाटर प्यूरीफायर'

❑ **मुख्यमंत्री ने विकास भवन में शिक्षा मंत्रियों के साथ बैठक के बाद की घोषणा**

❑ **छात्रों के लिए वाटर प्यूरीफायर, छात्राओं हेतु सैनिटरी मशीनें लगेंगी**

कोलकाता, समाज्ञा : शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार और स्कूलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने कई बड़े और महत्वपूर्ण फैसलों का ऐलान किया है। अब स्कूलों में पारंपरिक ईंधनों को अलविदा कहकर पूरी तरह रसोई गैस (एलपीजी) पर मिड-डे मील पकाया जाएगा। इसके साथ ही, ऊर्जा संकट से निपटने और पर्यावरण संरक्षण के लिए स्कूलों में सोलर सिस्टम (सौर ऊर्जा पैनल) भी स्थापित किए जाएंगे। छात्रों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सभी सरकारी स्कूलों में शुद्ध पेयजल के लिए वाटर प्यूरीफायर लगाने का निर्देश दिया है। वहीं, छात्राओं की सुविधा और स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से गर्ल्स स्कूलों में सैनिटरी वेंडिंग मशीनें लगाई जाएंगी।

❑ **शिक्षा व्यवस्था पर मुख्यमंत्री ने जताई चिंता, विशेष कमेटियां बनाने की घोषणा**

दूसरी तरफ, मुख्यमंत्री ने भी शिक्षा के गिरते स्तर पर चिंता जताते हुए कहा कि शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए इसमें केंद्र और राज्य दोनों की बराबर की जिम्मेदारी है। उन्होंने साफ किया कि शिक्षा को किसी भी कीमत पर 'बिकने वाली वस्तु' या 'सामान' नहीं बनने दिया जाएगा। सरकार का मुख्य उद्देश्य स्कूलों को राजनीति के अखाड़े से मुक्त रखना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि स्कूलों में अब अभिभावकों को शामिल कर विशेष कमेटियां बनाई जाएंगी, जो स्कूल प्रबंधन पर नजर रखेंगी। इस उच्च स्तरीय बैठक में प्राथमिक (प्राइमरी) से लेकर उच्च प्राथमिक (अपर प्राइमरी) स्तर तक की पूरी शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई है।

❑ **एक अगस्त से इस्कॉन देगा मिड-डे मील, मरीजो के भोजना का खर्च भी बढ़ा**

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विकास भवन में सोमवार को शिक्षा मंत्रियों और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के बाद घोषणा की कि इस्कॉन 1 अगस्त से कोलकाता और राज्य के अन्य हिस्सों के स्कूलों में दोपहर का भोजन उपलब्ध कराना शुरू कर देगा। वे कुछ सब्सिडी भी प्रदान करेंगे। भोजन उच्च गुणवत्ता का होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि प्राथमिक विद्यालय की मध्याह्न भोजन योजना के तहत प्रति छात्र आबंटित राशि 1 अगस्त से मौजूदा 6.78 रुपए से बढ़ाकर 10 रुपए कर दी जाएगी। वहीं, सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार करा रहे रोगियों के दैनिक भोजन का खर्च 56.64 रुपए से बढ़ाकर 110.00 रुपए कर दिया गया है। 1 अगस्त से अस्पतालों में भर्ती मरीजों को बेहतर गुणवत्ता वाला संतुलित भोजन मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह बंगाल दौरे पर पहुंचे, आज सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक

जूट किसानों से भी करेंगे संवाद

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 1314 जुलाई को पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान, शिवराज सिंह वहां मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के साथ कृषि और ग्रामीण विकास पर महत्वपूर्ण बैठक करेंगे और जूट क्षेत्र के किसानों और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं से सीधा संवाद करेंगे। शिवराज सिंह सोमवार की शाम दिल्ली से कोलकाता पहुंचे और सीधे मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। आज नए सचिवालय भवन, कोलकाता में उच्चस्तरीय बैठक होगी। शिवराज के साथ इस बैठक में मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और संबंधित विभागों के अधिकारी तथा केंद्र के वरिष्ठ अधिकारी भी सहभागिता करेंगे। केंद्र की ओर से कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय और आईसीएआर की टीम पीएमकिसान, प्रधानमंत्री फसल बीमा, प्रधानमंत्री कृषि धन धान्य योजना, एमएसपी, विकसित भारत- जी राम जी, ग्रामीण सड़क और आवास तथा पंचायतों को मिलने वाले फंड के आगे के रोडमैप पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। दोपहर बाद शिवराज सिंह बैरकपुर स्थित आईसीएआरसीआरआईजेएफ पहुंचेंगे। यहां जूट क्षेत्र के किसान और स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं जुटेंगी। कृषि मंत्री चौहान संस्थान के वैज्ञानिक जूट की बेहतर किस्मों, आधुनिक रेटिंग, जल संरक्षण और प्रोसेसिंगमार्केटिंग की आसान तकनीकों की जानकारी देंगे। साथ ही, महिलाओं के समूहों को जूट आधारित उत्पाद और वैल्यू एडिशन के माध्यम से छोटे उद्यम खड़े करने के तरीके बताए जाएंगे ताकि गांवों में आय और रोजगार दोनों बढ़ें।

कोलकाता एयरपोर्ट की बांकरा मस्जिद पर विवाद तेज, सुरक्षा बनाम धार्मिक अधिकार को लेकर सियासी घमासान

136 साल पुरानी मस्जिद को लेकर भाजपा ने सुरक्षा कारणों का किया समर्थन

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित बांकरा मस्जिद में सामूहिक नमाज के लिए प्रवेश पास निलंबित किए जाने के बाद विवाद बढ़ गया है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए प्रशासन द्वारा उठाए गए इस कदम को लेकर राज्य में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। हवाई अड्डे की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मस्जिद में सामूहिक प्रार्थना के लिए प्रवेश की अनुमति पर रोक लगाई गई है। हालांकि, इस फैसले के बाद धार्मिक स्वतंत्रता और सुरक्षा जरूरतों को लेकर राजनीतिक दलों के बीच बहस शुरू हो गई है।

भाजपा नेताओं ने इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा है कि हवाई अड्डे की सुरक्षा और भविष्य के विस्तार को देखते हुए यह कदम जरूरी है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। वहीं, तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इसे धार्मिक अधिकारों से जोड़ते हुए सरकार पर निशाना साधा है। लगभग 136 वर्ष पुरानी बांकरा मस्जिद कोलकाता एयरपोर्ट के मुख्य रनवे से करीब 165 मीटर की दूरी पर स्थित है। इसे लंबे समय से हवाई अड्डे के संचालन और आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्था के संदर्भ में एक संवेदनशील स्थान माना जाता रहा है।

टीएमसी सांसद सौगत राय ने कहा कि पिछले कई वर्षों से इस मुद्दे पर कोई समस्या नहीं थी और स्थानीय लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखे बिना कोई फैसला नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने मस्जिद स्थानांतरण का विरोध करते हुए इसे धार्मिक आस्था से जुड़ा विषय बताया। माकपा नेता हन्नान मुल्ला ने भी कहा कि सुरक्षा चिंताओं का समाधान किया जाना चाहिए, लेकिन धार्मिक स्थलों तक लोगों की पहुंच को प्रभावित नहीं किया जाना चाहिए।

वहीं, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और हवाई अड्डे की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को धर्म पालन से नहीं रोका जा रहा है, लेकिन सभी को कानून और सुरक्षा नियमों का पालन करना होगा। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और निलंबित टीएमसी नेता रिजू दत्ता ने भी सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए मस्जिद स्थानांतरण के पक्ष में अपनी राय रखी है। मामले को लेकर राजनीतिक बहस जारी है।

माध्यमिक परीक्षा की तारीखों का ऐलान, 15 फरवरी से शुरू होंगे एग्जाम

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में अगले साल होने वाले माध्यमिक परीक्षा की तारीखों और समय-सारणी की आधिकारिक घोषणा कर दी है। पश्चिम बंगाल मध्य शिक्षा परिषद द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, अगले साल की माध्यमिक परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होने जा रही हैं। ऐच्छिक विषयों समेत सभी मुख्य विषयों की परीक्षाएं 25 फरवरी को समाप्त हो जाएंगी। बोर्ड ने छात्रों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए इस बार परीक्षा के समय और नियमों में कुछ अहम बदलाव भी किए हैं। बोर्ड के निर्देशानुसार, परीक्षा प्रतिदिन सुबह 10.45 बजे से शुरू होकर दोपहर 2 बजे तक चलेगी। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए परीक्षा शुरू होने के पहले 15 मिनट का समय केवल प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए आवंटित किया गया है।

राज्यसभा उपचुनाव के लिए भाजपा के तीन उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन पत्र

नामांकन से पहले मुख्यमंत्री ने समिक भट्टाचार्य के साथ तीनों उम्मीदवारों के साथ की बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा के तीन उम्मीदवारों सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाइक ने सोमवार को राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इन सीटों के लिए मतदान 24 जुलाई को होगा। इस दिन, तीनों नेताओं ने विधानसभा में निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपने नामांकन पत्र जमा किए। नामांकन दाखिल करने से पहले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के साथ विधानसभा स्थित अपने कक्ष में तीनों उम्मीदवारों के साथ बैठक की। इसके बाद, तीनों उम्मीदवारों ने विधानसभा में निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

❑ **भाजपा में 'परिवार जैसा' अपनापन मिला : सुष्मिता देव**

नामांकन दाखिल करने के बाद, पत्रकारों से बातचीत में सुष्मिता देव ने उन पर भरोसा जताने के लिए भाजपा नेतृत्व और पार्टी के विधायकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाजपा में उन्हें 'परिवार जैसा' अपनापन मिला है। उन्होंने बताया कि शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें राज्यसभा में सक्रिय रूप से बहसों में भाग लेने और पार्टी के विधायकों के साथ समन्वय बनाकर काम करने की सलाह दी है। देव ने कहा कि उनका जन्म भले ही असम के सिलचर में हुआ हो, लेकिन वह पश्चिम बंगाल के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैं पहले भी संसद में बंगाल के मुद्दे उठाती रही हूं और आगे भी राज्य के हितों के लिए काम करती रहूंगी। अपनी पूर्व पार्टी से तुलना करते हुए देव ने कहा कि भाजपा

भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी के 'तृणमूलीकरण' होने के आरोपों को नकारा

तृणमूल के पूर्व नेताओं को भाजपा में शामिल किए जाने को लेकर पूछे गए सवालों पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भट्टाचार्य ने इस आरोप को खारिज कर दिया कि पार्टी का 'तृणमूलीकरण' हो रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी का कद किसी भी नेता से बड़ा होता है और देश पार्टी से भी बड़ा है। उन्होंने कहा कि तृणमूल के तीन पूर्व राज्यसभा सदस्यों को भाजपा में शामिल करने और पार्टी की ओर से उम्मीदवार बनाने का फैसला राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर लिया गया है।

❑ **मंत्री दिलीप घोष ने भाजपा अध्यक्ष के फैसले का किया समर्थन**

वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्य के मंत्री दिलीप घोष ने भी इस फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि कहीं भी यह नहीं लिखा है कि भाजपा दूसरे दलों की प्रतिभाओं को अपने साथ नहीं जोड़ सकती। उन्होंने यह भी कहा कि शुभेंदु अधिकारी सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता पहले तृणमूल कांग्रेस छोड़कर ही पार्टी में शामिल हुए थे। और तृणमूल कांग्रेस के कामकाज के तरीके में काफी बड़ा अंतर है।

Name Change

I, Dvanti Devi, wife of Uma Shankar Chowdhury and mother of Kumari Jhooma, residing at 16, Hat Lane, Howrah-711101, do hereby solemnly affirm and declare that my actual name is Dvanti Devi. Dvanti Devi and Dvanti is the same and one identical person via affidavit before the Notary Public at Howrah dated 5th June 2026.

Name Change

I Pallisree Majumdar Alias Pallishree Lodh Alias Pallisree Lodh D/o Nilangshu Majumdar and W/o Samar Lodh R/o Nabin Abasan, Namajgram, Pandua, Hooghly, West Bengal - 712149, have changed my name to Pallisree Lodh.

Name Change

I Nitai Charan Manna Alias Nitai Manna Alias Netai Manna S/o Nandalal Manna R/o AD 245, Rabindra Pally, Krishnapur, Prafulla Kanan, PO: Prafulla Kanan, Dist- North 24 Parganas, West Bengal- 700101, have changed my name to Netai Manna.

NAME CHANGE

I,SRI KASHI NATH DAS(OLD NAME),SON OF LATE RAM PRASAD DAS,RESIDENT OF 125,KH INDIRA VASI COMPLEX,KULHARIYA HOUSE, ASHOK RAJ PATH, PATNA, BANKIPORE, BIHAR-800004, DO HEREBY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME FROM SRI KASHI NATH DAS(OLD NAME) TO KASHI NATH DAS(NEW NAME) AND HENCEFORTH I SHALL BE KNOWN AS KASHI NATH DAS(NEW NAME) IN ALL PURPOSE,VIDE AFFIDAVIT NO 34 SWORN BEFORE THE NOTARY PUBLIC AT KOLKATA ON 13/07/2026.KASHI NATH DAS(NEW NAME) AND SRI KASHI NATH DAS(OLD NAME) BOTH ARE SAME AND ONE IDENTICAL PERSON.

Khandaghosh Panchayat Samity
Sagrai, Khandaghosh,
Purba Bardhaman-713424

NOTICE INVITING e-TENDER

E.O. Khandaghosh, Purba Bardhaman Invites e-Tender vide NIeT No.- BWN/EO/KHANDA/NIeT-01/2026-27, Dt. 13.07.2026 for 03 nos. works, for details visit www.tenders.wb.gov.in . ref :- Tender Id :- 2026_DMB_5016710_1 to 2026_DMB_5016710_3.

Sd/-
EXecutive Officer
Khandaghosh Panchayat Samity

जानकारी चाहिए

उक्त चित्र वंशिका क्याल, उम्र : 23 साल, हाइट : 5फुट 3 इंच रंग : सांवला (सुपुत्री : कृष्णा कुमार क्याल), 8 जुलाई 2026 को मालीपांचघड़ा थाना क्षेत्र के बनारस रोड स्थित अपने निवास से कॉलेज के लिये निकलने के बाद से लापता है। अगर किसी को इसके बारे में कोई जानकारी मिले तो अविलम्ब निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करें :-
9831350787, 9883209822
9331031306

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : 222-एस/1/3/डब्ल्यू-II, दिनांक 10.07.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **निविदा सं.: टीएन-126-26-27, कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, सियालदह के अधीन कृष्णनगर-लालगोला खंड में मेन लाइन पर 64.390 किमी (32.368 किमी + 32.022 किमी) के लिए बीसीएम मशीन और डीप स्क्रीनिंग के कार्य के साथ अन्य सहायक कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 6,17,32,241.34, **बयाना राशि :** रु.12,34,700/-, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 04.08.2026 को 15.00 बजे। **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह । **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 04.08.2026 को 15.30 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

SDAH-131/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार अंजू बैरागी पति सुरेश दास मानिकपुरी निवासी नरनारायण मंदिर के पास, बोरसी तह व जिला दुर्ग (छ.ग.) की ओर से अधिकृत एवं निर्देशित होकर निम्न आशय की सूचना प्रकाशित करता हूं कृपया अवगत एवं तदनुसार व्यवहार करें:-

यह कि मेरे पक्षकार कि पैत्रिक भूमि मौजा अम्बा ग्राम गोकुलपुर जिला मेदिनापुर खड़गपुर पश्चिम बंगाल में स्थित बड़े दादा स्व. जगबारी दास, दादा स्व. बलिहारी दास पिता स्व. शिवचरण दास के नाम स्थित मेरे पक्षकार द्वारा उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया की जानी है। जिसमें इस नाम से संबंधित व्यक्ति जो कि इस भूमि पर हक अथवा दावा रखता है। उक्त विषय से संबंधित व्यक्ति मेरे पक्षकार या मुझसे मय दस्तावेज सम्पर्क कर सकता है सूचना प्रकाशन के 21 दिवस के भीतर दावा आपत्ति प्रस्तु कर सकते है। इसके पश्चात की गई दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी।

अंजू बैरागी (पक्षकार)
मो. 9981040235
मो. शादाब सिद्दीकी अधिवक्ता
शान मंजिल, बलराम सिंह प्लाट
युदुनंदन नगर, तिफरा बिलासपुर (छ.ग.)
मो. 9981375003

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं. ई-क्रू-फ्रेंडली-2026-27, दिनांक 09.07.2026, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य विद्युत अभियंता/ईआरएस-पीओएच/खड़गपरु वर्कशॉप, दक्षिण पूर्व रेलवे निम्नलिखित कार्य के लिए उल्लिखित तिथि को 15.00 बजे से पहले ई-निविदाएं आमंत्रित करता है तथा ई-निविदाएं 15.30 बजे के बाद खोली जाएंगी: **कार्य का नाम** : इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में क्रू-फ्रेंडली और एयर-कंडीशनिंग वाली कैब की सुविधा। **कार्य की अनुमानित लागत:** DV=रु. 49,79,832.98 @18% जीएसटी सहित। **मात्रा:**12 महीने। **बयाना राशि:** रु. 99,600/-, **ई-निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 31.07.2026 को 15.00 बजे तक। **वेबसाइट विशेष:** **www.ireps.gov.in** इच्छुक निविदाकर्ता निविदाओं के पूर्ण विवरण/विनिर्देशों के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जा सकते हैं और अपनी बोली ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। किसी भी स्थिति में इस कार्य के लिए मैन्युअल निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएँगी। (PR-468)

सियालदह मंडल के चार स्टेशनों पर एम-यूटीएस डिवाइस का इस्तेमाल करके अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए एम-यूटीएस सहायकों की नियुक्ति

सूचना संख्या : सीसी.3/यूटीएस/एम-यूटीएस सहायक/01/एसडीएएच/2026 तारीख: 10.07.2026

यह रेलवे की नौकरी नहीं है, यह एक एजेंट की तरह है

पायलट प्रोजेक्ट के तहत दिनांक 30.06.2027 तक एम-यूटीएस डिवाइस से जरिये अनारक्षित कागज़ के टिकट जारी करने के लिए सियालदह, नैहाटी जंक्शन, बहरमपुर कोर्ट और कोलकाता स्टेशनों के लोकेशन पर एम-यूटीएस सहायकों के रूप में कार्य करने के लिए **सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों और आम जनता** से निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। **वेबसाइट पर आवेदन की उपलब्धता:** दिनांक 14.07.2026 को सुबह 11:00 बजे से और **आवेदन करने की आखिरी तारीख और समय:** 14.08.2026 को दोपहर 2:00 बजे तक। 150 किमी. तक की यात्रा के लिए स्मार्ट कार्ड रिचार्ज पर 3% की दर से बोनस दिया जायेगा। 151 किमी. से 500 किमी. के बीच की यात्रा के लिए 2% की दर से बोनस दिया जायेगा और उसके बाद, 500 किमी. से ज़्यादा की दूरी हेतु जारी टिकटों के लिए 1% की दर से बोनस दिया जाएगा। यह बदलाव एनएसजी 1, एनएसजी 2 और एनएसजी 3 श्रेणी के स्टेशनों के लिए लागू होगा। अन्य श्रेणी के स्टेशनों के लिए, 150 किमी. की दूरी की सीमा (कैपिंग) की मौजूदा पॉलिसी जारी रहेगी, यानी 150 किमी. तक 3% की दर से।

क्रम संख्या एवं जिन स्टेशनों पर एम-यूटीएस सहायकों की ज़रूरत है, उनका विवरण निम्नानुसार है: (1) **सियालदह (एसडीएएच)** - 8, (2) **नैहाटी जंक्शन (एनएच)** - 6, (3) **बहरमपुर कोर्ट (बीपीसी)** - 4 और (4) **कोलकाता (केओएए)** - 6। **पात्रता की शर्तें:** कोई भी व्यक्ति या सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी, जिसे नौकरी से हटाया या बर्खास्त नहीं किया गया है, एम-यूटीएस सहायक के लिए आवेदन करने के पात्र हैं, बशर्ते वे निम्नलिखित शर्तें पूरी करते हों : (i) आवेदक की उम्र 18 साल से कम नहीं होनी चाहिए। (ii) आवेदक ने कम से कम 10वीं कक्षा की परीक्षा पास की हो। (iii) आवेदक उस स्थानीय जिले का स्थायी निवासी होना चाहिए जहाँ वह स्टेशन स्थित है, जिसके लिए एम-यूटीएस सहायक को नियुक्त किये जाने का प्रस्ताव है। हालाँकि, यदि स्थानीय जिले का कोई उपयुक्त उम्मीदवार एम-यूटीएस सहायक के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं पाया जाता है, तो संबंधित वरिष्ठ डीसीएम या रेलवे द्वारा अधिकृत किसी भी अन्य अधिकारी द्वारा इस शर्त में छूट दी जा सकती है। **बयाना राशि:** आवेदन के साथ ₹10,000 की बयाना राशि (एफए एंड सीएओ/पूर्व रेलवे, कोलकाता के नाम पर डिमांड ड्राफ्ट/स्थायी जमा/राशि रसीद/बैंक गारंटी के रूप में) जमा करनी होगी। सफल उम्मीदवार के लिए इसे प्रतिभूति जमा के तहत समायोजित कर दिया जाएगा। अन्य आवेदकों की बयाना राशि वापस कर दी जाएगी। **प्रतिभूति जमा:** चुने गए एम-यूटीएस सहायक को ₹1,00,000 की वापसीयोग्य प्रतिभूति जमा डिमांड ड्राफ्ट/स्थायी जमा/राशि रसीद/बैंक गारंटी के रूप में जमा करनी होगी। अनुबंध पूरा होने/समाप्त होने पर, यदि कोई बकाया राशि है तो उसे प्रतिभूति जमा से समायोजित किया जाएगा और बाकी राशि एम-यूटीएस सहायक को वापस कर दी जाएगी। यदि चुना गया आवेदक सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी है, तो प्रतिभूति जमा केवल ₹ 20,000 होगी। सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी और 18 वर्ष से अधिक आयु के आम नागरिक जो ऊपर बताई गई जगहों पर एम-यूटीएस सहायक के रूप में कार्य करने के इच्छुक हैं, वे नियुक्ति के लिए सामान्य शर्तें, आवेदन पत्र, पात्रता मानदंड, कार्यकाल, चयन प्रक्रिया, कामकाज और नियम व शर्तें आदि वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in** से डाउनलोड कर सकते हैं और उसे **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, डीआरएम बिल्डिंग, कमरा संख्या 44, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 के कार्यालय में** जमा कर सकते हैं। रेलवे प्रशासन बिना कोई कारण बताए किसी भी एक या सभी आवेदनों को स्थगित/संशोधित या रद्द करने या किसी भी आवेदन को स्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

स्मार्ट बनिए, कतारों से बचिए, एटीवीएम इस्तेमाल कीजिये

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सियालदह

पूर्व रेलवे

तारकेश्वर में 'श्रावणी मेला' के दौरान ट्रेनों के आवागमन के लिए विशेष व्यवस्थाएँ

शुद्धिपत्र

तारकेश्वर में श्रावणी मेला के दौरान ट्रेनों के आवागमन की विशेष व्यवस्थाओं के संबंध में पूर्व प्रकाशित उपर्युक्त शीर्षक वाले विज्ञापन के संदर्भ में, यह सूचित किया जाता है कि छह जोड़ी **तारकेश्वर - सेवड़ाफुली - तारकेश्वर ईएमयू स्पेशल ट्रेनों** के ट्रेन नंबर निम्नानुसार पढ़े जाएंगे:

डाउन ईएमयू स्पेशल ट्रेन						स्टेशन	अप ईएमयू स्पेशल ट्रेन					
03074	03076	03078	03080	03082	03084		03073	03075	03077	03079	03081	03083
00.45	01.45	02.30	03.20	10.45	12.25	↓ तारकेश्वर	02.35	03.35	04.20	05.10	12.35	14.15
01.35	02.35	03.20	04.10	11.35	13.15	सेवड़ाफुली ↑	01.45	02.45	03.30	04.20	11.45	13.25

अन्य सभी तथ्य अपरिवर्तित रहेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

एक कटवा-बैण्डेल ईएमयू ट्रेन का कोलकाता तक विस्तार

नबद्वीप धाम और आस-पास के अंचलों के यात्रियों की सुविधा के लिए, **रथ यात्रा त्योहार के दिनों में** 03101 कोलकाता - खोरघा रोड स्पेशल ट्रेन से जुड़ने के लिए, **37752 कटवा - बैण्डेल ईएमयू लोकल** की यात्रा का विस्तार **दिनांक 13.07, 14.07, 15.07, 21.07, 22.07 और 23.07.2026** को कोलकाता स्टेशन तक किया जाएगा। बैण्डेल और कोलकाता स्टेशनों के बीच विस्तारित अंश की संक्षिप्त समयसूची निम्नानुसार होगी: **बैण्डेल** : प्रस्थान - 21.10, **नैहाटी** : आगमन - 21.30, प्रस्थान - 21.40, **दमदम जंक्शन** : आगमन - 22.25, प्रस्थान - 22.27 और **कोलकाता** : आगमन - 22.40

यह ईएमयू स्पेशल ट्रेन मार्ग में सभी स्टेशनों पर रुकेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे संबंधित स्टेशनों की जनसंबोधन प्रणाली की सूचना का पालन करें।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हावड़ा और नबद्वीप धाम के बीच ईएमयू स्पेशल ट्रेन

'**रथ यात्रा**' और '**उल्टा रथ यात्रा**' के दौरान यात्रियों की प्रत्याशित भीड़ को संभालने के लिए, हावड़ा और नबद्वीप धाम स्टेशनों के बीच एक जोड़ी ईएमयू स्पेशल ट्रेन निम्नलिखित संक्षिप्त समयसूची के अनुसार **दिनांक 16.07.2026 (बृहस्पतिवार/रथ यात्रा) और 24.07.2026 (शुक्रवार/उल्टा रथ यात्रा)** को चलेगी।

हावड़ा-नबद्वीप धाम (03095)		स्टेशन	(03096) नबद्वीप धाम-हावड़ा	
आ.	प्र.		आ.	प्र.
–	09.32	↓ हावड़ा	17.00	–
10.32	10.35	बैण्डेल	15.55	15.57
12.00	–	नबद्वीप धाम ↑	–	14.30

ये ईएमयू स्पेशल ट्रेनें मार्ग के सभी स्टेशनों पर रुकेंगी।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (नीलामी संचालन अधिकारी), पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरा तल, डीआरएम बिल्डिंग, काइज़र स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा सियालदह मंडल के तहत 04 स्थानों पर पे एंड यूज़ शौचालय लॉट के परिचालन एवं रखरखाव के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है, जिसके लिए **www.ireps.gov.in** ई-ऑक्शन कैटलॉग प्रकाशित किया गया है। **ऑक्शन कैटलॉग सं.: पीएनयू-एसडीएएच-24-26, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय : दिनांक 23.07.2026 को 13.00 बजे। क्रम सं., लॉट सं. और स्टेशनों के नाम** निम्नानुसार हैं: **(1)** पीएनयू-एसडीएएच-केबीजीबी-टीओआई-158-26-1, कोमागाता मारू बजबज। **(2)** पीएनयू-एसडीएएच-केडब्ल्यूबी-टीओआई-149-26-2, काकद्वीप। **(3)** पीएनयू-एसडीएएच-एनएमकेए-टीओआई-150-26-1, नामखाना। **(4)** पीएनयू-एसडीएएच-एजी-टीओआई-152-26-1, आंड्डाटा। प्रत्याशित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे विस्तृत विवरण के लिए आईआरईपीएस ई-ऑक्शन मॉड्यूल देखें।

SDAH-130/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं. : सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/24, दिनांक 06.07.2026 वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों का अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है।

कैटलॉग सं. : पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-24

क्रम सं., लॉट सं. और विवरण निम्नानुसार हैं: **एए/1, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-आरपीएच-ओएच-153-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, रामपुरहाट रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **एए/2, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एनडीएई-ओएच-157-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, हावड़ा मंडल के नबद्वीप धाम रेलवे स्टेशन के अस्थायी बुकिंग कार्यालय के पास सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **एए/3, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एएमबीजी-ओएच-164-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, आरामबाग रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के पास सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **एए/4, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीएलवाई-ओएच-167-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, बाली रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के परिचालन एवं रखरखाव के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **एए/5, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एजेडएम-ओएच-163-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, आजिमगंज रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **एए/6, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूएई-ओएच-156-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, कटवा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **एए/7, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई-ओएच-160-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, डानकुनी रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से रेलवे सूचना और वाणिज्यिक विज्ञापन के परिचालन, रखरखाव और प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **एबी/1, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एलएलएच-ओएसडी-119-24-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर-डिजिटल)**, हावड़ा मंडल के तहत तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापनों का दायरा सहित क्लस्टर-1 (अनेक्सर-I में विस्तृत अनुसार लिलुआ, बेलुड़, बाली, डानकुनी, उत्तरपाड़ा, कोन्नगर, रिसड़ा और श्रीरामपुर) के तहत स्टेशनों पर डायनैमिक भीम यूपीआई क्यूआर कोड के प्रावधान के साथ पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) काउंटरों और अनरिजर्व्ड टिकटिंग सिस्टम (यूटीएस) काउंटरों पर ड्यूएल डिस्प्ले फेयर रिपीटर सिस्टम (डीडीएफआरएस) की आपूर्ति, स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एबी/2, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीडब्ल्यूएन-ओएसडी-86-26-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर-डिजिटल)**, बर्द्धमान स्टेशन के अंदर विभिन्न स्थानों पर तीन वर्षों की अवधि के लिए 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 06 (छह) वीडियो वॉल के माध्यम से रेलवे सूचना और विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एबी/3, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-पीडीए-ओएसडी-122-24-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर-डिजिटल)**, हावड़ा मंडल के तहत तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापनों का दायरा सहित क्लस्टर-4 (अनेक्सर-I में विस्तृत अनुसार पाण्डुया, मेमारी, बर्द्धमान, बोलपुर और रामपुरहाट) के तहत स्टेशनों पर डायनैमिक भीम यूपीआई क्यूआर कोड के प्रावधान के साथ पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) काउंटरों और अनरिजर्व्ड टिकटिंग सिस्टम (यूटीएस) काउंटरों पर ड्यूएल डिस्प्ले फेयर रिपीटर सिस्टम (डीडीएफआरएस) की आपूर्ति, स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एसी/1, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएसएन-165-26-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर-नॉन डिजिटल)**, हावड़ा स्टेशन-ओल्ड कॉम्प्लेक्स के पिलरों पर विनाइल चिपकाने के माध्यम से तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एडी/1, एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूरेक32-26-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर एवं एक्सटीरियर)**, हावड़ा मंडल में चलने वाली 12 कोच की ईएमयू रेक के कोचों के अंदर निर्दिष्ट स्थानों पर और संपूर्ण साइड वॉल (खिड़कियों और अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक प्रचार का अधिकार प्रदान करना। **एडी/2, एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूआर8-25-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर एवं एक्सटीरियर)**, हावड़ा मंडल में चलने वाली 12 कोच की ईएमयू रेक के कोचों के अंदर निर्दिष्ट स्थानों पर और संपूर्ण साइड वॉल (खिड़कियों और अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक प्रचार का अधिकार प्रदान करना। **एडी/3, एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूआर2-25-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर एवं एक्सटीरियर)**, हावड़ा मंडल में चलने वाली 12 कोच की ईएमयू रेक के कोचों के अंदर निर्दिष्ट स्थानों पर और संपूर्ण साइड वॉल (खिड़कियों और अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक प्रचार का अधिकार प्रदान करना। **नीलामी शुरू होने की तिथि और समय** : दिनांक 21.07.2026 को 12.00 बजे प्रत्येक हेतु।

HWH-208/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

बैंक खातों के संचालन की अनुमति के मामले में ईडी और तृणमूल के वकील के बीच तीखी बहस

❑ **हाई कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित**

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी गुट ने सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख कर उन तीन बैंक खातों के संचालन की अनुमति मांगी जिनके लेनदेन पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रोक लगा दी है। बता दें कि ईडी ने तृणमूल कांग्रेस के तीन बैंक खातों के लेनदेन पर रोक लगायी है, जिनमें कुल 440.42 करोड़ रुपये जमा हैं। ईडी ने यह कार्रवाई बिधाननगर पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की जा रही अपनी जांच के सिलसिले में की। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने मामले में दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद अंतरिम राहत के अनुरोध पर आदेश सुरक्षित रख लिया।

इस दिन, ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने याचिका की विचारणीयता पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि याचिका दायर करने वालों को ऐसा करने का अधिकार नहीं है। तृणमूल के वकील ने कहा कि याचिका दायर करने वाले हस्ताक्षरकर्ताओं को पार्टी की ओर से याचिका दाखिल करने का प्राधिकार है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत को बताया कि पार्टी के संविधान के अनुसार कार्यसमिति को इस प्रकार के मामलों के संचालन के लिए किसी को भी अधिकृत करने का अधिकार है। ईडी के वकील ने कहा कि एक दीवानी अदालत के आदेश ने उन्हें पार्टी का प्रतिनिधित्व करने से रोक रखा है। राजू ने कहा कि अधिकृत करने वाला दस्तावेज बिना तारीख का है, जबकि अलीपुर की दीवानी अदालत के न्यायाधीश ने सात जुलाई को एकपक्षीय (एक्स-पार्टी) आदेश पारित किया था।

सिंघवी ने अदालत से कहा कि तथ्यों को छिपाने का कोई सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि दीवानी अदालत का आदेश एकपक्षीय था और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट का वहां प्रतिनिधित्व नहीं था। उन्होंने कहा कि पार्टी के बैंक खाते के लेनदेन पर उस समय रोक लगायी गई थी, जब निर्वाचन आयोग ने प्रतिद्वंद्वी गुट को न तो तृणमूल कांग्रेस और न ही चुनाव चिह्न रखने वाले दल के रूप में मान्यता दी थी। सिंघवी ने दलील दी कि किसी राजनीतिक दल को मान्यता देने का अधिकार केवल निर्वाचन आयोग को है। उन्होंने दावा किया कि राज्य पुलिस और ईडी वस्तुत: ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी गुट को ही वास्तविक तृणमूल कांग्रेस के रूप में मान्यता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में विजयी और पराजित दल के मत प्रतिशत का अंतर केवल पांच प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि इसलिए चुनाव हारने का अर्थ यह नहीं है कि किसी दल के अस्तित्व का अधिकार समाप्त हो जाता है।

न्यायमूर्ति राव ने पूछा कि क्या कोई दीवानी अदालत किसी गुट को समिति या समिति का सदस्य के रूप में मान्यता देकर निर्वाचन आयोग की शक्तियां अपने हाथ में ले सकती है। राजू ने कहा कि याचिकाकर्ता याचिका दायर करने के लिए अधिकृत नहीं हैं और उन्होंने दीवानी अदालत के आदेश को छिपाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) का उद्देश्य धनशोधन को रोकना है और यदि अदालत धनराशि जारी करने का आदेश देती है तो बैंक खातों की जांच का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। राजू ने कहा कि धनशोधन रोकने के लिए ईडी को संपत्ति जब्त करने का अधिकार है और इस मामले में एजेंसी ने वही किया है।

खाली बर्थ सब्जियों की तरह बेचते हैं टीटीई, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करे रेलवे : हाई कोर्ट

कोलकाता, समाज्ञा

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कहा कि कुछ 'यात्रा टिकट परीक्षक' (टीटीई) रेलगाड़ियों में खाली बर्थ को बाजार में सब्जियों की तरह बेचते हैं। अदालत ने देश के सभी रेलवे मंडलों के महाप्रबंधकों को निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में दोषी टीटीई के खिलाफ उपलब्ध अधिकतम दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसी ही एक घटना के कारण मादक पदार्थ देकर दो यात्रियों से लूटपाट की गयी और मादक पदार्थ के कारण ही उनमें से एक यात्री की मौत हो गयी। अदालत ने कहा कि फरवरी 2009 में न्यू जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रही तीस्ता-तोरसा एक्सप्रेस में दो व्यक्ति अनारक्षित टिकट लेकर सवार हुए थे। उन्होंने टीटीई को रिश्वत देकर बर्थ हासिल की। बाद में, दो अपराधियों ने उनके कीमती सामान लूटने के इरादे से उन्हें नशीला पदार्थ दे दिया। इनमें से एक यात्री की उसे दिए गए नशीले पदार्थ के कारण मौत हो गयी। उसे पहले से अन्य गंभीर बीमारियां थीं।

न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा और न्यायमूर्ति बिस्वरूप चौधरी की खंडपीठ ने कहा कि यह अदालत इस फैसले की प्रति पूर्व रेलवे सहित देश के सभी रेलवे मंडलों के महाप्रबंधकों को भेज रही है, ताकि ट्रेन की खाली बर्थ को बाजार में सब्जियों की तरह बेचने वाले टीटीई के खिलाफ उपलब्ध अधिकतम दंड सुनिश्चित किया जा सके। अदालत ने कहा कि टीटीई के इस आचरण के कारण एक ऐसे यात्री की जान चली गई, जिससे केवल लूटपाट की गयी थी। खंडपीठ ने कहा कि ऐसे कई मामले हैं, जिनकी रिपोर्ट तक दर्ज नहीं होती, लेकिन उनमें मामूली चोरी के शिकार लोगों को गंभीर चिकित्सकीय परिणाम भुगतने पड़ते हैं। खंडपीठ ने पिछले सप्ताह दिए आदेश में कहा कि ऐसे अपराधों के लिए टीटीई की भूमिका ही मूल कारण बनती है। अदालत ने जांच और अभियोजन में कई गंभीर खामियों को लेकर पुलिस की भी कड़ी आलोचना की।

खंडपीठ ने कहा कि न्यू जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रही तीस्ता-तोरसा एक्सप्रेस में बिना पूर्व आरक्षण के दो यात्रियों को बर्थ आवंटित करने वाले टीटीई तथा यात्रा के दौरान सियालदह तक ड्यूटी पर रहे अन्य टीटीई की गंभीर लापरवाही अत्यंत चिंताजनक है। अदालत ने कहा कि टीटीई अक्सर यात्रियों के अनुरोध पर पैसे लेकर उन्हें बर्थ आवंटित कर देते हैं। खंडपीठ ने कहा कि इस अपराध के घटित होने की मुख्य वजह भारतीय रेलवे के टीटीई की लापरवाही रही। अदालत ने बताया कि फरवरी 2009 में अरुण चक्रवर्ती और सुनील कुमार दास अनारक्षित टिकट लेकर यात्रा कर रहे थे। अपनी पुरानी आदत के अनुसार उन्होंने संबंधित टीटीई को रिश्वत देकर बर्थ हासिल कर ली।

हाई कोर्ट ने भर्ती भ्रष्टाचार मामले में पूर्व मंत्री मानस भुइयां को गिरफ्तारी से दी सशर्त अंतरिम राहत

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को भर्ती घोटाला मामले में राज्य के पूर्व मंत्री मानस भुइयां को सशर्त राहत देते हुए गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की। बता दें कि गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए मानस भुइयां ने हाई कोर्ट का रुख किया है। सोमवार को उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सौगता भट्टाचार्य की एकल पीठ ने उन्हें किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम राहत दी। अदालत ने यह राहत कुछ शर्तों के साथ दी है, जिनका पालन करना उनके लिए अनिवार्य होगा। अदालत ने आदेश दिया कि फिलहाल वह पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सबंग थाना क्षेत्र से बाहर नहीं जाएंगे। हाई कोर्ट ने पूर्व मंत्री को जांच में सहयोग करने और अपना पासपोर्ट स्थानीय पुलिस थाने में जमा कराने का निर्देश दिया है।

सॉल्ट लेक सेक्टर-5 में फुटपाथी दुकानदारों ने खुद हटाईं दुकानें, दफ्तर क्षेत्र हुआ सूना

कोलकाता : सॉल्ट लेक के सेक्टर-5 स्थित कार्यालय क्षेत्र में फुटपाथी दुकानों को हटाने की समयसीमा समाप्त होने से पहले ही अधिकांश दुकानदारों ने अपनी अस्थायी दुकानें स्वयं हटानी शुरू कर दीं। नवदिगंत इंडस्ट्रियल टाउनशिप अथॉरिटी (एनडीआईटीए) द्वारा लगभग 1000 से 1200 फुटपाथी दुकानदारों को नोटिस जारी कर निर्धारित समय के भीतर दुकान की छत और अस्थायी ढांचा हटाने का निर्देश दिया गया था। बुलडोजर कार्रवाई की आशंका के बीच दुकानदारों ने स्वयं ही दुकानें हटानी शुरू कर दीं। सेक्टर-5 राज्य का प्रमुख आईटी हब होने के साथ-साथ अनेक सरकारी और निजी कार्यालयों का भी केंद्र है। यहां प्रतिदिन हजारों कर्मचारी आते हैं, जिनके लिए फुटपाथ पर लगी भोजन की दुकानें दिनभर के खाने का

प्रमुख सहारा थीं। रविवार से कॉलेज मोड़, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स थाना के सामने, गोदरेज रिवरसाइड, टेक्नो इंडिया मोड़ से स्वास्थ्य भवन मार्ग सहित विभिन्न स्थानों पर दुकानदार अपनी दुकानें समेटते दिखाई दिए। सोमवार को पूरा कार्यालय क्षेत्र लगभग सूना नजर आया और कहीं भी भोजन का स्टॉल दिखाई नहीं दिया। दुकानदारों का कहना है कि उन्हें दुकानों में आग जलाकर खाना बनाने पर भी रोक लगा दी गई है, जिससे खाद्य व्यवसाय चलाना मुश्किल हो गया है। वहीं, एनडीआईटीए ने स्पष्ट किया है कि किसी भी हॉकर को हटाया नहीं जा रहा है। प्राधिकरण के अनुसार, सभी दुकानदारों को केवल कानूनी नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए अपना व्यवसाय संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

गुंडा दमन कानून के खिलाफ हाई कोर्ट में जनहित याचिका, तत्काल रोक लगाने की मांग

संविधान और मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में सोमवार से लागू हुए पब्लिक सेफ्टी एंड कंट्रोल आफ एंटी-सोशल एक्टिविटीज एक्ट, 2026 (गुंडा दमन कानून) को चुनौती देते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। माकपा नेता एवं अधिवक्ता सब्यसाची चटर्जी की अर्जी पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश तपोब्रत चक्रवर्ती की खंडपीठ ने जनहित याचिका दाखिल करने की अनुमति दे दी है। मामले पर इसी सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है। याचिकाकर्ता सब्यसाची चटर्जी ने आरोप लगाया है कि यह कानून संविधान और मानवाधिकारों के विपरीत है तथा केवल संदेह के आधार पर किसी व्यक्ति को हिरासत में लेने जैसी व्यवस्था नागरिकों के

मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है। उन्होंने कानून के क्रियान्वयन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उधर, राज्य सरकार का कहना है कि पिछली तृणमूल सरकार के दौरान बढ़ी तस्करी, सिंडिकेट, तौलाबाजी और संगठित अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए यह कानून आवश्यक है। सरकार का दावा है कि नए कानून से कानून-व्यवस्था मजबूत होगी और असामाजिक गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई संभव हो सकेगी।

पूर्व तृणमूल विधायक का बेटा गिरफ्तार, छह दिन की पुलिस हिरासत

❑ **रंगदारी, अवैध हथियार प्रदर्शन, लाटरी टिकट हड़पने का आरोप**

❑ **कोर्ट में पेशी के दौरान पूर्व पार्षद पर फेंके गए अंडे**

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक निर्मल घोष के बेटे तीर्थंकर घोष को कथित रूप से धोखाधड़ी और जबरन वसूली की गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में सोमवार को उत्तर 24 परगना जिले से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पानीहाटी नगरपालिका के पूर्व पार्षद रहे तीर्थंकर घोष को दक्षिणेश्वर इलाके से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि जबरन वसूली, धोखाधड़ी, जान से मारने की धमकी देने तथा लॉटरी के विजेता टिकट छीनने के प्रयास से जुड़ी शिकायतों के आधार पर पुलिस कई दिनों से उसकी तलाश कर रही थी। तीर्थंकर घोष को जब बैरकपुर अदालत ले जाया जा रहा था, तब कुछ लोगों ने उस पर अंडे फेंके। अदालत ने आरोपी को छह दिन की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया। अभियोजन पक्ष ने 14 दिन की पुलिस हिरासत की मांग की थी, लेकिन अदालत ने छह दिन की हिरासत मंजूर की।

❑ **खड़दह थाने के बाहर गिरफ्तारी का मनाया गया जश्न**

सोमवार की सुबह गिरफ्तारी की खबर फैलते ही खड़दह थाने के बाहर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए।

तीर्थंकर को अदालत ले जाने के लिए जैसे ही पुलिस बाहर लाई, प्रदर्शनकारियों ने ढोल-नगाड़े बजाकर गिरफ्तारी का जश्न मनाया और उन पर अंडे फेंके। भीड़ में मौजूद कुछ लोगों ने 'चोर-चोर' के नारे भी लगाए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए थाने के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि तीर्थंकर की गिरफ्तारी से पानीहाटी को भ्रष्टाचार और दबंगई से मुक्ति मिली है। हालांकि, अदालत ले जाते समय गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर तीर्थंकर ने कोई टिप्पणी नहीं की।

कटवा-बंडेल ईएमयू लोकल छह दिनों तक कोलकाता स्टेशन तक चलेगी

कोलकाता, समाज्ञा

रेलवे द्वारा कटवा-बंडेल ईएमयू लोकल ट्रेन की सेवा को छह दिनों तक कोलकाता स्टेशन तक विस्तारित करने का निर्णय लिया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य यात्रियों को 03101 कोलकाता-खुर्दा रोड स्पेशल ट्रेन से बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराना है।

इसके तहत, 37752 कटवा-बंडेल ईएमयू लोकल का संचालन 13, 14, 15, 21, 22 और 23 जुलाई 2026 को विस्तारित मार्ग पर किया जाएगा। इन दिनों ट्रेन बंडेल स्टेशन से रात 9:10 बजे प्रस्थान करेगी और रात 10:40 बजे कोलकाता स्टेशन पहुंचेगी। रेलवे ने इसके साथ ही पूर्व में जारी सूचना में आंशिक संशोधन की जानकारी भी दी है।

संशोधित व्यवस्था के अनुसार, शेवड़ाफुली-तारकेश्वर ईएमयू स्पेशल ट्रेनें अब 03073, 03075, 03077, 03079, 03081 एवं 03083 नंबर से संचालित होंगी। पहले इन ट्रेनों के लिए क्रमशः 03074, 03076, 03078, 03080, 03082 एवं 03084 नंबर घोषित किए गए थे। इसी प्रकार, तारकेश्वर-शेवड़ाफुली ईएमयू स्पेशल ट्रेनें अब 03074, 03076, 03078, 03080, 03082 एवं 03084 नंबर से चलेंगी। पूर्व में इनके लिए 03073, 03075, 03077, 03079, 03081 एवं 03083 नंबर निर्धारित किए गए थे।

'ग्रीन लेगेसी मिशन' के तहत 19,250 फलदार पौधों का वितरण, अन्य मंडलों में भी लागू होगी पहल

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास को बढ़ावा देने की दिशा में 'ग्रीन लेगेसी मिशन' के तहत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मंडल ने 9 जुलाई 2026 तक अपने कर्मचारियों एवं संबद्ध संस्थानों के बीच 19,250 फलदार पौधों का वितरण किया है। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर की पहल और मंडल रेल प्रबंधक संग्रह मौर्य के मार्गदर्शन में 25 जून से शुरू हुआ यह अभियान 'एक कर्मचारी, दो फलदार पौधे, एक हरित विरासत' थीम पर आधारित है। इसका उद्देश्य रेलवे परिसरों में हरित आवरण बढ़ाने, जैव विविधता को सुदृढ़ करने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है।

अभियान के तहत देशी फलदार पौधों का वितरण कर रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों, ट्रेड यूनियनों, चिकित्सा कर्मियों और शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी सुनिश्चित की गई। पौधारोपण रेलवे कॉलोनियों, प्रशासनिक भवनों, अस्पतालों और विद्यालय परिसरों में किया जा रहा है तथा इनके संरक्षण की जिम्मेदारी पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन विभाग को सौंपी गई है। वितरण में अंडाल स्थित डीजल लोकोमोटिव शेड को सर्वाधिक 2,600 पौधे दिए गए। पूर्व रेलवे उच्च माध्यमिक विद्यालय, आसनसोल और क्रू लॉबी को 2,500-2,500 पौधे मिले, जबकि भूली स्थित जोनल रेलवे प्रशिक्षण संस्थान को 1,500, पूर्व रेलवे हाई स्कूल, आसनसोल को 1,400 तथा थ्री-फेज ट्रैक्शन रोलिंग स्टॉक लोकोमोटिव शेड को 1,200 पौधे आवंटित किए गए। इसके अलावा इलेक्ट्रिक लोको ट्रेनिंग सेंटर, कैरेज एवं वैगन यूनिट (अंडाल), बॉक्सन वैगन डिपो और पूर्व रेलवे हाई स्कूल, अंडाल को 1,000-1,000 पौधे वितरित किए गए। अन्य विभागों एवं इकाइयों को भी 150 से 800 पौधों तक का आवंटन किया गया।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने कहा कि 'ग्रीन लेगेसी मिशन' केवल पौधारोपण अभियान नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और हरित संस्कृति को बढ़ावा देने की व्यापक जनभागीदारी पहल है।

सीकर नागरिक परिषद के निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 176 मरीजों ने उठाया लाभ

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर कोलकाता के मुरारीपुकुर स्थित स्वामी विवेकानंद स्पोर्टिंग क्लब (सीआईटी रोड) के पास रविवार को सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता) एवं सीकर जिला वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 112वें निःशुल्क नुक्कड़ सामान्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 176 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर की जानकारी संयोजक रतन कुमार सीकरिया एवं सह-संयोजक आदित्य विक्रम बियानी ने दी। अध्यक्ष (एमेरिटस) घनश्याम प्रसाद शोभासरिया एवं अध्यक्ष ब्रह्मानंद अग्रवाल ने शिविर की सफलता के लिए प्रायोजकों, संयोजकों और सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। परिषद के सचिव रवि शंकर सीकरिया ने बताया कि शिविर का आयोजन राधेश्याम ढनढानिया के सहयोग से किया गया। शिविर को सफल बनाने में मधुसूदन बियानी, आनंद अग्रवाल, अंकित चौधरी, आशीष चौधरी, विशेष सराफ, अंकित अग्रवाल, रोहित जाजोदिया, गोपाल सीकरिया, आशीष झुनझुनवाला, निशांत, शुभम कुमार, राजेश साव, मनोज यादव, राखाल राय एवं उनकी सहयोगी टीम का विशेष योगदान रहा।

कुख्यात अपराधी राजा दत्त की गोली मारकर हत्या, दो साथी घायल

❑ **बेलघरिया एक्सप्रेसवे के किनारे मिला रक्तरंजित शव**

❑ **पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया**

कोलकाता, समाज्ञा : दमदम के उत्तर दमदम नगरपालिका क्षेत्र में सोमवार के तड़के कुख्यात अपराधी राजा दत्त की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसका रक्तरंजित शव बेलघरिया एक्सप्रेसवे के किनारे खलिसाकोटा इलाके में एक गैराज के पास मिला। पुलिस के अनुसार, उसके शरीर में बेहद नजदीक से कई गोलियां मारी गईं। घायल अवस्था में उसे पहले स्थानीय अस्पताल और बाद में आरजी कर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, बिराटी निवासी राजा दत्त सोमवार के तड़के अपने दो साथियों के साथ बाइक से जा रहा था। इसी दौरान उसकी प्रतिद्वंद्वी गिरोह से मुठभेड़ हुई। हमले में उसके दोनों साथी भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। जांच में सामने आया है कि हमलावर पहले से ही घटनास्थल के आसपास मौजूद थे और संभवतः राजा के परिचित थे। आशंका है कि उन्होंने पहले उसका हथियार छीन लिया और फिर प्वाइंट ब्लैंक रेंज से गोली मार दी। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि वारदात के बाद आरोपित किस रास्ते से फरार हुए। दमदम थाना पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है। अब तक पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, हालांकि किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसी (दक्षिण) शामीर अहमद ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पीबीसीएमएस ने श्रम मंत्री के बयानों का किया स्वागत

❑ **चाय बागान मुद्दों पर समयबद्ध कार्रवाई की मांग**

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगा चा मजदूर समिति (पीबीसीएमएस) ने पश्चिम बंगाल के चाय उद्योग में जारी संकट को लेकर श्रम मंत्री अर्जुन सिंह के 12 जुलाई को सिलीगुड़ी में दिए गए बयानों का स्वागत किया है। संगठन ने कहा कि बंद चाय बागानों, अवैध संचालन, मजदूरों के बकाया भुगतान और चाय बागान की जमीन के दुरुपयोग जैसे मुद्दों पर सरकार का ध्यान जाना मजदूरों के लंबे संघर्ष का परिणाम है। पीबीसीएमएस ने श्रम मंत्री की उस घोषणा का विशेष रूप से स्वागत किया, जिसमें प्रबंधन को भविष्य निधि (पीएफ) और ग्रेच्युटी के बकाये का भुगतान करने के लिए एक महीने का समय देने की बात कही गई है। संगठन के अनुसार, कई बागानों में मजदूरों के वेतन से पीएफ की राशि काटे जाने के बावजूद उसे जमा नहीं किया जाता, जबकि ग्रेच्युटी, मजदूरी, बोनस और अवकाश भुगतान भी लंबित हैं। 25 जून 2026 को मेरिको-सम्मेलन समूह और मर्चेंट मोंगर एग्रो टेक प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े बागानों में अनियमितताओं की शिकायत अतिरिक्त श्रम आयुक्त को दी गई। वहीं, मेरिको-सम्मेलन बागानों के मजदूरों ने गेट मीटिंग कर पुलिस को साक्ष्य सौंपे और नागेश्वरी बागान में 2 जुलाई से 10 दिनों तक विरोध कार्यक्रम आयोजित किया। पीबीसीएमएस ने बंद बागानों को नए प्रबंधन के जरिए फिर शुरू करने की सरकार की पहल का समर्थन किया, लेकिन कहा कि कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अभी स्पष्ट समयसीमा तय नहीं हुई है। संगठन ने मधु, बामनडांगा टुंडू, बुंदापानी, कालचीनी और रायमाटांग में एफएडबल्यूएलओआई की बहाली, बकाया राशि की सूची और वसूली की ठोस व्यवस्था की मांग की। संगठन ने कहा कि सरकार को चाय बागानों के पुनरुद्धार के लिए वित्तीय योजना और मजदूरों की भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

ईटीएस ने क्रिजैक लिमिटेड के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की

कोलकाता : वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त टीओईएफएलएँ और जीआरईएँ परीक्षाओं का संचालन करने वाली संस्था ईटीएस ने क्रिजैक लिमिटेड के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस पहल के तहत देशभर में विदेश में पढ़ाई की तैयारी कर रहे एक लाख से अधिक छात्रों को अधिकृत टीओईएफएलएँ और जीआरईएँ परीक्षा तैयारी संसाधनों तक पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी। क्रिजैक के स्टडी एब्रॉड नेटवर्क के माध्यम से छात्रों को आधिकारिक टीओईएफएलएँ और जीआरईएँ परीक्षा तैयारी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे वे विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए अधिक प्रभावी ढंग से तैयारी कर सकें। ईटीएस में टीओईएफएलएँ और जीआरईएँ, दक्षिण एशिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर करण ललित ने कहा, ईटीएस का हमेशा से प्रयास रहा है कि हर छात्र को विश्वसनीय परीक्षाओं और उच्च गुणवत्ता वाले आधिकारिक तैयारी संसाधनों तक पहुंच मिले, ताकि वे दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में अपनी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

टेक्नोलॉजी से परे: कैसे अलग-अलग तरह के करियर में आपकी मदद करता है 'एसएपी स्किल्स'!

कोलकाता : एसएपी अब भारत में 'एसएपी लर्निंग हब, स्टूडेंट एडिशन' के मुफ्त उपयोग की सुविधा दे रहा है, जिससे पढ़ने वाले छात्र यह समझ सकते हैं कि एंटरप्राइज़ टेक्नोलॉजी नए जमाने के बिज़नेस में कैसे मददगार हैं। एमबीए की पढ़ाई कर रहा कोई छात्र जो कंसल्टिंग में करियर बनाना चाहता हो, या कॉमर्स का कोई विद्यार्थी जिसकी रुचि फाइनेंशियल एनालिसिस में हो, उसे भी एसएपी के बारे में जानने का अवसर मिल सकता है, भले ही उन्होंने कभी कोडिंग की एक भी लाइन न लिखी हो। एसएपी में ग्लोबल वीपी एसआईएक्स पार्टनर सॉल्यूशन इनेबलमेंट, टाइन वैनडेनब्रीडेन ने कहा, आज के करियर एक-दूसरे से जुड़े हैं। फाइनेंस टीम को टेक्नोलॉजी की ज़रूरत होती है और एचआर वाले डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर निर्भर हैं। एंटरप्राइज़ प्लेटफ़ॉर्म के बारे में जानने से छात्रों को यह बात समझ आती है कि ये सभी साथ मिलकर कैसे काम करते हैं।

कोलकाता पुलिस डॉग स्क्वॉड के मेन्यू से रेड मीट बाहर, अब मिलेगा चिकन

❑ **भोजन में दही, फल, सब्जियां और अंडा भी शामिल**

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस ने अपने डाग स्काड के भोजन में बड़ा बदलाव किया है। इस वर्ष पुलिस कुत्तों के मेन्यू से रेड मीट पूरी तरह हटा दिया गया है। अब उन्हें नियमित रूप से केवल चिकन दिया जाएगा। इसके साथ ही उनके भोजन में अतिरिक्त दही, सैलमन मछली का तेल, मौसमी फल, ताजी सब्जियां और प्रतिदिन एक अंडा भी शामिल किया गया है। पुलिस मुख्यालय लालबाजार सूत्रों के अनुसार, डाग स्काड के लगभग 40 कुत्तों के भोजन के लिए राज्य सरकार ने अगले एक वर्ष के लिए 38 लाख 76 हजार 480 रुपये मंजूर किए हैं। प्रत्येक कुत्ते को किस प्रकार का भोजन और कितनी मात्रा में दिया जाएगा, इसका भी स्पष्ट निर्धारण किया गया है। नई व्यवस्था के तहत पहले की तुलना में दही की मात्रा बढ़ाकर प्रति माह लगभग 2.25 किलो कर दी गई है। हर कुत्ते को महीने में तीन किलो ताजे, गैर-खट्टे मौसमी फल भी दिए जाएंगे। सप्ताह में कम से कम तीन दिन 10 ग्राम सैलमन आयल ड्रापर से पिलाया जाएगा।

बता दें कि पहले प्रत्येक कुत्ते के लिए हर महीने तीन किलो रेड मीट और नौ किलो चिकन निर्धारित था। अब रेड मीट हटाकर 12 किलो चिकन दिया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि चिकन में किसी प्रकार का रंग या प्रिजर्वेटिव न हो। उबला हुआ चिकन आमतौर पर चावल के साथ मिलाकर खिलाया जाएगा।

इसके अलावा, प्रत्येक कुत्ते के लिए प्रतिदिन एक अंडा, प्रति माह डेढ़ किलो कम वसा वाले ब्रांडेड बिस्कुट, छह किलो दलिया, तीन किलो आतप चावल, 750 ग्राम मसूर दाल, तीन किलो ताजी सब्जियां, 150 ग्राम नमक, 150 ग्राम हल्दी, 300 ग्राम लहसुन, 120 मिलीलीटर खाद्य तेल तथा दांत मजबूत रखने के लिए डेढ़ किलो साफ हड्डियां भी निर्धारित की गई हैं।

पुलिस का मानना है कि संतुलित और पौष्टिक भोजन से डाग स्काड की कार्यक्षमता और फिटनेस बेहतर बनी रहेगी।

रथ यात्रा और उल्टा रथ यात्रा के लिए हावड़ा-नवद्वीप धाम के बीच चलेगी विशेष ईएमयू ट्रेन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने रथ यात्रा और उल्टा रथ यात्रा मेले के दौरान श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की सुविधा के लिए हावड़ा और नवद्वीप धाम के बीच एक जोड़ी विशेष ईएमयू ट्रेन चलाने की घोषणा की है। यह विशेष सेवा 16 जुलाई (गुरुवार) को रथ यात्रा तथा 24 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को उल्टा रथ यात्रा के अवसर पर संचालित की जाएगी। जानकारी के अनुसार, 03095 हावड़ा-नवद्वीप धाम ईएमयू स्पेशल हावड़ा स्टेशन से सुबह 9:32 बजे प्रस्थान करेगी और दोपहर 12:00 बजे नवद्वीप धाम पहुंचेगी। यह ट्रेन रास्ते में सुबह 10:32 बजे बंडेल स्टेशन पहुंचेगी, जहां इसका 3 मिनट का

निर्धारित ठहराव होगा। वापसी यात्रा में 03096 नवद्वीप धाम-हावड़ा ईएमयू स्पेशल नवद्वीप धाम से दोपहर 2:30 बजे रवाना होगी और शाम 5:00 बजे हावड़ा पहुंचेगी। यह विशेष ट्रेन दोपहर 3:55 बजे बांदेल स्टेशन पहुंचेगी, जहां इसका 2 मिनट का ठहराव रहेगा। दोनों दिशाओं में संचालित होने वाली ये विशेष ईएमयू ट्रेनें मार्ग के सभी स्टेशनों पर रुकेंगी।

बारीपाड़ा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास से यात्रियों को मिलेगी आधुनिक सुविधाओं की सौगात

कोलकाता, समाज्ञा : अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल के अंतर्गत ओडिशा के मयूरभंज जिले स्थित बारीपाड़ा रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य पूरा कर लिया गया है। स्टेशन को आधुनिक, स्वच्छ और यात्री-अनुकूल स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से यहां कई नई सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे यात्रियों के यात्रा अनुभव में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। दक्षिण पूर्व रेलवे के अनुसार, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों का दीर्घकालिक एवं समग्र विकास किया जा रहा है। इसके लिए विस्तृत मास्टर प्लान तैयार कर चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत दक्षिण पूर्व रेलवे के कुल 72 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें बारीपाड़ा रेलवे स्टेशन भी शामिल है।

मयूरभंज जिले का मुख्यालय होने के कारण बारीपाड़ा स्थानीय यात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों के लिए एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है। सिमिलीपाल टाइगर रिजर्व आने वाले पर्यटकों के लिए भी यह प्रमुख प्रवेश द्वार माना जाता है। स्टेशन के आधुनिकीकरण से क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और यात्री सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा। पुनर्विकास के तहत स्टेशन पर नया स्टेशन भवन, नया

बुकिंग काउंटर, दिव्यांग यात्रियों के लिए अलग बुकिंग काउंटर, शौचालय, रैंप, पेयजल बूथ, पार्किंग क्षेत्र और टैक्टाइल टाइल्स की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, नया प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म का उन्नयन, बेहतर पार्किंग एवं सर्कुलेटिंग एरिया, नया प्रतीक्षालय, बैठने की व्यवस्था, ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम), प्रवेश एवं निकास द्वार, स्थानीय कला एवं संस्कृति का प्रदर्शन तथा आधुनिक ट्रेन एवं कोच इंडिकेटर बोर्ड भी स्थापित किए गए हैं। इन सुविधाओं के शुरू होने से बारीपाड़ा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और आधुनिक यात्रा अनुभव मिलेगा।

अदालत ने ममता पर पार्टी के प्रशासनिक कामकाज और निर्देश जारी करने पर लगाया प्रतिबंध

❑ **अगली सुनवाई 6 अगस्त को, वास्तविक अध्यक्ष पर होगा फैसला**

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के दो गुटों के बीच चल रहे विवाद में अलीपुर अदालत ने अंतरिम आदेश जारी किया है। अदालत ने निर्देश दिया कि मामले के निपटारे तक ममता बनर्जी पार्टी के प्रशासनिक कार्य नहीं कर सकेंगी और तृणमूल के नाम पर कोई नियुक्ति, आदेश या निर्देश भी जारी नहीं करेंगी। बता दें कि अदालत ने पिछले सप्ताह भी आदेश दिया था कि ममता बनर्जी और उनके गुट के नेता स्वयं को पार्टी का पदाधिकारी नहीं बताएंगे। साथ ही, वे पार्टी के बैंक खातों का संचालन नहीं करेंगे तथा पार्टी के धन, दस्तावेज या संपत्ति से संबंधित कोई कदम नहीं उठाएंगे। यह मामला स्वरूप विश्वास की पत्नी जुई विश्वास ने दायर किया है। याचिका में आशंका जताई गई कि ममता बनर्जी गुट पार्टी की राशि कहीं और स्थानांतरित कर सकता है तथा महत्वपूर्ण दस्तावेजों में बदलाव या उन्हें नष्ट कर सकता है। इसी आधार पर अदालत से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई थी।

अदालत ने कहा कि फिलहाल अंतरिम आदेश इसलिए आवश्यक है ताकि पार्टी की धनराशि, दस्तावेजों और संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। साथ ही, 22 जून को बागी गुट की ओर से चुनी गई राष्ट्रीय कार्यसमिति के कामकाज में ममता बनर्जी कोई बाधा नहीं डालेंगी और न ही तृणमूल भवन या किसी अन्य पार्टी कार्यालय पर जबरन कब्जा किया जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि तृणमूल का वास्तविक अध्यक्ष और महासचिव कौन है, इस पर विस्तृत सुनवाई होगी। साथ ही, यह भी देखा जाएगा कि 2022 में गठित पार्टी समिति का कार्यकाल समाप्त हो चुका है या नहीं तथा पांच जून और 22 जून को हुई बैठकों की वैधता पर भी विचार किया जाएगा। हालांकि, यह अंतरिम आदेश ममता बनर्जी गुट का पक्ष सुने बिना जारी किया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि मामले की तत्काल आवश्यकता को देखते हुए यह आदेश दिया गया है। यह अंतिम फैसला नहीं है और सभी पक्षों को सुनने के बाद आगे की सुनवाई छह अगस्त को होगी।

हाई कोर्ट ममता नीत तृणमूल की रैली की अनुमति मामले पर कल करेगा सुनवाई

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस द्वारा दाखिल याचिका पर 15 जुलाई को सुनवाई करेगा। याचिका में पार्टी ने अनुरोध किया है कि अदालत पुलिस को एस्प्लेनेड में विक्टोरिया हाउस के सामने 21 जुलाई को प्रस्तावित 'शहीद दिवस' रैली की अनुमति देने का निर्देश दे। ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस ने 10 जुलाई को याचिका दाखिल की थी और वकीलों के एक समूह ने सोमवार को न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की अदालत में इसका जिक्र करते हुए यथाशीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने कहा कि मामले की सुनवाई 15 जुलाई को होगी। बता दें कि यह याचिका उस आदेश को चुनौती देती है जिसके तहत कोलकाता पुलिस ने इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है। ममता नीत गुट ने दावा किया कि हर साल पार्टी एस्प्लेनेड में विक्टोरिया हाउस के सामने शहीद दिवस रैली आयोजित करती है, लेकिन इस साल इसकी अनुमति के लिए दी गई अर्जी पर पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

96 घंटे ड्यूटी वाले बयान पर स्वास्थ्य मंत्री के बदले सुर, बोले- 'आदेश नहीं, केवल अनुरोध किया है'

कोलकाता : सरकारी चिकित्सकों से सप्ताह में 96 घंटे ड्यूटी करने संबंधी बयान पर उठे विवाद के बीच राज्य के स्वास्थ्य मंत्री शारद्वत मुखोपाध्याय ने अपने रुख को स्पष्ट किया है। रविवार को दिए गए बयान के 24 घंटे के भीतर उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को कोई आदेश नहीं दिया गया है, बल्कि केवल अनुरोध किया गया है। सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सकों एवं शिक्षक-चिकित्सकों से अनुरोध किया है कि वे सप्ताह में कम से कम 96 घंटे अपने कार्यस्थल के क्षेत्र में उपलब्ध रहने का प्रयास करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका अर्थ यह नहीं है कि चिकित्सकों को लगातार 96 घंटे ड्यूटी करनी होगी। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकारी चिकित्सकों से ड्यूटी के निर्धारित समय के दौरान किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस नहीं करने का अनुरोध किया गया है। उनका कहना था कि सरकारी सेवा के दौरान मरीजों को प्राथमिकता देना चिकित्सकों की जिम्मेदारी है, जबकि निजी प्रैक्टिस केवल ड्यूटी समाप्त होने के बाद ही की जानी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री के इस स्पष्टीकरण के बाद सप्ताह में 96 घंटे ड्यूटी संबंधी बयान को लेकर चल रही चर्चा को नया मोड़ मिल गया है।

दुष्कर्म मामले में अभिनेत्री श्राबंती चट्टोपाध्याय के पर्सनल असिस्टेंट गिरफ्तार

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के चटर्जीहाट थाना की पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में अभिनेत्री श्राबंती चट्टोपाध्याय के निजी सहायक अर्घ्य मुखोपाध्याय को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को सोमवार को हावड़ा अदालत में पेश किया, जहां मामले की आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अर्घ्य मुखोपाध्याय एक इवेंट कंपनी से जुड़े हुए हैं। आरोप है कि उन्होंने अपनी परिचित एक महिला को चटर्जीहाट थाना क्षेत्र स्थित अपने घर ले जाकर रात के समय उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने 12 जून को चटर्जीहाट थाने में आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के क्रम में पुलिस ने रविवार रात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

बारुईपुर हिंसा मामले में गिरफ्तार माकपा नेता को आठ दिन की पुलिस हिरासत

❑ **अंडे के हमले के डर से लहेक अली को हेलमेट पहनाकर कराई गई कोर्ट में पेशी**

❑ **माकपा नेता ने पुलिस कार्रवाई को बताया 'राजनीति से प्रेरित'**

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिला के बारुईपुर में 11 साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की घटना के उपरांत एक व्यक्ति को पीट-पीटकर मार डालने के लिए भीड़ को उकसाने के आरोप में गिरफ्तार मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता लहेक अली की जमानत अर्जी खारिज करते हुए यहां की एक अदालत ने उन्हें सोमवार को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। अली की 14 दिन की पुलिस हिरासत की मांग करते हुए विशेष लोक अभियोजक बिभास चटर्जी ने अदालत को बताया कि उनके खिलाफ भड़काऊ बयान देने के शुरुआती सबूत हैं, जिनकी वजह से भीड़ ने एक व्यक्ति को पीट-पीटकर मार डाला और हिंसक गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें रेलवे की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा। अली की जमानत अर्जी खारिज करते हुए बारुईपुर अदालत के न्यायाधीश ने उन्हें आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। माकपा नेता के वकील ने उनके (अली के) लिए जमानत का अनुरोध करते हुए दावा किया कि आरोप मनगढ़ंत और राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं। इधर, माकपा नेता लाहेक अली ने सोमवार को पुलिस कार्रवाई को 'राजनीति से प्रेरित' बताया। बारुईपुर अदालत ले जाए जाने के दौरान अली ने संवाददाताओं से कहा कि मेरी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है और मैं हिंसा में शामिल नहीं था। अदालत ले जाते समय अली को हेलमेट पहने देखा गया।

राशन डीलर पर मंत्री का एक्शन, शिकायत के बाद गोदाम पर छापेमारी एवं डीलर गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के खाद्य मंत्री अशोक कीर्तनिया ने सोमवार को उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा के गुमा इलाके में एक राशन डीलर के गोदाम पर औचक निरीक्षण किया। उपभोक्ताओं से दुर्व्यवहार, राशन वितरण में अनियमितता और अन्य कथित अवैध गतिविधियों की शिकायत मिलने के बाद मंत्री ने मौके पर पहुंचकर जांच की। निरीक्षण के बाद उनकी शिकायत पर पुलिस ने राशन डीलर श्यामल साहा को गिरफ्तार कर लिया और गोदाम को सील कर दिया।

श्यामल साहा अशोकनगर विधानसभा क्षेत्र के गूमा इलाके में एक राशन दुकान चलाता है। उसके खिलाफ लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं। आरोप है कि वह कई लाभार्थियों को चार-पांच दिन ही नहीं, बल्कि कई मामलों में छह महीने तक राशन नहीं देता था और उनके राशन कार्ड भी अपने पास रखता था। मंत्री के सामने स्थानीय निवासी दीपा राय, गोपा मंडल सहित कई लोगों ने अपनी शिकायतें रखीं। उनका आरोप था कि डीलर का व्यवहार बेहद खराब है, वह लोगों से अभद्र भाषा में बात करता है, राशन नहीं देता और महीनों तक राशन कार्ड अपने पास रखकर लोगों को परेशान करता है। हालांकि, श्यामल साहा ने आरोपों से इनकार करते हुए

कहा कि वह नियमित रूप से राशन वितरित करता है।

मंत्री अशोक कीर्तनिया ने गोदाम में रखे खाद्यान्न और संबंधित दस्तावेजों की जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डीलर को फटकार लगाते हुए पूछा कि चार महीने पुराना राशन अभी तक गोदाम में क्यों पड़ा है और लाभार्थियों को समय पर राशन क्यों नहीं दिया जा रहा। मंत्री की फटकार के बाद श्यामल साहा ने कान पकड़कर उठक-बैठक की और माफी भी मांगी, लेकिन इससे उसे राहत नहीं मिली। मंत्री की शिकायत पर अशोकनगर थाना पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने राशन गोदाम को भी सील कर दिया।

रथयात्रा समितियों के साथ नवान्न से मुख्यमंत्री की वर्चुअल बैठक

हुगली : पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों की रथयात्रा समितियों के साथ नवान्न से वर्चुअल माध्यम के जरिए एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस बैठक के माध्यम से कोलकाता और विभिन्न जिलों की रथयात्रा समितियों को शुभकामनाएं देते हुए रथयात्रा का आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का आह्वान किया। इस बैठक में कोलकाता और हावड़ा को छोड़कर राज्य के विभिन्न जिलों की रथयात्रा समितियां वर्चुअल रूप से शामिल हुईं। हुगली जिले से तीन समितियां इस बैठक में शामिल थीं माहेश रथयात्रा समिति, बलागढ़-गुप्तीपाड़ा रथयात्रा समिति और चंदननगर रथ संचालन समिति। राज्य सरकार की ओर से इन तीनों समितियों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर हुगली के जिलाधिकारी खुर्शीद अली कादरी और चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट सुनील कुमार यादव ने तीनों समितियों को प्रतीकात्मक चेक सौंपे। जिलाधिकारी ने रथयात्रा समितियों से अपील की कि वे आयोजन को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराएं। साथ ही प्रशासन की ओर से आवश्यक पुलिस सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया गया।

मंत्री उमेश राय ने राज्य में पुजारियों के मानदेय बहाल करने का दिया आश्वसन

मंत्री ने महाकाल मंदिर में की पूजा-अर्चना

उज्जैन/कोलकाता : राज्य में मंदिरों के पुजारियों के मानदेय को लेकर चल रहे विवाद के बीच राज्यमंत्री उमेश राय ने सोमवार को महाकाल मंदिर के पुजारियों से मुलाकात की। इस दौरान पुजारियों के मानदेय को बहाल करने की मांग रखी गई। उन्होंने पुजारियों को भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से बातचीत कर पुजारियों का मानदेय बहाल किया जाएगा। महाकाल मंदिर के पुजारी महेश शर्मा ने बताया कि मंत्री उमेश राय ने मुख्यमंत्री से इस विषय पर चर्चा कर उचित समाधान निकालने और पुजारियों की व्यवस्थाओं को मजबूत करने का आश्वासन दिया है। उन्होने कहा कि पश्चिम बंगाल में वर्तमान सरकार को वे सनातन धर्म के प्रति आस्था रखने वाली सरकार मानते हैं। महेश शर्मा ने बताया कि भगवान महाकाल की कृपा से राज्यमंत्री उमेश राय महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे। इस अवसर पर पुजारी महासंघ ने अपने आश्रम में उनका स्वागत किया और पश्चिम बंगाल में पुजारियों का वेतन बंद किए जाने के मुद्दे को विस्तार से उनके सामने रखा। पुजारी ने आगे कहा कि उमेश राय ने महाकाल मंदिर परिसर में आश्वासन दिया कि पश्चिम बंगाल लौटने के बाद वे इस विषय पर मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुजारियों के मानदेय और उनकी व्यवस्थाओं को बेहतर एवं सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार स्तर पर सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे और इस दिशा में एक उपयुक्त योजना तैयार करने पर विचार किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के मदरसा टीचरों और स्टाफ को रेगुलर करने की याचिका की खारिज

नई दिल्ली/कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राज्य के मान्यता प्राप्त मदरसों के टीचरों और नॉन-टीचिंग कर्मचारियों की कई याचिकाओं को खारिज कर दिया। बता दें कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2023 में बनाई गई एक कमेटी द्वारा राज्य सरकार की ग्रांट-इन-एड स्कीम के तहत रेगुलर अपॉइंटमेंट और पेमेंट देने से मना करने को चुनौती दी थी। यह फैसला जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने सुनाया। यह मामला 300 से ज़्यादा लोगों की 40 से ज़्यादा रिट पिटीशन से जुड़ा था, जिनमें दावा किया गया था कि उन्हें राज्य के अलग-अलग मदरसों में टीचर या नॉन-टीचिंग स्टाफ के तौर पर नियुक्त किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने देखा कि पहले के ऑर्डर के हिसाब से उसने 300 से ज़्यादा प्रभावित पिटीशनर में से 13 की डिटेल्स की जांच की थी, ताकि यह देखा जा सके कि उनमें से किसी ने राहत देने का मामला बनाया है या नहीं। बेंच ने कहा कि वह इस आधार पर आगे बढ़ी कि अगर इन 13 पिटीशनर में से कोई भी उसे अपने पक्ष में फैसला सुनाने के लिए मना लेता है, तो वह बाकी मामलों की भी जांच करेगी। बेंच ने सभी पिटीशन खारिज करते हुए कहा कि बदकिस्मती से 13 में से कोई भी पिटीशनर हमें प्रभावित नहीं कर सका। बेंच ने साफ किया कि उसने न सिर्फ उन सभी 13 पिटीशनर्स के क्लेम खारिज कर दिए जिनके केस की स्क्रूटनी की गई थी, बल्कि बाकी सभी पिटीशनर्स के क्लेम भी खारिज कर दिए। बेंच ने कहा कि सभी रिट पिटीशन्स में कोई दम नहीं है और इसलिए उन्हें खारिज किया जाता है।

ममता ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र, बागी गुट को और समय नहीं देने की मांग की

कोलकाता, समाज्ञा : 'असली' तृणमूल कांग्रेस को लेकर जारी विवाद के बीच पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी को और समय नहीं देने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद भी आयोग की चुप्पी से बागी गुट को अनावश्यक राहत मिल रही है। बता दें कि ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने दो जुलाई को चुनाव आयोग में याचिका दायर कर स्वयं को 'असली' तृणमूल कांग्रेस बताया था। साथ ही, 22 जून को हुई विशेष बैठक में किए गए संगठनात्मक बदलावों को मान्यता देने की मांग की थी। इसके बाद, चुनाव आयोग ने दोनों पक्षों को 6 जुलाई शाम 5.30 बजे तक जवाब दाखिल करने को कहा था। ममता

गुट ने समय सीमा के भीतर जवाब दे दिया, जबकि बागी गुट को 10 जुलाई शाम 5.30 बजे तक अतिरिक्त समय दिया गया।

12 जुलाई को लिखे पत्र में ममता ने कहा कि विस्तारित समय सीमा समाप्त होने के दो दिन बाद भी उन्हें बागी गुट की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। उनका कहना है कि आयोग के निर्देश के अनुसार दोनों पक्षों को अपने-अपने जवाब की प्रति एक-दूसरे को उपलब्ध करानी थी। ऐसे में यदि उन्हें कोई प्रति नहीं मिली है, तो यह माना जा सकता है कि आयोग को भी निर्धारित अवधि के भीतर जवाब प्राप्त नहीं हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उनके गुट को जवाब दाखिल करने के लिए केवल ढाई कार्य दिवस मिले, जबकि ऋतब्रत बनर्जी के गुट को अतिरिक्त समय दिया गया। उन्होंने कहा कि 10 जुलाई के बाद भी आयोग की चुप्पी यह संकेत देती है कि बागी गुट को और अवसर दिया जा रहा है। ममता गुट ने अपने जवाब में बागी गुट के दावे को पूरी तरह खारिज किया है। पार्टी का कहना है कि संविधान के अनुसार 2022 में गठित संगठनात्मक समितियां 2027 तक वैध हैं। इसलिए 2025 में समितियों के समाप्त होने का दावा तथ्यात्मक और कानूनी दोनों दृष्टि से आधारहीन है।

बाली में जुए के अड्डे पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आठ गिरफ्तार; करीब दो लाख रुपये नकद जब्त

हावड़ा, समाज्ञा : जुआ, गांजा और अन्य समाज विरोधी गतिविधियों के खिलाफ राज्य सरकार के निर्देश पर पुलिस की ओर से चलाए जा रहे अभियान के तहत हावड़ा के बाली थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। बिनय-बादल-दिनेश नगर इलाके में रविवार देर रात पुलिस ने एक जुए के अड्डे पर छापेमारी कर आठ लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से करीब दो लाख रुपये नकद के अलावा जुआ खेलने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी बरामद की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, इलाके में लंबे समय से अवैध रूप से जुए का अड्डा चलने की शिकायतें मिल रही थीं। स्थानीय लोगों का आरोप था कि इस गतिविधि के कारण क्षेत्र में असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ़ रही थी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर बाली थाना की पुलिस ने रविवार रात विशेष अभियान चलाते हुए उक्त स्थान पर छापेमारी की। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पहले भी जुए के अड्डे संचालन और अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस अवैध गतिविधि के पीछे और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। सोमवार को सभी आठ आरोपियों को हावड़ा अदालत में पेश किया गया। जांच अधिकारी अदालत से आरोपियों की पुलिस हिरासत की मांग करेंगे। इसके साथ ही पुलिस इलाके में संचालित अन्य अवैध जुए के अड्डों की भी जांच कर रही है।

अष्टलक्ष्मी परशुराम फाउंडेशन ने मेधावी प्रतिभाओं का किया सम्मान

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में अष्टलक्ष्मी परशुराम फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को ब्रह्मोत्सव का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। समारोह में ब्राह्मण समाज के 160 से अधिक मेधावी प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। सम्मान के रूप में सभी को 11,000 हजार तथा 5,100 रुपए का चेक, प्रशस्ति पत्र तथा मेडल दिए गए। इसके अलावा, इस मौके पर समाज की अनेक विभूतियों का अष्टलक्ष्मी वैभव कलश से सम्मान किया गया। पूज्य महंत स्वामी अवधेशाचार्य महाराज (लोहर्गल धाम, झुंझुनू) के पावन सान्निध्य में आयोजित गरिमामय समारोह में अष्टलक्ष्मी परशुराम फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक रतन शर्मा, राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, स्थानीय भाजपा नेता तथा विधायक डॉ राजेश सुरोलिया, वरिष्ठ समाज सेवी दिनेश जोशी, सर्व ब्राह्मण समाज के प्रमुख सुरेश मिश्रा सहित कोलकाता की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थी। मंच संचालन चन्द्र प्रकाश शर्मा ने की।

तारकेश्वर से पश्चिम बंगाल के विभिन्न महत्वपूर्ण शहरों और दर्शनीय स्थलों के लिए 5 सरकारी बस सेवाओं का शुभारंभ

हुगली : दक्षिण बंग राज्य परिवहन निगम और पश्चिम बंगाल सरकार की संयुक्त पहल पर, तारकेश्वर के विधायक संतु पान के विशेष प्रयास से तीर्थ स्थल तारकेश्वर से पांच नई सरकारी बस सेवाओं का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर दीप्तिमान सिन्हा तथा असिस्टेंट ट्रैफिक मैनेजर सोमनाथ घोष उपस्थित रहे। तारकेश्वर नए बस स्टैंड से बर्द्धमान, बांकुड़ा, खड़गपुर, दीघा और कोलकाता के लिए यह बस सेवाएं शुरू हुई है। विधायक संतु पान ने हरी झंडी दिखाकर बस सेवाओं का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में राज्य भाजपा ने घोषणा की थी कि सत्ता में आने के बाद सरकारी बसों में महिलाओं के लिए पूरी तरह निःशुल्क यात्रा की सुविधा शुरू की जाएगी। सरकार बनने के बाद 1 जून से पूरे राज्य में महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की व्यवस्था लागू कर दी गई। तारकेश्वर में अब तक सरकारी बस सेवा उपलब्ध न होने के कारण यहां की महिलाएं इस सुविधा से वंचित थीं। अब तारकेश्वर से राज्य के पांच महत्वपूर्ण गंतव्यों के लिए सरकारी बस सेवा शुरू होने से महिलाओं में खुशी का माहौल है। विशेष रूप से तारकेश्वर-दीघा सरकारी बस सेवा को लेकर वे काफी उत्साहित हैं। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और तारकेश्वर के विधायक संतु पान का आभार व्यक्त किया। विधायक संतु पान ने बताया कि भविष्य में इस बस सेवा का और विस्तार किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी श्रावणी मेले के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 50 से अधिक अतिरिक्त बस सेवाएं भी चलाई जाएंगी।

शिवपुर चौड़ा बस्ती में माकपा का रक्तदान शिविर

हावड़ा : माकपा की दक्षिण-पूर्व हावड़ा एरिया कमेटी के अंतर्गत चौड़ा बस्ती शाखा की ओर से दिवंगत कामरेड अब्दुल खालिक, अबू साहिब, मोहम्मद असलम अंसारी, सागीर अहमद खान और नजमा खातून की स्मृति में हावड़ा के वार्ड संख्या 36 स्थित पार्टी कार्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन माकपा हावड़ा जिला कमेटी के सदस्य शैलेंद्र कुमार राय ने किया। माकपा हावड़ा जिला सचिव दिलीप घोष ने अपना वक्तव्य रखा। शिविर में माकपा हावड़ा जिला सचिव दिलीप घोष, जिला कमेटी सदस्य शैलेंद्र कुमार राय, इम्तियाज अहमद, सुब्रत चक्रवर्ती, पूर्व विधायक के. के. राय, सीटू नेता दीपक दास गुप्ता, पूर्व पार्षद मोहम्मद नसीरुद्दीन, शाखा सचिव कलीमुद्दीन शम्स, प्रणव चटर्जी, कृष्णा चटर्जी सहित अन्य नेता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। शिविर में कुल 39 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

बंगाल में औद्योगिक विकास की अपार सम्भावनाएं : केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल

❑ **गारमेंट बायर्स एंड सेलर्स मीट और बी2बी एक्सपो के दूसरे दिन व्यवसायियों में दिखा जबरदस्त उत्साह**

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार गठित होने के बाद राज्य में औद्योगिक विकास की अपार सम्भावनाएं बन रही हैं। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने दो महीनों में ही यहां का माहौल बदल दिया है। यह राज्य प्राकृतिक सम्पदाओं से सम्पन्न है और सभी सेक्टर में यहां अपार निवेश की प्रबल सम्भावनाएं दिख रही हैं। बंगाल के गारमेंट उद्योग का अतीत गौरवशाली रहा, लेकिन पिछली सरकारों की नकारात्मक औद्योगिक पॉलिसी के कारण यहां नए रोजगारों का सृजन होने की बजाय कल-कारखानों का पलायन हुआ। अब नयी औद्योगिक क्रान्ति का सुनहरा भविष्य इस राज्य में सम्भावित है। ये बातें केंद्रीय विधिव न्याय मंत्री तथा बीकानेर

के जनप्रिय सांसद अर्जुनराम मेघवाल ने वेस्ट बंगाल गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन द्वारा साइंस सिटी में आयोजित 60वें गारमेंट बायर्स एंड सेलर्स मीट और बीटूबी एक्सपो के दूसरे दिन आयोजित समारोह में कही।

राज्य के एमएसएमई तथा टेक्सटाइल मामलों के कैबिनेट मंत्री दीपक बर्मन ने भी कहा कि गारमेंट इण्डस्ट्री का इस राज्य में भविष्य सुनहरा है। सभी सेक्टरों में मध्यम व बड़े स्तर के नए प्लांट स्थापित करने के लिए देश भर से निवेशक आ रहे हैं। उन्होंनें एसोसिएशन की मांग पर कहा कि गारमेंट हब बनाने की दिशा में राज्य सरकार अवश्य ही विचार करेगी।

इस अवसर पर विधायक त्रय डॉ. राजेश कुमार, दिलीप सिंह, विजय ओझा ने भी अपने विचार रखे। पूर्व उपमेयर तथा वरिष्ठ पार्षद मीना देवी पुरोहित, रामकिशन राठी, भाजपा के प्रदेश सहकोषाध्यक्ष विद्यासागर मंत्री, समाजसेवी सुशील ओझा, जगदीश प्रसाद मूंधड़ा, राकेश जैन, सूर्य प्रकाश बैद, अरूण सोमानी, राजकुमार बोथरा तथा सपन साहा अतिथि बतौर उप-स्थित थे।

एसोसिएशन के अध्यक्ष हरि किशन राठी ने स्वागत सम्बोधन में बताया कि गारमेंट उण्डस्ट्री को नयी सरकार से काफी उम्मीदें हैं। राज्य सरकार गारमेंट हब के लिए जमीन उपलब्ध करवाए तो हजारों करोड़ का निवेश तथा 50 हजार लोगों के रोजगार का सीधा सृजन होगा। एसोसिएशन के मंत्री देवेन्द्र बैद ने कहा कि तीन दिनों के इस गारमेंट एक्सपो में इस बार कारोबार के पिछले सभी रिकार्ड टूटेंगे तथा लगभग 1600 करोड़ से अधिक का बिजनेस होगा।

तीन दिवसीय इस मेगा एक्सपो में 1,000 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड एक साथ आए हैं, जो पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए रेडीमेड कपड़ों के नवीनतम संग्रह का प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारी विजय करिवाला, प्रदीप मुरारका, देवेंद्र बैद, कन्हैयालाल लाखोटिया, चांदमल लढा, हरिप्रसाद शर्मा, मनीष अग्रवाल, अमरचन्द दुगड़, प्रेम सिंहल, आशीष झंवर, विक्रम बैद, मोहित दुगड़, राजेश मूंधड़ा, कमलेश केडिया, किंकर सेनापति, तरुण कुमार झाझरिया, मनीष राठी, कमलेश केडिया, किशोर कुमार गुलगुलिया, सौरव चांडक, साकेत खंडेलवाल, संदीप राजा, भुवन अरोड़ा, सज्जन शर्मा, अशोक अग्रवाल, मयंक चौधरी सहित सभी पदाधिकारी व सदस्य सक्रिय थे। एक्सपो का समापन 14 जुलाई को होगा। समारोह का मंच संचालन प्रकाश चण्डालिया ने किया।

शिव शक्ति समिति के राम कथा के दूसरे दिन लगा भक्तों का तांता

कोलकाता, समाज्ञा

शिव शक्ति समिति द्वारा आयोजित राम कथा के दूसरे दिन भक्तों का तांता लगा रहा। अयोध्या धाम से पधारे कथा वाचक बलराम दास गीत संगीत के साथ प्रभु राम की कथा कर रहे हैं। नारायण मंदिर धाम उत्-तरपारा माखला संस्था के अध्यक्ष दारा सिंह ने सभी का अभिवादन किया। संस्था के संयोजक पार्षद कामाख्या नारायण सिंह ने आए हुए अतिथियों का और भक्तों का स्वागत किया। विनोद दुबे, मंटू शर्मा, शेखर शर्मा, रमेश सिंह, नंदलाल शर्मा, राजकुमार सिंह, शशि सिंह, अशोक शर्मा, सोनू पांडे, विनय पांडे, सुशील शर्मा, टोनी सिंह, कमलेश सिंह समेत अन्य सक्रिय भूमिका निभा रहे है।

अंतर्राष्ट्रीय जावा-येज्दी दिवस का 24वां संस्करण संपन्न, भारत में 7,500 से अधिक राइडर्स ने लिया हिस्सा

कोलकाता, समाज्ञा : अंतर्राष्ट्रीय जावा-येज्दी दिवस का 24वां संस्करण 12 जुलाई 2026 को उत्साह के साथ मनाया गया। हर वर्ष जुलाई के दूसरे रविवार को आयोजित होने वाले इस उत्सव में इस बार भारत के 150 से अधिक शहरों के 7,500 से ज्यादा राइडर्स और 40 से अधिक जावा-येज्दी राइडर कम्युनिटीज ने भाग लिया। इसके अलावा 11 देशों के राइडर्स ने भी स्थानीय राइड्स, सामुदायिक कार्यक्रमों और डिजिटल माध्यमों से इस वैश्विक उत्सव में सहभागिता की। क्लासिक लेजेंड्स के सह-संस्थापक अनुपम थरेजा ने कहा कि 24 साल पहले राइडर्स के जुनून से शुरू हुआ यह आयोजन आज सीमाओं और पीढ़ियों से आगे बढ़कर एक वैश्विक परंपरा बन चुका है।

बिहार : कोचिंग संस्थान गोलीबारी मामले में खान सर को अग्रिम जमानत

पटना: पटना की एक अदालत ने कोचिंग संस्थान में गोलीबारी के मामले में खान सर के नाम से मशहूर शिक्षक फैजल खान और संस्थान के तीन कर्मचारियों को सोमवार को अग्रिम जमानत दे दी । खान सर के अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। यह मामला जून की शुरुआत में हुई उस गोलीबारी की घटना से जुड़ा है, जब खान सर के कोचिंग संस्थान में कथित तौर पर कुछ असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की थी। इस दौरान उनके दो सुरक्षा गार्डों पर गोली चलाने का आरोप लगा था। खान सर के अधिवक्ता अरविंद कुमार मौर ने संवाददाताओं से कहा, कुल छह लोगों को जमानत मिली है। न्यायाधीश ने पहले खान सर की अग्रिम जमानत मंजूर की, इसके बाद उनके तीन स्टाफ सदस्यों को भी अग्रिम जमानत दी गई।

हापुड़ में सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

हापुड़ (उप्र): हापुड़ जिले में सोमवार को दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मोटरसाइकिल के डिवाइडर और खंभे से टकरा जाने से एक व्यक्ति और उसकी तीन संतानों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में एक ही मोटरसाइकिल पर पांच लोग सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और वाहन पहले डिवाइडर से टकराया, फिर राजमार्ग के किनारे लगे लोहे के खंभे से जा भिड़ा। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि हादसे में हसनपुर निवासी अशोक (45) और बेटी राधिका (चार) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी मीनाक्षी (आठ), बेटे अनुज (14) और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए।

बिहार: आचार संहिता उल्लंघन के सात साल पुराने मामले में कन्हैया कुमार को जमानत

बेगूसराय: बिहार के बेगूसराय जिले की सांसद-विधायक (एमपी-एमएलए) अदालत ने कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के सात साल पुराने एक मामले में सोमवार को जमानत दे दी। यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान दर्ज किया गया था, जब कन्हैया कुमार भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के टिकट पर बेगूसराय लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे थे। विशेष न्यायाधीश विवेक चंद्र वर्मा ने कन्हैया कुमार की जमानत याचिका स्वीकार करते हुए उनके आत्मसमर्पण के बाद 10-10 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दे दी।

उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बन चुका है : योगी

राजनाथ, गडकरी व योगी ने 4,850 करोड़ की तीन परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बन चुका है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्य में 50,000-60,000 करोड़ रुपये की सड़क अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें उत्तर-दक्षिण संपर्क को मजबूत करने वाली योजनाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने 4,850 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 'आज गडकरी जी ने 50,000-60,000 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल, गंगा, बुंदेलखंड, आगरा-लखनऊ और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के माध्यम से पहले से ही बेहतर पूर्व-पश्चिम संपर्क है, लेकिन अब उत्तर-दक्षिण संपर्क को मजबूत करने के लिए नए क्षेत्रों की पहचान की गई है।'' आदित्यनाथ ने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने पांच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के लिए बाईपास और प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय को चार लेन सड़क से जोड़ने की योजनाओं को भी मंजूरी दी है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आभार जताते हुए कहा कि इन मंजूरियों से उत्तर प्रदेश का सड़क नेटवर्क और मजबूत होगा तथा आर्थिक विकास को और गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में उत्तर प्रदेश में उल्लेखनीय बदलाव आया है। उन्होंने कहा, 'दस वर्ष पहले उत्तर प्रदेश पहचान के संकट से जूझ रहा था। न तो कोई नीति थी और न ही दिशा। प्रदेश दंगों और माफिया राज के लिए जाना जाता था तथा बीमारू राज्यों में गिना जाता था।' योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बन चुका है।

अगले दो वर्षों में उप्र में पांच लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएं पूरी होंगी : गडकरी

लखनऊ: केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि अगले दो वर्षों में उत्तर प्रदेश में पांच लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएं पूरी की जाएंगी। उन्होंने राज्य के लिए 50,000-60,000 करोड़ रुपये की नयी सड़क परियोजनाओं की भी घोषणा की। गडकरी ने 4,850 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आश्वस्त करता हूं कि आज अधिकारियों के साथ हुई बैठक में जिन 50,000-60,000 करोड़ रुपये की नयी परियोजनाओं पर चर्चा हुई, उन्हें मंजूरी दे दी गई है। इसके अलावा अगले दो वर्षों में उत्तर प्रदेश में पांच लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएं पूरी कर ली जाएंगी।'

गडकरी ने लखनऊ में 23 किलोमीटर लंबे 'एलिवेटेड' मार्ग की स्वीकृति दी : राजनाथ सिंह

लखनऊ: रक्षा मंत्री एवं लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि केन्द्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश की राजधानी में शहीद पथ पर 23 किलोमीटर लंबे 'एलिवेटेड' मार्ग की स्वीकृत दे दी है। उन्होंने प्रोटोकॉल बदलकर पहले खुद भाषण दिया और तर्क दिया कि वह पहले इसलिए बोल रहे हैं, ताकि नितिन गडकरी से कुछ मांग सकें। सिंह, गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में आयोजित समारोह में उन्नाव में 4,850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा, ''आज सबसे बड़ा काम यह हुआ कि कानपुर से लखनऊ तक राजमार्ग की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई। मैं इसके लिए नितिन गडकरी का आभार प्रकट करूंगा।'' उन्होंने गडकरी से कहा, 'मैं इसीलिए (संबोधन के लिए) पहले खड़ा हुआ कि आपसे कुछ मांग सकूं।'

एसएमएस अस्पताल ने दो हजार से अधिक मिनिमल इनवेसिव कार्डियक सर्जरी कर बनाया नया कीर्तिमान

जयपुर: राजस्थान में जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के कार्डियो थोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग ने दो हजार से अधिक मिनिमल इनवेसिव कार्डियक सर्जरी (एमआईसीएस) सफलतापूर्वक पूरी कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अस्पताल प्रशासन ने सोमवार को यह जानकारी दी। चिकित्सकों का दावा है कि यह उपलब्धि हासिल करने वाला एसएमएस अस्पताल देश का पहला सरकारी अस्पताल बन गया है। सीटीवीएस विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल शर्मा ने बताया कि वर्ष 2011-12 में शुरू की गई एमआईसीएस तकनीक के माध्यम से अब तक हार्ट वाल्व रिप्लेसमेंट, बायपास सर्जरी और जन्मजात हृदय रोगों के सफल ऑपरेशन किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस तकनीक में छाती की हड्डी काटे बिना केवल दो से तीन इंच का छोटा चीरा लगाया जाता है, जबकि पारंपरिक ओपन हार्ट सर्जरी में सात से आठ इंच का चीरा लगाकर छाती की हड्डी काटनी पड़ती है। इससे मरीज को कम दर्द, कम रक्तस्राव और शीघ्र स्वस्थ होने का लाभ मिलता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि इस तकनीक में संक्रमण का खतरा भी कम रहता है। मरीज दो से तीन दिन में चलने-फिरने लगता है और चार से पांच दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है, जबकि पारंपरिक ओपन हार्ट सर्जरी में सामान्यतः 10 से 12 दिन अस्पताल में रहना पड़ता है।

न्यूज अपडेट

ज्ञानवापी,कृष्ण जन्मभूमि,संभल मस्जिद विवाद में पक्षकारों ने न्यायालय की मध्यस्थता संबंधी पहल ठुकराई

वाराणसी/मथुरा/संभल: उत्तर प्रदेश में तीन प्रमुख धार्मिक स्थल से जुड़े विवादों का अदालत के बाहर समाधान तलाशने के प्रयास जोर पकड़ने में विफल रहे हैं। ज्ञानवापी, श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह और शाही जामा मस्जिद मामलों में पक्षकार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि मामलों का फैसला अदालतों द्वारा किया जाए। उच्चतम न्यायालय ने 21, 22 और 23 अगस्त को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत से पहले मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान को प्रोत्साहित करने के लिए 'देश भर में मध्यस्थता और विवादों के सामंजस्यपूर्ण समाधान के लिए उच्चतम न्यायालय का एक्शन' (समाधान समारोह) शुरू किया है। इस पहल के हिस्से के तहत कई लंबित मामलों में पक्षकारों को सौहार्दपूर्ण समाधान की संभावना तलाशने के लिए कहा गया है। ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने संभावित समाधान तलाशने के लिए दोनों पक्षों को 14 जुलाई को वाराणसी अदालत के मध्यस्थता केंद्र के सामने पेश होने के लिए कहा था। हालांकि, यादव ने कहा कि हिंदू पक्ष चाहता है कि विवाद का फैसला कानूनी आधार पर ही हो। उन्होंने कहा, ''हमने फैसला किया है कि मंदिर हमारा है और मुस्लिम पक्ष अतिक्रमणकारी है। मस्जिद पक्ष को परिसर खाली कर देना चाहिए ताकि मूल ज्योतिर्लिंग स्थल पर एक भव्य काशी विश्वनाथ मंदिर बनाया जा सके।'' अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी के सचिव मोहम्मद यासीन ने कहा कि देश भर में इसी तरह के हजारों विवाद लंबित हैं और संदेह है कि क्या मध्यस्थता से कोई समाधान निकलेगा। उन्होंने कहा कि समिति अभी इस पर विचार कर रही है कि मध्यस्थता प्रक्रिया में भाग लिया जाए या नहीं। वाराणसी में ज्ञानवापी का मामला दीवानी अदालत में चल रहा है, जिसमें काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के धार्मिक दर्जे को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं।

महिला सशक्तीकरण भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है : मदन राठौड़

जयपुर: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सोमवार को कहा कि पार्टी ने हमेशा महिला सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा भाजपा सरकारों की आलोचना पर पलटवार करते हुए यह बात कही। राठौड़ की यह प्रतिक्रिया गहलोत के उस आरोप के बाद आई है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा था कि भाजपा का 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' (डीबीटी) मॉडल चुनावों से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए 'डायरेक्ट वोट ट्रांसफर' मॉडल में बदल गया है। गहलोत के आरोपों का जवाब देते हुए राठौड़ ने एक बयान में कहा, 'अशोक गहलोत बिना तथ्यों के बयान देकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा महिला सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।' उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकारें केवल घोषणाएं नहीं करतीं, बल्कि महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तीकरण के लिए ठोस योजनाएं लागू करती हैं। राठौड़ ने कहा, 'भाजपा छल-कपट की राजनीति नहीं करती। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जनकल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यों की उपेक्षा की गई।' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार महिलाओं के उत्थान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है।

जयपुर के 253 प्रमुख चौराहों पर लागू होगी एआई आधारित स्मार्ट यातायात प्रणाली

जयपुर: राजस्थान की राजधानी जयपुर का यातायात प्रबंधन जल्द ही पारंपरिक 'फिक्स टाइमर' प्रणाली के बजाय पूरी तरह कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित तकनीक से संचालित होगा। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रामबाग सर्किल पर 39 दिनों तक किए गए परीक्षण के शत-प्रतिशत सफल रहने के बाद इस प्रणाली का विस्तार किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, इस सफलता के बाद शहर के 423 चौराहों में से 253 प्रमुख चौराहों को एआई आधारित स्मार्ट कैमरों और इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) से जोड़ा जाएगा। जयपुर यातायात पुलिस ने डेटा कोर इन्फोटेक के सहयोग से इस परियोजना का परीक्षण किया। कंपनी के निदेशक बसंत गोस्वामी और ओजस शुक्ला ने बताया कि वर्तमान व्यवस्था में ट्रैफिक सिग्नलों पर लाल और हरी बत्ती का समय पहले से निर्धारित रहता है, चाहे किसी सड़क पर यातायात का दबाव कम हो और दूसरी ओर लंबा जाम लगा हो।

बांकीपुर उपचुनाव : प्रशांत किशोर और भाजपा के नीरज कुमार सिन्हा ने नामांकन दाखिल किया

पटना: जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा ने बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बांकीपुर सीट से विधायक थे, लेकिन राज्यसभा के लिये चुने जाने के बाद उनके इस्तीफे की वजह से यह सीट रिक्त हुई थी, जिसके कारण इस सीट पर उपचुनाव की जरूरत पड़ी। पूर्व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने अपनी पत्नी जाह्नवी दास की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया। असम की रहने वाली और पेशे से चिकित्सक जाह्नवी दास आमतौर पर सार्वजनिक जीवन से दूर रहती हैं, लेकिन इस मौके पर वह उनके साथ रहीं। प्रशांत किशोर नामांकन दाखिल करने के लिए एक विशाल जुलूस के साथ समाहरणालय पहुंचे। यह जुलूस समाहरणालय से लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित भीड़भाड़ वाले डाकबंगला चौराहे से शुरू हुआ था। वहीं, भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पटना साहिब से सांसद रविशंकर प्रसाद तथा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी मौजूद थे। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के बत्तीस वर्षीय नेता नीरज कुमार सिन्हा को भाजपा ने अभिषेक कुमार 'बंटी' के नाम वापस लेने के बाद उम्मीदवार बनाया। अभिषेक कुमार 'बंटी' ने पिछले सप्ताह नामांकन पत्र दाखिल किया था, लेकिन बाद में पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी। बांकीपुर सीट पर 30 जुलाई को मतदान होगा और तीन अगस्त को मतगणना होगी। नामांकन दाखिल करने के बाद प्रशांत किशोर ने संवाददाताओं से कहा, 'यह सिर्फ मेरा नामांकन नहीं है, बल्कि बिहार में राजनीतिक बदलाव का आह्वान है, जहां आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को अपनी कुर्सी छोड़नी चाहिए।'

प्रशांत किशोर ने 96 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की

पटना: जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के पास 96.06 करोड़ रुपये से अधिक की चल और अचल संपत्ति है। निर्वाचन अधिकारी के समक्ष दाखिल शपथपत्र के अनुसार, प्रशांत किशोर के पास 22.19 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 73.87 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। किशोर ने 30 जुलाई को होने वाले बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को नामांकन दाखिल किया। जन सुराज के संस्थापक के शपथपत्र के मुताबिक, उनकी पत्नी के पास 89.51 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 12.42 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। शपथपत्र के अनुसार, किशोर के पास 65,570 रुपये नकद हैं, जबकि उनकी पत्नी के पास 1,95,200 रुपये नकद हैं। शपथपत्र में यह भी बताया गया है कि प्रशांत किशोर की एक निजी कंपनी में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

समाज्ञा धर्म-अध्यात्म

800 बरसों की अटूट परंपरा, इतिहास और विट्ठल-पुंडलिक की अनूठी अमर कथा

हिंदू सनातन धर्म में 'वारकरी संप्रदाय का कुंभ' कही जाने वाली पंढरपुर वारी (दिंडी यात्रा) महज एक पैदल यात्रा नहीं है। यह भगवान विठोबा (श्रीकृष्ण का स्वरूप) के प्रति अटूट प्रेम, समानता और असीम श्रद्धा का महासागर है। हर साल देवशयनी (आषाढ़ी) एकादशी के पावन अवसर पर लाखों भक्त भगवान विट्ठल की महापूजा और दर्शन के लिए इस पावन नगरी में एकत्रित होते हैं। आइए, इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक यात्रा के संपूर्ण स्वरूप को विस्तार से जानते हैं।

1. वर्ष 2026 का यात्रा कार्यक्रम (भक्ति मार्ग)

यह एक अत्यंत अनुशासित 21 दिवसीय पैदल यात्रा होती है, जो महाराष्ट्र के विभिन्न कोनों से प्रारंभ होकर आषाढ़ी एकादशी पर पंढरपुर में संपन्न होती है। वर्ष 2026 का पूरा शेड्यूल इस प्रकार है।

7 जुलाई (देहू से प्रस्थान): संत तुकाराम महाराज की पावन पालकी ने देहू गांव से अपनी यात्रा शुरू की।

8 जुलाई (आलंदी से प्रस्थान): ज्ञान और भक्ति के प्रतीक संत ज्ञानेश्वर महाराज की पालकी आलंदी से रवाना हुई।

23 जुलाई (वाखरी मिलन): अलग-अलग मार्गों से आ रही ये दोनों मुख्य पालकियां वाखरी नामक स्थान पर एक-दूसरे से मिलेंगी।

24 जुलाई (पंढरपुर आगमन): लाखों वारकरियों का यह विशाल समूह भगवान विठोबा की पावन नगरी में प्रवेश करेगा।

25 जुलाई (आषाढ़ी एकादशी महासंगम): चंद्रभागा नदी के तट पर पवित्र स्नान और विट्ठल दर्शन के साथ इस 21 दिनों की यात्रा का समापन होगा।

2. वारी क्यों निकाली जाती है? (आध्यात्मिक एवं सामाजिक महत्व)

मोक्ष और आशीर्वाद: वारकरी संप्रदाय में मान्यता है कि इस कठिन पैदल यात्रा (जिसे 'वारी देना' कहते हैं) को करने से मनुष्य को मोक्ष और भगवान विठोबा की विशेष कृपा मिलती है।

सामाजिक समरसता का पर्व: इस यात्रा का मूल मंत्र 'भक्ति, समानता और बंधुत्व' है। यहाँ जाति, धर्म या सामाजिक ऊंच-नीच का कोई भेद नहीं होता। अमीर-गरीब सब एक समान होकर कंधे पर भगवा ध्वज, गले में तुलसी की माला और हाथों में मंजीरे लिए कदम बढ़ाते हैं।

जीवंत भक्ति संगीत: पूरी यात्रा के दौरान भक्त अपने प्रिय संतों के पदचिह्नों पर चलते हुए उनके रचित 'अभंग' (भक्ति गीत) और 'जय जय राम कृष्ण हरि' का निरंतर जयघोष करते हैं, जिससे मार्ग की पूरी थकान पल भर में गायब हो जाती है।

3. वारी का गौरवशाली इतिहास

800 वर्षों की परंपरा: इस महान परंपरा की शुरुआत 13वीं शताब्दी में संत ज्ञानेश्वर महाराज ने की थी, जिन्होंने आलंदी से पंढरपुर तक पहली पैदल यात्रा की थी।

परंपरा का विस्तार: बाद में संत तुकाराम महाराज ने देहू से अपनी पालकी यात्रा शुरू कर इस भक्ति मार्ग को और सुदृढ़ किया। इन संत-कवियों ने अपने सरल अभंगों के माध्यम से भगवान के प्रति प्रेम को राजमहलों से निकालकर आम जनता की धड़कन बना दिया।

मूल रूप से 'पालकी परंपरा' को आधुनिक और सुव्यवस्थित रूप देने का श्रेय संत तुकाराम जी के सबसे छोटे पुत्र नारायण महाराज को जाता है, जिन्होंने 1685 में दोनों संतों की पादुकाओं को पालकी में ले जाने की शुरुआत की थी।

सांस्कृतिक धरोहर: आज यह यात्रा महाराष्ट्र की लोक-कला, आध्यात्मिकता और सामाजिक ताने-बाने का सबसे मजबूत हिस्सा बन चुकी है।

4. विठोबा मंदिर: इतिहास और स्थापत्य

भौगोलिक स्थिति: यह पावन मंदिर पश्चिमी भारत के दक्षिणी महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में, भीमा नदी के तट पर स्थित है।

स्थापना और निर्माण: पंढरपुर तीर्थ की स्थापना 11वीं शताब्दी में हुई थी, जबकि इसके मुख्य मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में देवगिरि के यादव शासकों द्वारा कराया गया था।

चंद्रभागा नदी का रहस्य: यहाँ भीमा नदी का आकार अर्धचंद्र जैसा होने के कारण इसे 'चंद्रभागा' कहा जाता है। मान्यता है कि इसमें स्नान करने से भक्तों के सभी पाप धुल जाते हैं।

परिसर के अन्य मंदिर: मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार के समीप भक्त चोखामेला और प्रथम सीढ़ी पर संत नामदेव जी की समाधि है। निज मंदिर के घेरे में रुक्मिणी जी (रखुमई), बलराम जी, सत्यभामा, जांबवती तथा श्रीराधा के मंदिर हैं।

5. भगवान विट्ठल और भक्त पुंडलिक की अमर कथा

पंढरपुर तीर्थ की उत्पत्ति के पीछे 6वीं शताब्दी के परम भक्त पुंडलिक की एक बेहद सुंदर कथा है:

भक्त पुंडलिक अपने माता-पिता के परम सेवक थे। उनकी इस निश्छल भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण अपनी पत्नी रुक्मिणी के साथ साक्षात प्रकट हो गए। प्रभु ने पुंडलिक को आवाज दी, हम तुम्हारा आतिथ्य ग्रहण करने आए हैं।

उस समय पुंडलिक अपने पिता के पैर दबा रहे थे। उन्होंने अपनी भक्ति का त्याग किए बिना, पास पड़ी एक ईंट भगवान की ओर सरका दी और कहा, प्रभु! मेरे पिताश्री शयन कर रहे हैं, कृपया आप इस ईंट पर खड़े होकर मेरी प्रतीक्षा करें। भगवान ने अपने भक्त की आज्ञा शिरोधार्य की और दोनों हाथ कमर पर रखकर, पैरों को जोड़कर ईंट पर खड़े हो गए।

भक्त की सेवा भावना का मान रखने के लिए भगवान आज भी उसी रूप में वहां खड़े हैं। ईंट (विठ) पर खड़े होने के कारण वे 'विट्ठल' कहलाए और यह स्थान पुंडलिकपुर से अपभ्रंश होकर 'पंढरपुर' बन गया।

6. वारकरी संप्रदाय और प्रमुख संत

वारकरी का अर्थ: 'वारी' का अर्थ है परिक्रमा या यात्रा और 'करी' का अर्थ है करने वाला। भक्तराज पुंडलिक को इस संप्रदाय का ऐतिहासिक संस्थापक माना जाता है।

प्रमुख प्रवर्तक संत: संत ज्ञानेश्वर, संत नामदेव, संत एकनाथ और संत तुकाराम इस संप्रदाय के मुख्य आधार स्तंभ हैं। यह संप्रदाय 'चैतन्य', 'स्वरूप', 'आनन्द' और 'प्रकाश' जैसी विभिन्न शाखाओं में विभाजित है, जो पंचदेवों की पूजा करता है (जिसमें श्रीकृष्ण का विट्ठल रूप प्रधान है)।

वर्ष में 4 बार मिलन: वैसे तो यहाँ वर्ष में चार बार (आषाढ़, कार्तिक, माघ और श्रावण) श्रद्धालु जुटते हैं, लेकिन आषाढ़ के महीने में देवशयनी एकादशी पर यहाँ सबसे बड़ा मेला लगता है।

संत तुकाराम (तुकोबा) संक्षिप्त परिचय

जीवनकाल: भक्ति आंदोलन के महान कवि संत तुकाराम का जन्म पुणे के 'देहू' ग्राम में हुआ था (ज्यादातर विद्वान इनका जीवनकाल 1577 से 1650 ई. मानते हैं)।

दीक्षा: इन्हें चैतन्य नामक साधु ने स्वप्न में 'रामकृष्ण हरि' महामंत्र की दीक्षा दी थी।

विट्ठल भक्ति: इनके कुल में आठ पीढ़ियों से विट्ठल की उपासना और पंढरपुर की यात्रा नियमित रूप से चली आ रही थी। आज भी जब वारकरी पंढरपुर जाते हैं, तो आकाश 'ज्ञानोबा माऊली तुकाराम' के नारों से गूंज उठता है।

कब जाना चाहिए मंदिर? जानिए सही समय, नियम और मान्यताएं

मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक विकास की चाह में लोग मंदिरों का रुख करते हैं। यहां पहुंचकर भक्त अपने आराध्य देव की पूजा-अर्चना करते हैं, दर्शन करते हैं और प्रसाद, फूल, माला या हवन सामग्री अर्पित करते हैं। अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए लोग मन्नतें भी मांगते हैं। हर व्यक्ति का अपना इष्ट देव अलग हो सकता है, लेकिन श्रद्धालु लगभग हर मंदिर में जाते हैं, चाहे वह भगवान शिव का हो, श्रीहरि विष्णु का, मां दुर्गा का या हनुमान जी का। ऐसे में अक्सर यह सवाल उठता है कि मंदिर जाने का सही समय क्या होता है, सुबह, दोपहर या शाम?

मंदिर जाने का सबसे शुभ समय

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंदिर जाने का सबसे शुभ समय ब्रह्म मुहूर्त या सूर्योदय का माना गया है। ब्रह्म मुहूर्त प्रातः लगभग 4 बजे से शुरू होता है और इस दौरान वातावरण बेहद शांत और शुद्ध होता है। इस समय मन एकाग्र रहता है और सकारात्मक ऊर्जा का स्तर उच्च होता है। मंदिरों में इसी समय भगवान का अभिषेक, पूजा और मंगला आरती होती है, जिसमें शामिल होने के लिए भक्त सुबह-सुबह पहुंचते हैं। यदि किसी कारणवश ब्रह्म मुहूर्त में जाना संभव न हो, तो सूर्योदय के समय या उसके थोड़ी देर बाद मंदिर जाना भी शुभ माना जाता है।

दोपहर के समय मंदिर जाना उपयुक्त नहीं माना जाता। इस दौरान भगवान के श्रृंगार और भोग की प्रक्रिया होती है, जिसके बाद उन्हें विश्राम दिया जाता है। कई मंदिरों में इस समय कपाट बंद कर दिए जाते हैं, जिससे दर्शन नहीं हो पाते।

अगर सुबह मंदिर नहीं जा पाएं, तो सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में जाना भी अच्छा विकल्प है। इस समय संध्या आरती होती है और पूजा के लिए यह समय भी शुभ माना गया है। हालांकि, देर रात मंदिर जाने से बचना चाहिए, क्योंकि उस समय भगवान के शयन का समय होता है और आरती के बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं।

ग्रहण काल चाहे सूर्य ग्रहण हो या चंद्र ग्रहण, में मंदिर जाना वर्जित माना जाता है, क्योंकि उस समय मंदिर बंद रहते हैं। ग्रहण समाप्त होने के बाद शुद्धिकरण के पश्चात ही दर्शन की अनुमति मिलती है।

मंदिर जाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है। स्नान करके शुद्ध अवस्था में जाएं, सादे और मर्यादित वस्त्र पहनें, चमड़े की वस्तुएं साथ न ले जाएं और मांस-मदिरा से दूर रहें। साथ ही, भोजन करने के तुरंत बाद मंदिर जाने से बचना चाहिए। इन बातों का पालन करने से पूजा का फल और भी अधिक शुभ माना जाता है।

व्रत - त्यौहार

15.07.2026 : गुप्त नवरात्र आरंभ,चन्द्रदर्शन

16.07.2026 : रथयात्रा, रामबलराम रथोत्सव

17.07.2026 : वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत

लद्दाख के सभी सात जिलों के लिए स्वायत्त पर्वतीय परिषदें गठित की जाएंगी : मुख्य सचिव

लेह: लद्दाख प्रशासन इस केंद्र शासित प्रदेश के सभी सातों जिलों में एक-एक स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (एएचडीसी) गठित करेगा। मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने इसे इलाके में जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करने और संतुलित विकास की दिशा में एक अहम कदम करार दिया। अप्रैल 2026 में शाम, नुब्रा, चांगथांग, जंस्कार और द्रास को नए जिलों के तौर पर अधिसूचित करने के साथ ही लद्दाख में जिलों की संख्या दो से बढ़कर सात हो गई। अब तक लेह और करगिल में मौजूद दो परिषदों के तहत निर्वाचित प्रतिनिधियों की व्यवस्था थी। इन दोनों जिलों में एक-एक परिषद है। कुंद्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'लद्दाख प्रशासन ने सभी सात जिलों में स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद गठित करने का फ़ैसला किया है। यह लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण और ज़मीनी स्तर पर शासन-व्यवस्था की दिशा में एक बड़ा कदम है।'

तमिल गीतकार आर. वैरामुथु 60वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित

नयी दिल्ली: प्रतिष्ठित तमिल गीतकार और वरिष्ठ लेखक आर. वैरामुथु को सोमवार को यहां 60वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से नवाज़ा गया। वैरामुथु को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में 2025 के इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया। वह यह पुरस्कार पाने वाले तीसरे तमिल लेखक और पहले तमिल कवि बन गए हैं। संयोग से आज उनका 73वाँ जन्मदिन है। आयोजकों के मुताबिक, उन्हें पुरस्कार स्वरूप 11 लाख रुपये का चेक, एक प्रशस्ति पत्र और ज्ञान की देवी वाग्देवी (सरस्वती) की एक कांस्य प्रतिमा प्रदान की गई। उन्हें उपन्यास 'कल्लिकट्टू इतिहासम' के लिये 2003 में साहित्य अकादमी पुरस्कार भी मिला था। उन्हें 2003 में पद्मश्री और 2014 में पद्मभूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा वर्ष 1961 में स्थापित ज्ञानपीठ पुरस्कार लेखकों के आजीवन असाधारण योगदान को मान्यता देने वाला भारत के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मानों में से एक है।

आगरा और प्रयागराज की तरह शहरी अवजल पुन: इस्तेमाल योजना में शामिल हुई वाराणसी

नयी दिल्ली: उत्तर प्रदेश की वाराणसी उन शहरों की सूची में शामिल हो गयी है जिनके पास अवजल को शोधित करके सुरक्षित दोबारा इस्तेमाल की अपनी कार्ययोजना है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने इसे भारत में अवजल को शोधित कर उसका दोबारा इस्तेमाल करने की दिशा में एक 'अहम' पड़ाव करार दिया है। वाराणसी की शोधित अवजल पुन: इस्तेमाल कार्ययोजना का अनावरण सोमवार को यहां जल संसाधन सचिवों के सम्मेलन में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने किया। इस मौके पर जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी और जल संसाधन सचिव वी.एल. कांता राव भी मौजूद थे। मिशन ने कहा कि ये कार्ययोजना इंगित करती है कि शोधित अवजल के सुरक्षित दोबारा इस्तेमाल (एसअरटीडब्ल्यू) पर तैयार राष्ट्रीय मसौदा वास्तविक धरातल पर आकार ले रहा है। यह कार्ययोजना सटीक जानकारी देती है कि शोधित किया अवजल कहां-कहां इस्तेमाल के लिए भेजा जा सकता है, जैसे ताप विद्युत संयंत्र, रेलवे, शहरी उद्यानों और सिंचाई के लिए।

नगालैंड: आईईडी धमाके में चार घायल, असम राइफल्स के एक जवान की मौत

कोहिमा: नगालैंड के चुमुकेदिमा जिले में सोमवार को एक संदिग्ध आईईडी धमाके में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया और चार घायल हो गए। एक रक्षा अधिकारी ने यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) कर्नल अमित शुक्ला ने बताया कि यह विस्फोट उस समय हुआ जब एक अभियान के तहत जा रहे असम राइफल्स के वाहन को निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है, जबकि घायल जवानों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है। प्रशासन ने अभी तक हताहत हुए जवानों की पहचान उजागर नहीं की है और न ही इस हमले के लिए जिम्मेदार संगठन या लोगों की आधिकारिक पुष्टि की है।

दिल्ली दंगा: आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच आरोपी दोषी करार

नई दिल्ली: उत्तर-पूर्वी दिल्ली में वर्ष 2020 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान खुफिया ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के बहुचर्चित मामले में दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत ने छह अन्य आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। सजा पर सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं की गई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने फैसला सुनाते हुए ताहिर हुसैन को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 153ए (वैमनस्य फैलाना), 147, 148 और 149 सहित विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया। हालांकि, उसे आपराधिक साजिश (धारा 120बी) और उकसाने (धारा 109) के आरोपों से बरी कर दिया गया। अदालत ने नाजिम, कासिम, जावेद और अनस को भी विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराया। वहीं हसीन उर्फ मुल्लाजी, सलमान, फिरोज, गुलफाम, सोयब, समीर खान और मुंतजिम उर्फ मूसा को बरी कर दिया गया।फैसला सुनाए जाने के दौरान ताहिर हुसैन अदालत में भावुक होकर रो पड़ा। उसके वकील ने उसे सांत्वना दी। अदालत ने जमानत पर चल रहे अनस और जावेद को तत्काल हिरासत में लेने का भी आदेश दिया।यह मामला अंकित शर्मा के पिता रवींद्र कुमार की शिकायत पर दयालपुर थाने में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। शिकायत के अनुसार, 25 फरवरी 2020 को कार्यालय से लौटने के बाद अंकित

पुलिस आयुक्त बोले- जांच न्यायिक कसौटी पर खरी उतरी

नयी दिल्ली: उत्तर पूर्वी दिल्ली में करीब छह साल पहले हुए दंगों के दौरान आसूचना ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या से जुड़े मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच लोगों को दोषी ठहराए जाने के बाद पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने सोमवार को कहा कि जांच न्यायिक कसौटी पर खरी उतरी है। दंगों के दौरान विशेष पुलिस आयुक्त के तौर पर प्रभावित क्षेत्र में मौजूद गोलछा ने जांच का नेतृत्व किया था।

घर से बाहर निकले थे, लेकिन वापस नहीं आए। बाद में स्थानीय लोगों ने परिवार को बताया कि उनकी हत्या कर शव चांद बाग पुलिया के पास खजूरी खास नाले में फेंक दिया गया है। पुलिस ने बाद में नाले से उनका शव बरामद किया था।अभियोजन पक्ष के अनुसार, दंगों के दौरान ताहिर हुसैन ने भीड़ का नेतृत्व किया और सांप्रदायिक तनाव भड़काया। आरोपपत्र में कहा गया कि हिंसक भीड़ ने अंकित शर्मा को पकड़कर चांद बाग पुलिया तक घसीटा, धारदार हथियारों से हमला कर उनकी हत्या कर दी और शव नाले में फेंक दिया।फैसले के बाद विशेष सरकारी वकील मधुकर पांडे ने कहा कि यह किसी पक्ष की जीत नहीं, बल्कि समाज की हार है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार ने अपूरणीय क्षति झेली है और दोषी परिवारों को भी इसका दर्द सहना पड़ेगा। यह वारदात फरवरी 2020 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान भड़की उत्तर-पूर्वी दिल्ली की सांप्रदायिक हिंसा के सबसे चर्चित मामलों में से एक रही है।

सभी दोषियों को फांसी मिलने तक न्याय अधूरा : अंकित शर्मा के परिजन

नई दिल्ली: आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या मामले में पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच आरोपियों को दोषी ठहराए जाने के बाद उनके परिजनों ने फैसले का स्वागत किया, लेकिन कहा कि सभी दोषियों को फांसी मिलने तक न्याय अधूरा रहेगा।अंकित शर्मा के भाई ने कहा कि अदालत के फैसले से कुछ राहत मिली है, लेकिन छह साल पुराना दर्द फिर ताजा हो गया। उन्होंने कहा, हमने परिवार का सबसे मजबूत सदस्य खो दिया। कोई भी फैसला उन्हें वापस नहीं ला सकता।परिजनों के अनुसार, घटना के दो-तीन महीने बाद ही सुरक्षा कारणों से परिवार दिल्ली छोड़कर उत्तर प्रदेश में किराये के मकान में रहने लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अंकित शर्मा ड्यूटी के दौरान हालात का जायजा लेने गए थे और उन्हें धर्म के आधार पर निशाना बनाया गया। परिवार ने कहा कि वह अदालत का सम्मान करता है, लेकिन हत्या में शामिल हर व्यक्ति को कठोरतम सजा मिलनी चाहिए। उनका कहना है कि अंकित शर्मा देश की सेवा कर रहे थे और उनके हत्यारों को फांसी की सजा मिलने पर ही न्याय पूर्ण माना जाएगा।

समय पर चिकित्सीय मदद मिलती तो बच जाती कई लोगों की जान: वियतनाम नौका हादसे के पीड़ित

हैदराबाद/अमरावती: वियतनाम में पर्यटकों की एक नौका के पलटने की घटना में जीवित बचे लोगों ने घटना स्थल पर समय पर चिकित्सीय तैयारी और प्रशिक्षित कर्मियों की कमी पर नाराजगी जताई। इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई। पीड़ितों ने कहा कि उन्होंने समुद्र से निकाले गए साथी यात्रियों की जान बचाने की नाकाम कोशिश में खुद ही सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) दिया। वियतनाम नौका हादसे में जीवित बचे आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कुल 20 पर्यटक रविवार देर रात को वियतनाम से विमान के जरिए हैदराबाद पहुंचे। शनिवार को वियतनाम के 'आन थोई पोर्ट' लौटते समय फू क्रोक द्वीप के पास 'होन मे रुट न्गोई' के पास 32 भारतीय सैलानी, चालक दल के तीन सदस्य और एक सहायक को ले जा रही एक टूरिस्ट स्पीडबोट पलट गई। इस हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई और 21 लोगों को बचाया गया, जिनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। राजमुंदरी के रहने वाले और एक मोबाइल कंपनी के कर्मचारी गोविंद ने द्वीप पर बिताए मुश्किल पलों के बारे में बताया। मोबाइल कंपनी ने ही उनकी इस यात्रा का आयोजन किया था। गोविंद ने 'पीटीआई-वीडियो' को बताया, ''द्वीप पर कोई सही चिकित्सा टीम नहीं थी। हमें जितनी जानकारी थी उसी के हिसाब से हमने हर संभव प्रयास किया। हमने सीपीआर दिया और लोगों को जिंदा रखने की कोशिश की लेकिन कई लोगों ने हमारी आंखों के सामने ही दम तोड़ दिया। अगर प्रशिक्षित चिकित्सक, ऑक्सीजन सपोर्ट और बुनियादी आपात सुविधाएं होतीं तो उनमें से कुछ लोगों की जान बच सकती थी।'' गोविंद के अनुसार, नौका पर 35 लोग सवार थे और कई लोगों को समुद्र से बचाया गया, लेकिन द्वीप पर सीपीआर देने या आपात उपचार के लिए कोई प्रशिक्षित चिकित्सक नहीं था। उन्होंने बताया कि नौका पलटने के तुरंत बाद नौका के चालक दल, जेट स्की संचालक और उनके समूह के लोगों ने यात्रियों को बचाने की कोशिश की। हालांकि, पेशेवर चिकित्सीय मदद बहुत देर से पहुंची। उन्होंने कहा, ''सभी ने मदद करने की कोशिश की। हम कुछ लोगों को बचाने में कामयाब रहे, लेकिन आधिकारिक मेडिकल मदद बहुत देर से पहुंची। हमने एयर एम्बुलेंस की मांग की लेकिन बताया गया कि वह उपलब्ध नहीं है। कुछ समय बाद एम्बुलेंस नौका आईं और गंभीर रूप से घायल लोगों को बाद में वहां से ले जाया गया।'' इस यात्रा पर आंध्र प्रदेश से गए 29 पर्यटकों में से 26 की जान बच गई जबकि तीन की मौत हो गई।

प्रदर्शन का 24वां दिन : भूख हड़ताल के 16वें दिन वांगचुक का वजन 8.2 किलोग्राम घटा

नयी दिल्ली: यहां जंतर मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे शिक्षाविद एवं जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का वजन 8.2 किलोग्राम घट गया तथा उनकी रक्त शर्करा का स्तर गिरकर 67 मिलीग्राम प्रति डेसी लीटर) पहुंच गया। 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) ने यह जानकारी दी। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने यह कहते हुए केंद्र से प्रदर्शनकारियों की मांगों पर ध्यान देने की अपील की कि 'लोगों की जिंदगियां दांव पर लगी हैं।' वांगचुक के अनिश्चितकालीन अनशन का आज 16वां दिन है तथा उनकी सेहत और बिगड़ गई है। कॉजपा की ओर से जारी स्वास्थ्य सूचना के मुताबिक, भूख हड़ताल शुरू होने के बाद से वांगचुक का कुल वज़न 8.2 किलोग्राम कम हो गया है, उनकी रक्त शर्करा का स्तर गिरकर 67 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर हो गया है और उनका रक्तचाप 107/70 एमएमएचजी दर्ज किया गया। परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर यहां जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) का विरोध-प्रदर्शन सोमवार को 24वें दिन जारी रहा।

संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा का सम्मान किया जाना चाहिए: सीजेआई सूर्यकांत

नयी दिल्ली: उच्चतम न्यायालय के अदालत कक्ष में एक वादी द्वारा हाल ही में की गई बदसलूकी और अपशब्दों के इस्तेमाल पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए, प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा का सम्मान किया जाना चाहिए। सीजेआई की यह टिप्पणी 'ऑल इंडिया सीनियर एडवोकेट एसोसिएशन' द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में आई, जो उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश पंकज मिथल और नव नियुक्त न्यायाधीशों-न्यायमूर्ति शील नागू, न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, न्यायमूर्ति अरुण पल्ली और न्यायमूर्ति वेंकिटा सुब्रमणि मोहना के सम्मान में आयोजित किया गया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने घटना पर एक सवाल के जवाब में मीडियाकर्मियों से कहा, ''मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा। बच्चे ऐसा कई बार कर देते हैं, लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि हमें संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादा, मान-सम्मान बनाए रखना चाहिए। यह हम सबका दायित्व है, सबको इसको निभाना है।'' एक नाटकीय घटनाक्रम में, शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से पेश हुए एक याचिकाकर्ता को जबरन अदालत से बाहर निकाल दिया गया। उसपर आरोप है कि उसने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली अपनी याचिका पर सुनवाई के दौरान अपशब्द कहे और अपने कानूनी दस्तावेज़ फेंक दिए। यह घटना न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की आंशिक कार्य दिवस पीठ के समक्ष हुई थी।

प्रधानमंत्री के हरियाणा और पंजाब दौरे के दौरान बम धमाकों की धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

चंडीगढ़: एक खालिस्तान-समर्थक समूह ने कथित तौर पर एक ई-मेल भेजकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुक्रवार को जींद में होने वाली रैली को निशाना बनाने की धमकी दी है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां उच्च सतर्कता बरत रही हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ई-मेल में धमकी दी गई है कि प्रधानमंत्री के पंजाब और हरियाणा दौरे के दौरान 17 जुलाई को चंडीगढ़ और जालंधर में विद्यालयों, रेलवे स्टेशन और अन्य जगहों पर बम धमाके किए जाएंगे। ई-मेल में रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को भी निशाना बनाने की धमकी दी गई है। यह ई-मेल कथित तौर पर 'खालिस्तान नेशनल आर्मी' नामक एक समूह की ओर से भेजा गया था। इस समूह ने हाल के महीनों में इसी तरह की धमकियां दी हैं, जिनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नागपुर मुख्यालय को दी गई धमकी भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि ई-मेल में खालिस्तान, किसानों और मारे गए मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा का ज़िक्र था और गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ के प्रति समर्थन व्यक्त किया गया है। दोसांझ ने फिल्म 'सतलुज' में खालड़ा का किरदार निभाया है। यह फिल्म तीन जुलाई को रिलीज़ होने के दो दिन बाद ही भारत में ओटीटी मंच जी5 से हटा दी गई थी, क्योंकि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं जताई थीं, जिसके बाद यह फिल्म विवादों में घिर गई थी। यह फिल्म खालड़ा की ज़िंदगी पर आधारित है, जिन्होंने 1984 और 1994 के बीच पंजाब में हज़ारों अज्ञात शवों के कथित तौर पर गैर-कानूनी ढंग से अंतिम संस्कार किए जाने की जांच की थी। उस समय राज्य आतंकवाद की चपेट में था। ई-मेल में धमकी दी गई थी कि स्कूलों, मोहाली के महापौर कार्यालय और जालंधर व चंडीगढ़ के रेलवे स्टेशन पर परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) से धमाके किए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार, ई-मेल में दावा किया गया था कि 17 जुलाई को अपराह्न 1:11 बजे स्कूलों में और अपराह्न 3:11 बजे मोहाली के महापौर कार्यालय में धमाके होंगे।

पेट्रोलियम मंत्रालय की इकाई को पेट्रोल, इथेनॉल से जुड़े आंकड़े साझा करने का निर्देश

नई दिल्ली: केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने पेट्रोलियम मंत्रालय की योजना इकाई पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) को पेट्रोल उत्पादन, आयात, इथेनॉल खरीद एवं मिश्रण तथा पेट्रोल बिक्री से जुड़े ऐतिहासिक आंकड़े सार्वजनिक करने और आरटीआई आवेदक को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। आयोग ने पाया कि सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी पर पीपीएसी ने केवल आंशिक जवाब दिया था।सूचना आयुक्त खुशवंत सिंह सेठी ने आदेश में कहा कि जहां जानकारी उपलब्ध है, वहां उसकी सॉफ्ट कॉपी आवेदक के ई-मेल पर भेजी जाए। साथ ही इथेनॉल मिश्रण संबंधी अधिसूचनाओं के स्पष्ट वेब लिंक उपलब्ध कराने, इथेनॉल आपूर्तिकर्ताओं से जुड़े प्रश्न को संबंधित लोक प्राधिकरण को हस्तांतरित करने तथा कंपनी-वार पेट्रोल आपूर्तिकर्ताओं की जानकारी से इनकार करते समय आरटीआई अधिनियम के तहत लागू छूट का स्पष्ट उल्लेख करने के निर्देश दिए गए।आरटीआई आवेदन में वर्ष 2014-15 से पेट्रोल के उत्पादन, आयात, खरीद, उस पर हुए खर्च, इथेनॉल मिश्रण के मानदंड, इथेनॉल की खरीद और खपत, आपूर्तिकर्ताओं का विवरण तथा पेट्रोल बिक्री से होने वाले मुनाफे सहित छह श्रेणियों की सूचनाएं मांगी गई थीं। पीपीएसी ने अपने जवाब में कहा था कि उत्पादन, आयात, निर्यात और राज्यवार आंकड़े उसकी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, जबकि कंपनी-वार विवरण व्यावसायिक और गोपनीय होने के कारण आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(डी) और 8(1)(ई) के तहत सार्वजनिक नहीं किए जा सकते। हालांकि सुनवाई के दौरान आवेदक ने कहा कि वह वेबसाइट पर मांगी गई जानकारी नहीं खोज पाया।

अरुणाचल में फिर से बाढ़ और भूस्खलन के कारण 97 हजार से अधिक लोग प्रभावित

ईटानगर: अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से सोमवार को कई जिलों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी देते हुए बताया गया है कि सड़क संपर्क बाधित होने के साथ ही सार्वजनिक ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है। बयान के अनुसार, राज्य में जारी बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में सात लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 97 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) ने बताया कि सोमवार तड़के ऊपरी क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण कुमे नदी में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे कुरुंग कुमे जिले के परसी-पारलो सर्किल और डामिन उपखंड में भारी नुकसान हुआ। बयान के अनुसार, डामिन उपखंड में हुरी और डामिन को जोड़ने वाला पुल बह गया, जिससे सड़क संपर्क टूट गया। वहीं, परसी-पारलो सर्किल में निरीक्षण बंगला जलमग्न हो गया, दो आवासीय मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा, एक चर्च क्षतिग्रस्त हो गया और पगाम गांव को जोड़ने वाला पुल बह गया। बाढ़ की वजह से इलाके के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान सेंट थॉमस स्कूल को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है। बयान में कहा गया कि पूरा परिसर जलमग्न हो गया, जिससे इमारतों, कक्षाओं, शिक्षण सामग्री, फर्नीचर, उपकरणों और शिक्षकों के आवास को नुकसान पहुंचा है। इसके चलते शैक्षणिक गतिविधियां रोक दी गई हैं। बयान में कहा गया कि अचानक आई बाढ़ से परिवहन व्यवस्था, सार्वजनिक ढांचे और आवासीय संपत्तियों को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

'विधायकों की खरीद-फरोख्त' के आरोप पर भाजपा ने उमर अब्दुल्ला को भेजा नोटिस

श्रीनगर: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू कश्मीर इकाई ने सोमवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को कानूनी नोटिस भेजा। यह नोटिस उनके उस दावे को लेकर भेजा गया जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा ने उनकी सरकार गिराने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों को नकद और मंत्री पद का लालच देने की कोशिश की थी। भाजपा ने इन आरोपों को ''झूठा, बेबुनियादी और मानहानिकारक'' बताते हुए लिखित रूप में इन्हें वापस लेने और सात दिनों के भीतर बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। साथ ही, पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर ये मांगें पूरी नहीं की गईं, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पिछले सप्ताह हजरतबल में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया था कि भाजपा उनकी पार्टी में टूट करवाकर उनकी सरकार गिराने की कोशिश कर रही है।

आध्यात्मिक युग के विवेकानंद आचार्य महाप्रज्ञजी थे - मुनि जिनेश कुमार

कोलकाता, समाज्ञा : युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री जिनेश कुमारजी ठाणा-3 के सान्निध्य में युगप्रधान आचार्य श्री महाप्रज्ञजी का 107वां जन्म दिवस समारोह का भव्य आयोजन साउथ हावड़ा श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा द्वारा हावड़ा मिल्स क्लब हाउस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र राठौड़ (पूर्व प्रतिपक्ष नेता, राजस्थान विधानसभा) थे। महासभा के प्रधान न्यासी सुरेश गोयल, उपाध्यक्ष मांगीलाल बोथरा, कोषाध्यक्ष मदनजी मरोठी, ट्रस्टी नगराजजी बरमेचा आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री जिनेशकुमारजी ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञजी जैनशासन के ज्योतिर्धर पुरुष थे। उनका जीवन बहुआयामी था। वे प्रवचनकार, साहित्यकार, कवि, लेखक थे। वे आगमवेता , विधिवेत्ता, तत्ववेत्ता थे। केवल जैन समाज के ही नहीं, अपितु संपूर्ण मानवता के मार्गदर्शक थे। उन्होंने अहिंसा यात्रा के माध्यम से विश्व में शांति, सद्भाव और नैतिक मूल्यों का संदेश दिया। मुनिश्री ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञजी ने जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान तथा अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से लोगों के जीवन में नई चेतना का संचार किया। कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल साउथ हावड़ा के मंगलाचरण से हुआ। स्वागत भाषण सभा के अध्यक्ष प्रकाश चंद मालू ने दिया।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजेंद्र राठौड़ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वे स्वयं उस क्षेत्र के निवासी हैं जहां आचार्य श्री महाप्रज्ञजी का जन्म हुआ था। उन्हें उनके दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने समाज को सही दिशा देने तथा जन-जन तक नैतिक मूल्यों का संदेश पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आचार्य श्री महाश्रमणजी की अहिंसा यात्रा के तीन चरणों में भी उन्होंने सहयोग प्रदान किया। महासभा के उपाध्यक्ष मांगीलालजी बोथरा ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर साउथ हावड़ा सभा ट्रस्ट बोर्ड के चेयरपर्सन संजय कुमार नाहटा, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा कोलकाता के अध्यक्ष शिखर चंद लुणावत, तेरापंथ युवक परिषद साउथ हावड़ा के अध्यक्ष विक्रम भंडारी, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष राजेशजी जैन, अणुव्रत समिति हावड़ा के उपाध्यक्ष मनीष बैद ने अपने विचार व्यक्त किए। आभार ज्ञापन साउथ हावड़ा सभा के मंत्री बसंत पटवारी ने किया। कार्यक्रम का संचालन मुनिश्री परमानंद जी ने किया। अंत में सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर का सांवर मल धनानिया आदि गणमान्य लोग अच्छी संख्या में उपस्थित थे।

भारत, जापान ने रक्षा उद्योग और साइबर सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने के लिए अहम वार्ता की

नयी दिल्ली: टोक्यो में सोमवार को हुई एक अहम द्विपक्षीय बैठक में भारत और जापान ने रक्षा उद्योग में सहयोग, प्रौद्योगिकीय नवाचार, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष एवं साझा रणनीतिक हित वाले अन्य क्षेत्रों में सहयोग और प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दोनों देशों ने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर ''बढ़ते तालमेल'' पर भी संतोष जताया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मिलकर काम जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एक स्वतंत्र, खुले और नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यहां रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने सोमवार को टोक्यो में अपनी आठवीं रक्षा नीति वार्ता की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया, जबकि जापानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय मामलों के लिए रक्षा उप-मंत्री कानो कोजी ने किया। बयान में कहा गया है कि दोनों देशों ने मौजूदा क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य पर व्यापक चर्चा की और आपसी हित के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। बयान में कहा गया है, ''वार्ता में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की गई। इनमें सेनाओं के बीच आपसी आदान-प्रदान, संयुक्त मुख्यालयों के बीच सहयोग, समुद्री सहयोग, रक्षा अभ्यास, रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी (समुद्री प्रौद्योगिकी सहित) में सहयोग, और संस्थागत स्तर पर बेहतर बातचीत शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने रक्षा उद्योग में सहयोग, प्रौद्योगिकीय नवाचार, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और साझा रणनीतिक हित वाले अन्य क्षेत्र जैसे उभरते हुए क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ करने के तरीकों पर भी चर्चा की। यह अहम बैठक, जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की हालिया भारत यात्रा के ठीक बाद हुई। ताकाइची एक से तीन जुलाई तक भारत की यात्रा पर थीं। यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा थी। अधिकारियों ने बताया कि टोक्यो में हुई बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने पिछली रक्षा नीति वार्ता के बाद से द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में हुई अहम प्रगति की समीक्षा की तथा भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने क्रिकेटर अभिषेक शर्मा के 'पर्सनैलिटी राइट्स' की सुरक्षा की

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने भारतीय क्रिकेटर अभिषेक शर्मा के 'पर्सनैलिटी राइट्स' की सुरक्षा करते हुए तीसरे पक्ष को उनके नाम, तस्वीर आदि का बिना इजाजत किसी भी व्यावसायिक या निजी फायदे के लिए गलत इस्तेमाल करने से रोक दिया है। इसमें कृत्रिम मेधा (एआई) से बनी सामग्री को फैलाना और पोशाक बेचना भी शामिल है। अभिषेक की याचिका पर नौ जुलाई को दिए गए एक अंतरिम आदेश में न्यायमूर्ति ज्योति सिंह ने मेटा के मंचों और अन्य ऑनलाइन मंचों और ई-कॉमर्स विक्रेताओं को निर्देश दिया कि वे आपत्तिजनक सामग्री वाले लिंक हटा दें। याचिका में कहा गया कि सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वाले कई लोग एआई का इस्तेमाल करके अभिषेक की नकली तस्वीरें और वीडियो बना रहे थे जिनसे ना सिर्फ अफवाहें फैल रही थीं बल्कि उनकी व्यावसायिक कीमत और सम्मान को भी नुकसान पहुंच रहा था।

भारत ने लार्ड्स में ऐतिहासिक महिला क्रिकेट टेस्ट में इंग्लैंड को 270 रन से हराया

लंदन : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 270 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। चौथे और अंतिम दिन भारत को जीत के लिए चार विकेट की जरूरत थी, जिसे टीम ने आसानी से हासिल कर लिया।ऑफ स्पिनर स्नेह राणा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 42 रन देकर चार विकेट चटकाए और भारत की जीत की अगुआई की। उनके अलावा सयाली सतघरे, दीप्ति शर्मा और क्रांति गौड़ ने दो-दो विकेट लिए। इंग्लैंड की दूसरी पारी 62.5 ओवर में 186 रन पर सिमट गई। मेजबान टीम की ओर से एमी जोन्स ने 54 और सोफी एक्लेस्टोन ने 50 रन बनाए, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा

सकीं।भारत ने इंग्लैंड के सामने 457 रन का विशाल लक्ष्य रखा था। अंतिम दिन इंग्लैंड ने छह विकेट पर 130 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। स्नेह राणा ने एमी जोन्स और अंतिम बल्लेबाज सोफी एक्लेस्टोन के विकेट लेकर जीत पर मुहर लगा दी।भारत की जीत की नींव पहली पारी में बल्लेबाजों ने रखी, जबकि क्रांति गौड़ ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर लॉर्ड्स के प्रतिष्ठित ऑनर बोर्ड में अपना नाम दर्ज कराया। भारतीय गेंदबाजों ने पिच की परिस्थितियों का बेहतरीन उपयोग किया और पूरे मैच में इंग्लैंड पर दबाव बनाए रखा।इस जीत के साथ भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ महिला टेस्ट क्रिकेट में अपना शानदार रिकॉर्ड भी बरकरार रखा। दोनों देशों के बीच अब तक खेले गए 16 टेस्ट मैचों में भारत ने चार और इंग्लैंड ने केवल एक मैच जीता है, जबकि 11 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ भारत की आखिरी हार 1995 में मिली थी। यह लॉर्ड्स में खेला गया पहला महिला टेस्ट भी था, जिससे इस ऐतिहासिक जीत का महत्व और बढ़ गया।

मैं टर्मिनेटर हूं, अभिषेक टर्मिनेटर चार है और वैभव टर्मिनेटर छह है: युवराज

लंदन : अपने जमाने के धाकड़ बल्लेबाज युवराज सिंह ने बेखौफ होकर खेलने वाले भारतीय बल्लेबाजों को अर्नोल्ड श्वार्ज़नेगर अभिनीत प्रतिष्ठित हॉलीवुड फिल्म 'टर्मिनेटर' के विभिन्न संस्करणों की तर्ज पर खुद को टर्मिनेटर, अभिषेक शर्मा को टर्मिनेटर चार और वैभव सूर्यवंशी को टर्मिनेटर छह बताया। अभिषेक के लिए मार्गदर्शक का काम करने वाले भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज का मानना है कि 15 वर्षीय सूर्यवंशी आक्रामक बल्लेबाजी के विकास में अगला कदम है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस युवा खिलाड़ी के साथ काम करने का मौका मिलता है तो उन्हें खुशी होगी। युवराज ने

जियोहॉटस्टार से कहा, ''मैं खुद को टर्मिनेटर कहता हूं। अब अभिषेक शर्मा के रूप में टर्मिनेटर चार आ गया है क्योंकि वह मुझसे चार गुणा बेहतर है। अब वैभव सूर्यवंशी के रूप में टर्मिनेटर छह आ गया है।'' अभिषेक और सूर्यवंशी के साथ विंबलडन का पुरुष एकल का फाइनल देखने वाले युवराज ने कहा, ''मैंने अपने समय में अपना काम किया, अभिषेक ने इसे और आगे बढ़ाया और अब वैभव नए मानक स्थापित कर रहा है। यह उसी सफर का तीसरा चरण है। खेल को इस तरह विकसित होते देखना बहुत अच्छा लगता है।'' उन्होंने कहा, ''जब मैं (यानिक) सिनर और (कार्लोस) अल्काराज़ को देखता हूं, तो मुझे टेनिस में हो रहे बदलाव नज़र आते हैं। अभिषेक और वैभव में भी मुझे यही विकास दिखाई देता है। मैंने अभिषेक के साथ काफी समय बिताया है और मैं वैभव के साथ भी समय बिताना चाहूंगा। उसका भविष्य उज्ज्वल है।''

टेस्ट कोच के पद से हटाए जाने के बाद मैकुलम ने इंग्लैंड के प्रशंसकों से माफी मांगी

बर्मिंघम : ब्रेंडन मैकुलम ने राष्ट्रीय टेस्ट कोच के तौर पर अपने नतीजों के लिए इंग्लैंड के क्रिकेट प्रशंसकों से माफी मांगी है और माना कि 'अब किसी और को मौका देने का समय आ गया है।' मैकुलम सीमित ओवरों की टीम के प्रभारी बने रहे लेकिन रविवार को उन्हें टेस्ट क्रिकेट में इस भूमिका से हटा दिया गया जो वह 2022 से संभाल रहे थे। न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने पुष्टि की कि उन्हें हटाया गया था और उन्होंने खुद पद नहीं छोड़ा था जैसा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा था। एजबेस्टन में सोमवार को उन्होंने कहा, ''हां, मुझे पद से हटा दिया गया। मैं निराश था लेकिन साथ ही मैं इस फैसले का पूरा सम्मान करता हूं। हम नतीजों पर आधारित खेल में हैं और असल में हमारे नतीजे उतने अच्छे नहीं थे। अब किसी और को मौका देने का समय आ गया है।'' इंग्लैंड के टेस्ट कोच के तौर पर मैकुलम का रिकॉर्ड 27 जीत, दो ड्रॉ और 20 हार का रहा। कप्तान बेन स्टोक्स के साथ उनके कार्यकाल को 'बैजबॉल' नाम दिया गया था। आक्रामक खेल ने टेस्ट क्रिकेट में नई जान फूंकी और शानदार नतीजे दिए।

87 देशों के बीच भारत ने रचा इतिहास, इंटरनेशनल फिजिक्स ओलंपियाड में जीते 5 गोल्ड मेडल

नई दिल्ली : दुनियाभर के 87 देशों के बीच भारत ने इतिहास रचा है। कोलंबिया के बुकारामांगा में आयोजित 56वीं इंटरनेशनल फिजिक्स ओलंपियाड 2026 में भारतीय छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम के सभी 5 स्टूडेंट्स ने गोल्ड मेडल जीते और देश ने संयुक्त रूप से वर्ल्ड नंबर 1 रैंक हासिल की। इस प्रतियोगिता में भारत ने चीन, कजाकिस्तान, रूस, दक्षिण कोरिया और ताइवान के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया। देश के इतिहास में यह दूसरा मौका है जब फिजिक्स ओलंपियाड के वैश्विक मंच पर हमारी पूरी टीम ने एक साथ गोल्ड मेडल हासिल किया है। इससे पहले 2018 में भारत ने कमाल किया था। भारत ने 87 देशों के 381 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए संयुक्त रूप से पहला स्थान प्राप्त किया। चीन, कजाकिस्तान, रूस, दक्षिण कोरिया और ताइवान के साथ भारत ने संयुक्त रूप से वर्ल्ड नंबर-1 रैंक हासिल की। सभी 5 भारतीय छात्रों ने गोल्ड मेडल जीता। इन स्टूडेंट्स ने दुनियाभर से आए 87 देशों के 381 स्टूडेंट्स के बीच अपनी जगह बनाई है। प्रतियोगिता में स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल के अलावा सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल भी बांटे गए हैं।

विश्व कप सेमीफाइनल: एमबाप्पे बनाम यामल और मेस्सी बनाम केन

अटलांटा : फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में दुनिया की चार शीर्ष रैंकिंग वाली पूर्व विश्व चैंपियन टीमें आमने-सामने होंगी। पहले सेमीफाइनल में फ्रांस का मुकाबला स्पेन से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में अर्जेंटीना और इंग्लैंड आमने-सामने होंगे। 1990 के बाद यह पहला अवसर है जब विश्व कप के अंतिम चार में पहुंची सभी टीमें पूर्व चैंपियन हैं।फ्रांस और स्पेन के मुकाबले में सबसे अधिक नजरें स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे और स्पेन के युवा सनसनी लामिन यामल पर रहेंगी। दोनों खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और अपनी टीमों के सबसे बड़े मैच विजेता माने जा रहे हैं। दो साल पहले यूरोपीय चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में स्पेन ने फ्रांस को 2-1 से हराया था, जिसमें 16 वर्षीय यामल ने यादगार गोल किया था। इस बार फ्रांस की टीम पहले से कहीं अधिक संतुलित और मजबूत नजर आ रही है।दूसरे सेमीफाइनल में

लियोनेल मेस्सी और हैरी केन की भिड़ंत आकर्षण का केंद्र होगी। अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच फुटबॉल इतिहास की सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्विताओं में से एक रही है। 1986 विश्व कप में डिएगो माराडोना का 'हैंड ऑफ गॉड' गोल और 1998 में डेविड बेकहम का रेड कार्ड आज भी इस मुकाबले की यादों का हिस्सा हैं।मेस्सी के लिए यह संभवतः आखिरी विश्व कप है और वह अपनी टीम को लगातार दूसरी बार खिताब दिलाने के इरादे से उतरेंगे। यदि अर्जेंटीना चैंपियन बनता है तो वह 1962 के बाद लगातार दो विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनेगा। वहीं, फ्रांस और अर्जेंटीना की जीत होने पर 2022 विश्व कप फाइनल की पुनरावृत्ति भी देखने को मिलेगी।गोल्डन बूट की दौड़ भी रोचक बनी हुई है। एमबाप्पे और मेस्सी आठ-आठ गोल के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं, जबकि हैरी केन और जूड बेलिंगहम भी पीछे नहीं हैं। ऐसे में दोनों सेमीफाइनल मुकाबले विश्व फुटबॉल के दिग्गजों और उभरते सितारों के बीच रोमांचक संघर्ष का गवाह बनने वाले हैं।

कोहली और रोहित के दम पर जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेगी भारतीय टीम

बर्मिंघम : दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा को इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार से यहां शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में न केवल खुद के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा, बल्कि टी20 में लगातार हार से आहत भारतीय टीम के मनोबल को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। कोहली, रोहित और जसप्रीत बुमराह उस प्रारूप में खेलने के लिए वापसी कर रहे हैं जिसमें द्विपक्षीय मैचों का महत्व और चमक टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के चलते खोती जा रही है। लेकिन 39 वर्षीय रोहित और जल्द ही 38 वर्ष के होने वाले कोहली में अब भी जोश और जुनून बरकरार है। वह अब भी वनडे की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल है और उनका लक्ष्य अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना है। उपमहाद्वीप की पिचों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण पिचों पर जोफ्रा आर्चर और जोश टंग जैसे सटीक गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाजों का सामना करना एक अलग ही चुनौती है। लेकिन रोहित और कोहली ने पिछले कई वर्षों में इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की है और वह इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि उनसे क्या उम्मीद की जा रही है। इस श्रृंखला के लिए इन दोनों दिग्गज बल्लेबाजों का टीम में होना इसलिए भी महत्वपूर्ण बन गया है क्योंकि नए टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम मौजूदा दौरे में अपने सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से एक को छोड़कर (बारिश के कारण रद्द) बाकी सभी मैच हार गई थी। भारत को आयरलैंड के खिलाफ दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा था तथा इंग्लैंड के हाथों 0-4 की करारी हार से टीम को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय टीम प्रबंधन ने रोहित और कोहली के लिए चीजें आसान बनाकर नहीं रखी हैं लेकिन अभी टीम जिस परिस्थिति से गुजर रही है उसे देखते हुए वह इन दोनों का खुले दिल से स्वागत करने के लिए विवश होगा।

सोना 1,500 रुपये टूटकर 1.47 लाख रुपये पर, चांदी 2,000 रुपये कमजोर

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में अनिश्चितता बने रहने के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमत 1,500 रुपये टूटकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। वहीं चांदी की कीमत भी 2,000 रुपये फिसल गई। स्थानीय बाजार के जानकारों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत शुक्रवार के बंद भाव 1,48,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से 1,500 रुपये घटकर 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। चांदी की कीमत भी 2,000 रुपये घटकर 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। पिछले सत्र में चांदी का भाव 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम था। कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं, जिससे महंगाई की चिंताएं बढ़ीं और डॉलर मजबूत हुआ, जिसका असर कीमती धातुओं पर पड़ा।

देश का निर्यात जून में 15.5 प्रतिशत बढ़कर 40.41 अरब डॉलर, व्यापार घाटा पांच माह के उच्च स्तर पर

नयी दिल्ली : देश का निर्यात जून महीने में सालाना आधार पर 15.5 प्रतिशत बढ़कर 40.41 अरब डॉलर रहा। इस दौरान व्यापार घाटा बढ़कर पांच महीने के उच्च स्तर 30.43 अरब डॉलर पर पहुंच गया। मुख्य रूप से कच्चे तेल के दाम में तेजी से व्यापार घाटा बढ़ा है। कच्चे तेल का आयात आलोच्य महीने में 40 प्रतिशत बढ़कर 19.32 अरब डॉलर रहा। देश का कुल वस्तु आयात 31 प्रतिशत बढ़कर 70.84 अरब डॉलर रहा। जून के पहले पखवाड़े में, तेल की कीमत लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल थी। अब यह 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई है। पिछले महीने कीमती धातुओं, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी के आयात ने भी देश के आयात बिल को बढ़ाया। आलोच्य महीने में इलेक्ट्रॉनिक्स आयात 58.77 प्रतिशत बढ़कर 13.4 अरब डॉलर, मशीनरी 30.9 प्रतिशत बढ़कर 5.8 अरब डॉलर और और सोने का आयात सात प्रतिशत बढ़कर लगभग दो अरब डॉलर रहा।

विदेशी मुद्रा जमा और बढ़ाने को प्रवासी भारतीयों को जोड़ने के लिए कदम उठाएं बैंक: सीतारमण

नयी दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को बैंकों से कहा कि वे विदेशी मुद्रा जमा को और बढ़ाने के लिए प्रवासी भारतीयों को जोड़ने के लिए कदम उठायें। सीतारमण ने विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) जमा (एफसीएनआर-बी), बाह्य वाणिज्यिक उधारी और विदेशी मुद्रा कर्ज अदला बदली उपायों पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए शुरुआती उत्साहजनक प्रतिक्रिया की सराहना की। वित्त मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, उन्होंने बैंकों से एनआरआई समुदाय तक अपनी पहुंच और बढ़ाने, नए तरह के जमा उत्पाद पेश करने और योजनाओं की बची हुई अवधि के दौरान जमा

जुटाने की गति को बनाए रखने का आह्वान किया। बैठक के दौरान, मुख्य कार्यपालक अधिकारियों ने बताया कि बैंक एफसीएनआर (बी) जमा पर आकर्षक रिटर्न दे रहे हैं, जिसमें पांच साल की जमा राशि भी शामिल है। यह नई एफसीएनआरबी (बी) जमा राशि पर ब्याज दर की सीमा को हटाने के कारण संभव हुआ है। बैंकों के सीईओ ने बताया कि सिंगापुर, हांगकांग, पश्चिम एशिया, ब्रिटेन, अमेरिका और अन्य विदेशी क्षेत्रों में रहने वाले एनआरआई ने इसमें काफी रुचि दिखाई है। बयान में कहा गया है कि उन्होंने सकारात्मक माहौल का फायदा उठाने और योजना की बची हुई अवधि के दौरान जमा जुटाने की प्रक्रिया को तेज करने की अपनी योजनाओं के बारे में बताया। बयान के अनुसार, उन्होंने भरोसा जताया कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2026) के दौरान बाह्य वाणिज्यिक उधारी यानी विदेशों से कर्ज जुटाने की प्रक्रिया में और तेजी आएगी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने यह भी बताया कि उन्होंने एनआरआई समुदाय से जुड़ने और जमा राशि तेजी से बढ़ाने के लिए डिजिटल चैनल सहित खास तौर पर तैयार की गई रणनीतियां अपनाई हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों द्वारा दिए जा रहे आकर्षक रिटर्न के कारण एफसीएनआर (बी) जमा राशि जुटाने में स्पष्ट रूप से तेजी देखी गई है। बातचीत के दौरान बैंकों ने यह भी बताया कि गुजरात की गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में मौजूद अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग इकाइयों का उपयोग ब्रिटेन, अमेरिका, पश्चिम एशिया, हांगकांग, सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशिया सहित कई क्षेत्रों से कोष जुटाने के लिए किया जा रहा है। सीतारमण ने बैंकों से गिफ्ट सिटी में उपलब्ध वित्तीय सेवाओं और संस्थागत बुनियादी ढांचे का अधिकतम उपयोग करने का भी आग्रह किया।

लावा वियतनाम नौका हादसे में मरे 15 लोगों के परिजनों को देगी 25-25 लाख रुपये की मदद

नयी दिल्ली : घरेलू मोबाइल फोन कंपनी लावा इंटरनेशनल ने वियतनाम में हुए नौका हादसे में जान गंवाने वाले अपने 14 सहयोगियों एवं एक कर्मचारी के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास शनिवार को पर्यटकों से भरी नौका के पलट जाने से लावा कंपनी के 14 सहयोगियों और एक कर्मचारी की मौत हो गई थी। लावा ने एक बयान में कहा, ''इस मुश्किल समय में पीड़ित परिवारों के साथ एकजुटता दिखाते हुए कंपनी हरेक मृतक के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देगी।'' कंपनी ने कहा कि जरूरी जांच-पड़ताल और कागजी कार्रवाई के बाद प्रभावित परिवारों को यह मदद सीधे दी जाएगी। बयान के मुताबिक, ''यह मदद स्वेच्छा से और मानवीय आधार पर दी जा रही है। जिन लोगों की जान गई, वे लावा परिवार के अहम सदस्य थे। गहरे दुख की इस घड़ी में हम उनके परिवारों के साथ खड़े हैं और इस मुश्किल समय में उन्हें अपना सहयोग दे रहे हैं।'' हादसे के समय नाव में कुल 36 लोग सवार थे जिनमें 32 भारतीय पर्यटक एवं स्थानीय चालक दल के चार सदस्य शामिल थे। इनमें से 21 लोगों को बचा लिया गया था। लावा ने रविवार रात को एक बयान में कहा था कि वियतनाम गए उसके 86 कर्मचारी एवं साझेदार सुरक्षित भारत लौट आए हैं। कुछ कर्मचारी एवं चैनल साझेदार अभी वियतनाम में ही हैं और मृतकों के शवों को भारत लाने की प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। लावा ने कहा कि वह वियतनाम स्थित भारतीय दूतावास, स्थानीय प्रशासन और हो ची मिन्ह सिटी में भारतीय वाणिज्य दूतावास के साथ लगातार संपर्क में है।

खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली : खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से देश में खुदरा मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चार प्रतिशत के निर्धारित लक्ष्य से अधिक है। मई में यह 3.93 प्रतिशत रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जून महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 5.32 प्रतिशत हो गई, जबकि मई में यह 4.78 प्रतिशत थी। नए आधार वर्ष 2024 वाली शृंखला के तहत खुदरा मुद्रास्फीति पहली बार चार प्रतिशत के स्तर के पार गई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जून में सबसे अधिक महंगाई चांदी, सोना, हीरा एवं प्लैटिनम के आभूषण, अदरक, टमाटर और किशमिश एवं मुनक्का की कीमतों में दर्ज की गई। दूसरी तरफ, आलू, मटर, कार एवं जीप, जीरा तथा मोटरसाइकिल एवं स्कूटर जैसी वस्तुओं में अपेक्षाकृत कम महंगाई रही। पिछले महीने राष्ट्रीय स्तर पर मुद्रास्फीति 4.38 प्रतिशत रही जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 4.74 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 3.92 प्रतिशत रही। एनएसओ के आंकड़े से पता चलता है कि राज्यों में

तेलंगाना में सबसे अधिक 6.36 प्रतिशत और मिजोरम में सबसे कम 1.63 प्रतिशत महंगाई दर्ज की गई। सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर बनाए रखने का लक्ष्य दिया हुआ है, जिसमें दो प्रतिशत की घट-बढ़ संभव है। केंद्रीय बैंक ने जून में हुई पिछली मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया था, लेकिन 2026-27 के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया था। मुद्रास्फीति के इन आंकड़ों पर इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की निदेशक मेघा अरोड़ा ने कहा कि जुलाई में मुख्य महंगाई दर और भी बढ़कर 4.9 प्रतिशत तक जा सकती है। हालांकि, यह आरबीआई की ऊपरी संतोषजनक सीमा छह प्रतिशत के भीतर ही रहेगी।

'यूजरनेम फीचर' मामले में व्हाट्सऐप, अन्य मंचों के जवाब मिले: आईटी सचिव कृष्णन

नयी दिल्ली : सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने सोमवार को कहा कि व्हाट्सऐप समेत अन्य मंचों ने 'यूजरनेम फीचर' पर भेजे गए नोटिस का जवाब दे दिया है। सरकार जवाब पर गौर करने के बाद इस मुद्दे पर अपना रुख बताएगी। सरकार के विवादित 'यूजरनेम फीचर' पर नोटिस जारी किए जाने के बाद तीन मंच...व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और सिग्नल नियामकीय जांच के दायरे में आ गए हैं। यह विशेषता असल में लोगों को अपना फोन नंबर साझा किए बिना संदेश भेजने, प्राप्त करने के मंच पर बातचीत करने की सुविधा देती है। कृष्णन ने संवाददाताओं से कहा, ''यूजरनेम के मुद्दे पर, कुछ मंच के जवाब मिल गए हैं। हम उसकी जांच कर रहे हैं और अपना रुख बताएंगे।'' कृष्णन ने बताया कि मंच को जवाब देने के लिए 7-10 दिन का समय दिया गया था। उन्होंने कहा, ''इसलिए हमें भी उन जवाब की जांच करने के लिए कुछ समय चाहिए।'' सरकार ने एक जुलाई को व्हाट्सऐप को नोटिस जारी कर मेटा के स्वामित्व वाले इस मंच से प्रस्तावित यूजरनेम फीचर के बारे में सवाल पूछे थे। केंद्र सरकार ने चिंता जताई थी कि यह किसी और का रूप धारण कर धोखाधड़ी और ऑनलाइन घोटाले को बढ़ावा दे सकता है।

शेयर बाजार शुरुआती गिरावट से उबरा, स्थिर रुख के साथ बंद

मुंबई : पश्चिम एशिया में तनाव गहराने के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से सोमवार को निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई लेकिन निचले स्तर पर खरीदारी आने से घरेलू शेयर बाजार लगभग स्थिर रुख के साथ बंद हुए। विश्लेषकों के मुताबिक, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में मजबूती ने भू-राजनीतिक चिंताओं के असर को कुछ हद तक संतुलित किया, जिससे बाजार शुरुआती गिरावट से उबरने में सफल रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 711.96 अंक यानी 0.91 प्रतिशत टूटकर 76,857.43 अंक तक आ गया था। हालांकि, आईटी शेयरों में जबर्दस्त खरीदारी आने से यह गिरावट से उबरकर 219.9 अंक तक चढ़ गया, लेकिन अपनी बढ़त कायम नहीं रख सका। कारोबार के अंत में यह 47.01 अंक यानी 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 77,616.40 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 4.10 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की हल्की बढ़त के साथ 24,211 अंक पर बंद हुआ और इसमें लगातार तीसरे सत्र में तेजी दर्ज की। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 5.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे अधिक लाभ में रही।

पहली तिमाही में बीएसएनएल का परिचालन राजस्व 10 प्रतिशत बढ़ा : सिंधिया

नयी दिल्ली : केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीएसएनएल ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में अपने परिचालन राजस्व में 'बिना ऑडिट' के लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए बीएसएनएल की समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सिंधिया ने कहा कि बीएसएनएल के उद्यमी व्यवसाय खंड और उपभोक्ता 'मोबिलिटी' में वृद्धि देखी गई है, जबकि उपभोक्ता 'फिक्स्ड एक्सेस' खंड लगभग स्थिर रहा है। सिंधिया ने कहा, ''जहां तक हमारे कुल राजस्व की बात है, तो कारोबार के परिचालन से सीधे तौर पर हमें पिछले साल के मुकाबले राजस्व में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी मिली है।

स्पेन का सबमर समूह मध्यप्रदेश में सेमीकंडक्टर उद्योग में दो अरब डॉलर का निवेश करेगा

भोपाल : स्पेन के सबमर समूह ने सोमवार को यहां मध्यप्रदेश के सेमीकंडक्टर उद्योग में दो अरब डॉलर (19,000 करोड़ रुपये) के निवेश की घोषणा की। इससे प्रत्यक्ष रोजगार के करीब 5,000 अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने एक बयान में कहा, '' स्पेन के सबमर समूह ने एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0: जीसीसी - डेटा सेंटर एंड सेमीकंडक्टर्स में सेमीकंडक्टर उद्योग में दो अरब डॉलर (19,000 करोड़ रुपये) निवेश की घोषणा की।'' उन्होंने कहा कि डेटा सेंटर परियोजना के लिए भूमि आवंटन का अनुरोध करने वाला एक ईमेल प्राप्त हुआ था, जिसके छह दिनों के भीतर अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में 15 एकड़ भूमि आवंटित कर दी गई। इस घोषणा के दौरान बार्सिलोना स्थित सबमर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पैट्रिक स्मेट्स सहित कंपनी के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

वर्ष 11, पूर्णांक 3652 अंक 118 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in